हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची • बुधवार • 01.07.2026 • वर्ष : 16 • अंक : 334 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 4 रुपये

RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902

एक नजर

सपा के मुख्य सचेतक पद से विधायक कमाल अख्तर का इस्तीफा

लखनऊ : मुरादाबाद के विधायक कमाल अख्तर ने विधानसभा में समाजवादी पार्टी के दल के मुख्य सचेतक पद से इस्तीफा दे दिया है। यह फैसला मुरादाबाद की सांसद रुचि वीरा के साथ विवाद सामने आने के बाद आया है। हालांकि इस्तीफे के कारणों पर पार्टी की ओर से अभी कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। विवाद को सुलझाने के लिए हाल ही में पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने लखनऊ में दोनों पक्षों के साथ बैठक भी की थी। माना जा रहा था कि मामला शांत हो गया है, लेकिन अब कमाल अख्तर के इस्तीफे ने अटकलों को फिर हवा दे दी है।

यमुना एक्सप्रेस-वे पर हादसा, चार लोगों की मौत, 20 घायल

मथुरा : उत्तर प्रदेश के मथुरा में यमुना एक्सप्रेस-वे पर आज तड़के करीब साढ़े तीन बजे लखनऊ से दिल्ली जा रही एक तेज रफ्तार वोल्वो बस आगे चल रहे गिट्टी से लदे ट्रेलर में पीछे से जा घुसी। हादसे में चार यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि करीब 20 लोग घायल हो गए। टक्कर इतनी भीषण थी कि बस का अगला हिस्सा ट्रेलर में घुसकर पूरी तरह पिचक गया। हादसा एक्सप्रेस-वे के माइलस्टोन 112 से 113 के बीच राया कट से करीब दो किलोमीटर पहले हुआ।

ग्रेटर नोएडा डबल मर्डर केस : पांच भाइयों समेत नौ दोषियों को उम्रकैद

नयी दिल्ली : वर्ष-2021 में ग्रेटर नोएडा स्थित थाना बादलपुर क्षेत्र के गिरधरपुर सुनारसी गांव में जमीन विवाद को लेकर हुई दोहरे हत्याकांड की चर्चित घटना में गौतमबुद्धनगर की द्वितीय अपर सत्र न्यायाधीश सोमप्रभा मिश्रा की अदालत ने बड़ा फैसला सुनाते हुए पांच सगे भाइयों समेत नौ दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने पांच सगे भाई देवेन्द्र, रविन्द्र, सतेन्द्र, धर्मेन्द्र, जितेन्द्र के अलावा दो सगे भोपाल, महिपाल उर्फ अल्लू व दो अन्य सगे भाई अमरजीत बंसल और अमित बंसल को हत्या, हत्या के प्रयास, दंगा, घातक हथियार से दंगा, गाली-गलौज और क्रिमिनल लॉ अमेंडमेंट एक्ट के तहत दोषी ठहराते हुए विभिन्न धाराओं में सजा सुनाई है। दोषियों पर 86-86 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है।

मुख्यमंत्री ने हूल विद्रोह के महान नायकों और अमर शहीदों सिदो-कान्हू को अर्पित की श्रद्धांजलि

हूल आज भी हमें अन्याय के विरुद्ध डटे रहने की प्रेरणा देता है : हेमन्त सोरेन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड के मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन और उनकी विधायक पत्नी कल्पना सोरेन ने मंगलवार को हूल दिवस के अवसर पर रांची के मोरहाबादी स्थित सिदो-कान्हू उद्यान पहुंचकर हूल विद्रोह के महानायक अमर शहीद सिदो-कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने हूल विद्रोह को देश के इतिहास में शोषण और अन्याय के विरुद्ध छेड़े गए सबसे बड़े जनआंदोलनों में से एक बताते हुए कहा कि इसकी प्रेरणा आज भी समाज को अन्याय के खिलाफ संघर्ष करने का साहस देती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इन वीर सपूतों ने यह संदेश दिया कि अन्याय और अत्याचार के सामने कभी झुकना नहीं चाहिए। उन्होंने कहा कि आज भी समाज में जहां कहीं भी कमजोर और वंचित वर्गों का शोषण होता है, वहीं से संघर्ष और परिवर्तन की नई शुरूआत होती है। इसलिए हूल विद्रोह केवल इतिहास का अध्याय नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय और समानता के लिए सतत प्रेरणा का स्त्रोत है।

हेमन्त सोरेन ने कहा कि झारखंड की पहचान वीरों और बलिदानियों की धरती के रूप में रही है। यहां समय-समय पर अनेक महापुरुषों ने समाज और देश के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया है। राज्य सरकार ऐसे सभी महापुरुषों के योगदान को सम्मानपूर्वक याद करती है और नई पीढ़ी को उनके आदर्शों से प्रेरणा लेने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

उन्होंने कहा कि क्रांति की आग कभी बुझती नहीं है और न ही उसे बुझाया जा सकता है। क्रांति की चिंगारी हमेशा समाज में जीवित रहती है और समय आने पर अन्याय के खिलाफ लोगों को एकजुट होने की प्रेरणा देती है।

मुख्यमंत्री ने उदाहरण देते हुए कहा कि देश के विभिन्न स्मारकों पर शहीदों की स्मृति में अखंड ज्योति निरंतर प्रज्वलित रहती है। दिल्ली के राजघाट और इंडिया गेट पर जलने वाली ज्योति इसी अमर बलिदान और राष्ट्रीय चेतना का प्रतीक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हूल विद्रोह के महानायकों का इतिहास स्वर्ण अक्षरों में अंकित है और आने वाली पीढ़ियां भी उनके साहस, त्याग और बलिदान से प्रेरणा लेती रहेंगी। उन्होंने सभी लोगों से आह्वान किया कि वे अमर शहीदों के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करें और सामाजिक न्याय, समानता तथा मानवता के मूल्यों को मजबूत बनाने में योगदान दें। इस अवसर पर विधायक कल्पना सोरेन ने भी अमर शहीद सिदो-कान्हू को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके संघर्ष और बलिदान को नमन किया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी, विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने हूल विद्रोह के अमर शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित कर उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

हूल दिवस शोषण के खिलाफ ऐतिहासिक संघर्ष का प्रतीक

मुख्यमंत्री ने कहा कि हूल दिवस केवल एक स्मृति दिवस नहीं, बल्कि उस ऐतिहासिक संघर्ष का प्रतीक है, जब आदिवासी समाज के वीरों ने अंग्रेजी शासन और शोषणकारी व्यवस्था के खिलाफ निर्णायक आवाज बुलंद की थी। उन्होंने कहा कि उस समय देश में शोषित और वंचित लोगों के पास अन्याय से मुक्ति का कोई रास्ता दिखाई नहीं दे रहा था। ऐसे कठिन दौर में अमर शहीद सिदो-कान्हू, चांद-भैरव तथा वीरांगना फूलो-झानो ने अपने प्राणों की परवाह किए बिना शोषण के विरुद्ध हूल क्रांति का बिगुल फूंका।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर त्वरित कार्रवाई, सभी 42 प्रवासी श्रमिक झारखंड के लिए रवाना

श्रम विभाग एवं राज्य प्रवासी श्रमिक नियंत्रण कक्ष ने संभाला मोर्चा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के निर्देश पर त्वरित कार्रवाई करते हुए श्रम विभाग एवं राज्य प्रवासी श्रमिक नियंत्रण कक्ष द्वारा तमिलनाडु गैस रिसाव हादसा में प्रभावित झारखण्ड के सभी 42 श्रमिकों की सुरक्षित झारखण्ड वापसी सुनिश्चित कर ली गई है। सभी श्रमिक ट्रेन से झारखण्ड के लिए रवाना हो चुके हैं।

मालूम को कि तमिलनाडु के तिरुवल्लूर जिले में स्थित सेंट पीटर्स एंड पॉल सीफूड्स एक्सपोर्ट्स फैसिलिटी में 21 जून 2026 को हुई अमोनिया गैस रिसाव की दुःखद औद्योगिक दुर्घटना का संज्ञान लेते हुए मुख्यमंत्री ने कड़े निर्देश जारी किए थे। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों और राज्य प्रवासी श्रमिक नियंत्रण कक्ष को स्पष्ट आदेश दिया था कि प्रभावित झारखण्ड के सभी प्रवासी श्रमिकों की सुरक्षित और सकुशल गृह वापसी के लिए तत्काल हर संभव कदम उठाए जाएं। मुख्यमंत्री के आदेश का पालन करते हुए श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग के सचिव व श्रमायुक्त के मार्गदर्शन में नियंत्रण कक्ष ने तिरुवल्लूर जिला प्रशासन, तमिलनाडु श्रम विभाग, रेलवे बोर्ड, दक्षिण रेलवे तथा अस्पताल प्रशासन के साथ चौबीसों घंटे समन्वय स्थापित कर रेस्क्यू और राहत अभियान चलाया।

इस औद्योगिक हादसे में झारखण्ड के कुल 42 प्रवासी श्रमिकों को सुरक्षित रेस्क्यू किया गया, जिन्होंने अपने गृह राज्य लौटने की इच्छा व्यक्त की। झारखण्ड सरकार के विशेष अनुरोध और सतत समन्वय के बाद, रेलवे प्रशासन द्वारा ट्रेन अलप्पुझा-धनबाद एक्सप्रेस में झारखण्ड के श्रमिकों के लिए एक विशेष स्लीपर कोच स्वीकृत किया गया। इसके बाद मंगलवार को सभी 42 श्रमिक चेन्नई सेंट्रल रेलवे स्टेशन से सकुशल झारखण्ड के लिए प्रस्थान कर चुके हैं। यात्रा के दौरान इन श्रमिकों के लिए पैंट्री कार के माध्यम से भोजन-पानी तथा सुरक्षा के दृष्टिकोण से पर्याप्त रेलवे सुरक्षा बल की व्यवस्था सुनिश्चित कराई गई है।

इस हादसे में धनबाद निवासी श्रमिक प्रीति देवी का उपचार के दौरान चेन्नई के राजीव गांधी सरकारी सामान्य अस्पताल में दुःखद निधन हो गया था। झारखण्ड सरकार की पहल पर मृतका के परिजनों के तमिलनाडु आगमन, शव की पहचान, पोस्टमार्टम एवं अन्य वैधानिक औपचारिकताओं को शीघ्रता से पूर्ण कराया गया। तमिलनाडु सरकार के सहयोग से मृतका का पार्थिव शरीर मंगलवार शाम हवाई मार्ग से बिरसा मुंडा हवाई अड्डा, रांची पहुंचेगा। झारखण्ड सरकार द्वारा एयरपोर्ट पर एम्बुलेंस की मुस्तैद व्यवस्था की गई है, जिसके माध्यम से पार्थिव शरीर को ससम्मान उनके गृह जिला धनबाद भेजा जाएगा।

जमीन विवाद में सब रजिस्ट्रार की हत्या

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : गिरिडीह के सब रजिस्ट्रार बालेश्वर पटेल की रामगढ़ में हत्या कर दी गई है। मांडू थाना क्षेत्र अंतर्गत उनके पैतृक गांव रबोध में ही यह वारदात हुई। मंगलवार की सुबह जमीन विवाद को लेकर उनका झगड़ा गांव के ही कुछ लोगों के साथ हुआ। इस दौरान मारपीट करने आए लगभग एक दर्जन महिला और पुरुष सभी ने मिलकर उन पर जानलेवा हमला किया। इस दौरान उनके सिर पर ईंट से वार किया गया। इस घटना में सब रजिस्ट्रार बालेश्वर पटेल की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

उनके परिजनों और गांव वालों ने आनन-फानन में बालेश्वर पटेल को होप हॉस्पिटल में भर्ती कराया। लेकिन चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

जानकारी के अनुसार सब रजिस्ट्रार बालेश्वर पटेल ने अपने गांव में ही मई महीने में 11 डिसमिल जमीन खरीदी थी। यह जमीन उन्होंने महेश प्रसाद से रजिस्ट्री कराई थी। उस जमीन पर वह अपना घर बनाने के लिए बोरिंग करवा रहे थे। मंगलवार के सुबह जब वह उस जमीन पर सबमर्सिबल पंप लगाकर पाइप बिछा रहे थे। इसी दौरान उन पर जानलेवा हमला हुआ।

पत्नी ने 10 लोगों के खिलाफ दर्ज कराई प्राथमिकी

सब रजिस्ट्रार बालेश्वर पटेल की हत्या के मामले में उनकी पत्नी रीता कुमारी ने मांडू थाने में प्राथमिकी दर्ज कराने के लिए आवेदन दिया है। उन्होंने गांव के 10 लोगों को नामजद आरोपी बनाया है।

बारात के दौरान हर्ष फायरिंग, तीन को लगी गोली

मुजफ्फरपुर : मुजफ्फरपुर जिले के साहेबगंज थाना क्षेत्र से एक बड़ी खबर सामने आई है। यहां परसौनी जहांगीर गांव में सोमवार की रात आई एक बारात में उस समय हड़कंपमच गया, जब पारंपरिक रस्मों के बीच अचानक गोलियों की तड़तड़ाहट गूंज उठी। दरवाजा लगाए जाने के दौरान की गई हर्ष फायरिंग में तीन युवक गोली लगने से गंभीर रूप से घायल हो गए। इस घटना के बाद शादी का जश्न पल भर में चीख-पुकार और अफरा-तफरी में बदल गया।

धीरज सेठ बने भारतीय सेना के नए प्रमुख

एजेंसी

नयी दिल्ली : वरिष्ठ सैन्य अधिकारी जनरल धीरज सेठ ने मंगलवार को नए सेनाध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभाल लिया। उनके नाम पश्चिमी मोर्चे पर सेना की दो अभियानगत सैन्य कमान के नेतृत्व की विशिष्ट उपलब्धि दर्ज है। जनरल सेठ ने 13 लाख सैनिकों वाली सेना की कमान ऐसे समय में संभाली है जब वह सीमाओं पर चुनौतियों का सामना करते हुए खुद को आत्मनिर्भर और भविष्य के लिए तैयार करने की दिशा में आगे बढ़ रही है। जनरल सेठ ने जनरल उपेंद्र द्विवेदी की जगह ली है जो सशस्त्र बलों में 40 साल से अधिक के शानदार करियर के बाद मंगलवार को सेवानिवृत्त हुए।

जनरल सेठ राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए), खड़कवासला के पूर्व छात्र हैं। उन्हें दिसंबर 1986 में 'आर्मर्ड कोर' में शामिल किया गया था। 31वें सेनाध्यक्ष (सीओएएस) बनने से पहले उन्होंने उप सेना प्रमुख के तौर पर सेवाएं दी थी। जनरल सेठ ने ऐसे समय में सेनाध्यक्ष का पद संभाला है जब वैश्विक भू-रणनीतिक परिस्थितियां तेजी से बदल रही हैं। प्रौद्योगिकी में तरक्की और आधुनिक युद्ध के बदलते स्वरूप की वजह से सुरक्षा के क्षेत्र में चुनौतियां और भी गंभीर होती जा रही हैं।

रक्षा मंत्रालय ने पहले बताया था कि सैन्य कमांडर के पद पर पदोन्नति के बाद उन्होंने साउथ वेस्टर्न कमांड (जयपुर में स्थित) और सदर्न कमांड के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ के तौर पर काम किया।

देशभर में आज से लागू होगा वीबी-जी राम-जी अधिनियम

नयी दिल्ली : विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) (वीबी-जी राम-जी) अधिनियम बुधवार से पूरे देश के ग्रामीण क्षेत्रों में लागू होगा। यह अधिनियम ग्रामीण रोजगार, आजीविका सुरक्षा और गांवों के सतत विकास को नई मजबूती देगा। इसके तहत पात्र ग्रामीण परिवारों के लिए रोजगार की वैधानिक गारंटी 100 दिनों से बढ़ाकर 125 दिन कर दी गई है। अधिनियम के देशव्यापी क्रियान्वयन से पहले केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने जारी वक्तव्य में कहा कि कोई भी पात्र ग्रामीण श्रमिक एक भी दिन काम से वंचित न रहे, यह सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के साथ मिलकर अधिनियम के सुचारु क्रियान्वयन के लिए सभी प्रशासनिक, वित्तीय और तकनीकी तैयारियां पूरी कर ली हैं।

हिमांशु सिंह हत्या मामले में तीन पुलिसकर्मी निलंबित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : बिष्टुपुर स्थित डबल डाउन (डीडी) बार के बाहर हुई चाकूबाजी की घटना में करनी सेना के सरायकेला युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष हिमांशु सिंह की मौत के बाद पुलिस विभाग ने बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई की है। घटना के दौरान ड्यूटी में कथित लापरवाही बरतने के आरोप में गश्ती दल के तीन पुलिसकर्मियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

जोनल आईजी ने संभाली जांच

मंगलवार को जोनल आईजी मनोज कौशिक स्वयं जमशेदपुर पहुंचे और पूरे घटनाक्रम की समीक्षा करते हुए जांच में तेजी लाने के निर्देश दिए। दूसरी ओर, कार्रवाई करते हुए एसएसपी पीयूष पांडे ने बिष्टुपुर थाना प्रभारी आलोक कुमार दुबे को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।

बार सील, जांच के आदेश

करणी सेना नेता हिमांशु सिंह की हत्या के मामले में प्रशासन ने भाजपा नेता नीरज सिंह और सहमालिक विजय कुमार से जुड़े डबल डाउन (डीडी) बार को सील कर दिया। इसके साथ ही पूरे मामले की विस्तृत जांच के आदेश भी जारी किए गए हैं।

उद्धव सेना को एक और झटका, एमएलसी सचिन अहीर शिंदे गुट में हुए शामिल

मुंबई : महाराष्ट्र की राजनीति में लगातार उथल-पुथल हो रही है। उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) को एक और बड़ा झटका लगा है। शिवसेना (यूबीटी) के विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) सचिन अहीर ने पार्टी छोड़कर एकनाथ शिंदे की शिवसेना का दामन थाम लिया है। शिंदे गुट में शामिल होने के तुरंत बाद उन्होंने महाराष्ट्र विधान परिषद के उपसभापति पद के लिए अपना नामांकन भी दाखिल कर दिया। सचिन अहीर को लंबे समय तक आदित्य ठाकरे के बेहद करीबी नेताओं में गिना जाता रहा है। वर्ष 2019 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले उन्होंने शिवसेना का रुख किया था। उस समय माना गया था कि उनके पार्टी में आने से आदित्य ठाकरे के लिए मुंबई की वर्ली विधानसभा सीट से चुनाव लड़ने का रास्ता आसान हुआ। इसके बाद अहीर पार्टी के प्रमुख चेहरों में शामिल रहे।

अमित शाह ने एफसीआरए 2.0 पोर्टल और ई-ओसीआई कार्ड किया लॉन्च, विदेशी अंशदान की होगी रियल टाइम निगरानी

एजेंसी

नयी दिल्ली : केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को एफसीआरए 2.0 पोर्टल और ई-ओसीआई (इलेक्ट्रॉनिक ओवरसीज सिटिजन ऑफ इंडिया) कार्ड का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि इन दोनों डिजिटल पहलों से नागरिकों की सुविधाएं बढ़ेंगी, कागजी कार्यवाही कम होगी और विदेशी अंशदान (एफसीआरए) की रियल टा-इम निगरानी सुनिश्चित हो सकेगी।

यहां आयोजित कार्यक्रम में गृह सचिव गोविंद मोहन, विदेश सचिव विक्रम मिसरी, आसूचना ब्यूरो के विशेष निदेशक महेश दीक्षित तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'मिनिमम गवर्नमेंट, मैक्सिमम गवर्नेंस' के विजन के अनुरूप तकनीक के माध्यम से शासन को अधिक पारदर्शी, सरल और सुरक्षित बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि एफसीआरए व्यवस्था पहले फाइलों और जटिल प्रक्रियाओं में उलझी हुई थी, लेकिन अब इसका आधुनिकीकरण कर इसे अधिक प्रभावी बनाया गया है।

उन्होंने कहा कि एफसीआरए 2.0 पोर्टल के जरिए अब आवेदन, नवीनीकरण, वार्षिक विवरणी सहित सभी प्रमुख प्रक्रियाएं पूरी तरह डिजिटल होंगी। इससे भौतिक रूप से दस्तावेज जमा कराने की आवश्यकता समाप्त हो जाएगी तथा ई-साइन आधारित प्रमाणीकरण, ओसीआर (ऑप्टिकल कैरेक्टर रिकग्निशन) आधारित दस्तावेज विश्लेषण और एनजीओ दर्पण सहित विभिन्न सरकारी डाटाबेस से एकीकृत सत्यापन जैसी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। उन्होंने कहा कि पोर्टल के माध्यम से विदेशी अंशदान की प्राप्ति और उपयोग पर प्रभावी रियल टाइम निगरानी संभव होगी, जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा और सुशासन दोनों मजबूत होंगे। गृह मंत्री ने कहा कि आने वाले महीनों में एफसीआरए मोबाइल एप, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित चैटबॉट और बैंकों के लिए समर्पित ऑनलाइन डैशबोर्ड भी शुरू किया जाएगा।

शाह ने ई-ओसीआई कार्ड को भारतीय मूल के विदेशों में रहने वाले लोगों के लिए बड़ी सुविधा बताते हुए कहा कि इससे 50 लाख से अधिक ओसीआई कार्डधारकों को लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि अब 20 वर्ष की आयु के बाद नया पासपोर्ट जारी होने पर ओसीआई बुकलेट दोबारा बनवाने की आवश्यकता नहीं होगी। कार्डधारकों को केवल अपना नया पासपोर्ट विवरण ऑनलाइन अपडेट करना होगा।

झारखंड में आकाशीय बिजली ने ढाया कहर, 2 महिलाओं समेत 7 लोगों की मौत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड में आकाशीय बिजली गिरने की घटनाओं में दो महिलाओं और आठ वर्षीय एक बच्ची समेत कम से कम सात लोगों की मौत हो गई। पुलिस अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ये मौतें रांची, बोकारो, देवघर, दुमका, हजारीबाग, लातेहार और पलामू जिलों में हुईं। रांची जिले में अंगड़ा थाना क्षेत्र में 26 वर्षीय एक किसान खेत की जुताई कर रहा था, तभी उस पर आकाशीय बिजली गिर गई। अंगड़ा थाना प्रभारी गौतम कुमार राजवार ने बताया, मृतक की पहचान भागीरथ महतो (26) के रूप में हुई है। महतो को अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने

उसे मृत घोषित कर दिया। बोकारो में टाउन थाना क्षेत्र में बोकारो हवाई अड्डा क्षेत्र के पास एक पेड़ के नीचे शरण लिए हुए 19 वर्षीय युवक आलोक कुमार तुरी की आकाशीय बिजली गिरने से मौत हो गई। बोकारो के एसडीपीओ राजीव रंजन ने यह जानकारी दी। पलामू में मवेशी चरा रहे एक व्यक्ति की आकाशीय बिजली गिरने से मौत हो गई। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि मृतक की पहचान सदर थाना क्षेत्र के कुंदेलवा गांव निवासी राजू यादव (27) के रूप में हुई है।

हजारीबाग जिले के इचाक थाना क्षेत्र के खुटरा गांव में 36 वर्षीय एक महिला मजदूर की आकाशीय बिजली गिरने से मौत हो गई। इचाक थाना प्रभारी गौतम कुमार ने बताया, मृतका की पहचान शोभा देवी के रूप में हुई है।

एक नजर

महिला के पेट से निकला 2.5 किलो का फाइब्रॉयड

चौपारण : प्रखंड पंचायत पाण्डेयबारा के केसठ गांव स्थित न्यू मेडिका हॉस्पिटल में इन दिनों बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। यहां मरीजों को बड़े शहरों के अस्पतालों जैसी चिकित्सा सुविधा मिलने से क्षेत्र के लोगों को काफी राहत मिल रही है। इसी क्रम में अस्पताल के विशेषज्ञ चिकित्सक डॉ. आर कुमार के द्वारा एक महिला का सफल ऑपरेशन कर उसके पेट से 2.5 किलोग्राम का फाइब्रॉयड ट्यूमर निकाला गया। सफल ऑपरेशन के बाद महिला को नया जीवन मिला है। जानकारी के अनुसार, ग्राम–ढोढी, मन्धनिया, मयूरहंड निवासी मुस्लिम अंसारी की पत्नी समसुन खातून पिछले कई दिनों से पेट में तेज दर्द और परेशानी से जूझ रही थीं। परेशानी बढ़ने के बाद परिजन उन्हें इलाज के लिए न्यू मेडिका हॉस्पिटल केसठ लेकर पहुंचे, जहां डॉ. आर कुमार ने जांच के बाद अल्ट्रासाउंड करवाया। जांच में महिला के पेट में बड़ा गोला होने की जानकारी मिली। इसके बाद डॉ आर कुमार ने टीम के साथ ऑपरेशन की तैयारी की और सफलतापूर्वक सर्जरी कर महिला के पेट से यूट्रस फाइब्रॉयड ट्यूमर (2.5 किलो) निकाला गया। ऑपरेशन के बाद महिला की स्थिति में सुधार बताया जा रहा है। मरीज के पति मुस्लिम अंसारी ने बताया कि उनकी पत्नी काफी समय से दर्द से परेशान थीं। सही इलाज मिलने के बाद अब उन्हें काफी राहत मिली है। उन्होंने अस्पताल के चिकित्सक और पूरी टीम के प्रति आभार जताया। डॉ. आर कुमार ने बताया कि समय पर जांच और सही उपचार से बड़ी से बड़ी बीमारी का इलाज संभव है। उन्होंने कहा कि न्यू मेडिका हॉस्पिटल में आधुनिक सुविधाओं के साथ मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवा देने का प्रयास लगातार जारी है।

महिला के साथ मारपीट और छेड़खानी का आरोप

चौपारण : थाना क्षेत्र के हजारीधमना गांव में एक महिला के साथ कथित छेड़खानी और विरोध करने पर जानलेवा हमला किए जाने का मामला सामने आया है। घटना में महिला के सिर पर लोहे की रॉड से वार किए जाने से वह गंभीर रूप से घायल हो गई। घायल महिला को परिजनों और ग्रामीणों की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चौपारण पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिए उसे हजारीबाग सदर अस्पताल रेफर कर दिया। पीड़िता ने गांव के ही विजय भुईया (पिता– स्वर्गीय वजीर भुईया) पर घर में घुसकर छेड़खानी करने और विरोध करने पर हमला करने का आरोप लगाया है। महिला के अनुसार, घटना के समय वह घर में अकेली थी। इसी दौरान आरोपी उसके घर में पहुंचा और कथित रूप से उसके साथ जबरदस्ती करने का प्रयास किया। विरोध करने पर आरोपी ने लोहे की रॉड से उसके सिर पर वार कर दिया। हमले के बाद महिला किसी तरह घर से बाहर निकली और शोर मचाया। आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे, जिसके बाद आरोपी वहां से फरार हो गया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है। पीड़िता के परिजनों ने आरोपी के खिलाफ थाना में शिकायत दर्ज कराने की बात कही है।

हूल दिवस पर डीसी व एसपी ने सिदो-कान्हू को दी श्रद्धांजलि, वीरों के बलिदान को किया नमन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : हूल दिवस के अवसर पर उपायुक्त हेमन्त सती, पुलिस अधीक्षक अमन कुमार, उप विकास आयुक्त रिया सिंह, नगर आयुक्त ओम प्रकाश गुप्ता, अपर समाहर्ता महेंद्र छोटन उरांव एवं सदर अनुमंडल पदाधिकारी आदित्य पांडेय ने पीडब्ल्यूडी चौक पर अवस्थित ऐतिहासिक वीरता और बलिदान के प्रतीक सिदो-कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर अपने श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर जिले के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं आमजन भी उपस्थित रहे। उपायुक्त ने अपने संदेश में कहा कि सिदो-कान्हू ने 30 जून 1855 में ब्रिटिश शासन के खिलाफ "हूल विद्रोह" का नेतृत्व कर आदिवासी समाज में जागरूकता और स्वतंत्रता की अलख जगाई। यह आंदोलन अंग्रेजों के दमनकारी नीतियों के विरुद्ध तथा भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का एक महत्वपूर्ण अध्याय है, जो हमें अन्याय के खिलाफ संघर्ष और आत्मसम्मान की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि आज का दिन हमें यह संकल्प लेने का अवसर देता है कि हम सामाजिक एकता, समरसता और स्वतंत्रता के मूल्यों को बनाए रखें और सिदो-कान्हू, चांद भैरव, फूलो झानो के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करें। "हूल दिवस" को गरिमामय रूप से मनाते हुए जनमानस को देश की आजादी में आदिवासी समाज के योगदान से अवगत कराया गया।

बसरिया पंचायत में मतदाता विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान का हुआ शुभारंभ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : बरही प्रखंड के बसरिया पंचायत सचिवालय में मंगलवार को मतदाता विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान का शुभारंभ किया गया। अभियान का उद्देश्य मतदाता सूची को त्रुटिरहित एवं अद्यतन बनाना है, ताकि सभी पात्र नागरिकों का नाम मतदाता सूची में शामिल हो सके। कार्यक्रम का उद्घाटन प्रखंड विकास पदाधिकारी जयपाल महतो ने किया। उन्होंने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि लोकतंत्र को सशक्त बनाने में प्रत्येक नागरिक की भागीदारी जरूरी है। उन्होंने लोगों से अपील की कि जिनका नाम मतदाता सूची में दर्ज नहीं है, वे आवश्यक दस्तावेजों के साथ अपना नाम जुड़वाएं तथा जिनके नाम, पता या अन्य विवरण में त्रुटि है, वे समय रहते उसका सुधार करा लें। उन्होंने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के माध्यम से मतदाता सूची को पूरी तरह शुद्ध एवं अद्यतन बनाया जाएगा। इस अवसर पर सुपरवाइजर अनुराधा कुमारी, पूर्व मुखिया सह मुखिया प्रतिनिधि हरेंद्र गोप, वार्ड सदस्य देवंती देवी एवं नजमा खातून, पंचायत सहायक सिकंदर कुमार, आंगनबाड़ी सेविका अनीता देवी, पूनम देवी व निशु कुमारी, आशा रजक सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। मौके पर छोटन, लालधारी यादव, प्रकाश ठाकुर, विनेश सिंह, पंकज कुमार, राजू राणा, विनीता देवी, सुरेंद्र पंडित समेत अन्य ग्रामीणों ने अभियान में भाग लेते हुए मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य में सक्रिय सहयोग देने का भरोसा जताया।

नोटरी पब्लिक की सतर्कता से भी जमीन व अन्य अनियमितताओं पर लगेगी रोक : डीसी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : उपायुक्त हेमन्त सती की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में जिले के नोटरी पब्लिक सदस्यों के साथ एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में भूमि संबंधी मामलों में नोटरी की भूमिका, पारदर्शिता एवं सतर्कता को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए उपायुक्त ने कहा कि हाल के दिनों में गलत एवं भ्रामक दस्तावेजों के आधार पर नोटरी कराकर भूमि की रजिस्ट्री कराने के मामले सामने आए हैं, जो अत्यंत गंभीर विषय है। उन्होंने सभी नोटरी पब्लिक सदस्यों को निर्देश दिया कि किसी भी दस्तावेज का नोटरीकरण करने से पूर्व उसकी विधिवत जांच-पड़ताल करें तथा सभी तथ्यों से पूर्णतः संतुष्ट होने के बाद ही नोटरी की प्रक्रिया पूरी करें। उपायुक्त ने कहा कि नोटरी करने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी आप सभी के पास है। इसलिए प्रत्येक मामले में पूरी सावधानी एवं कानूनी प्रक्रिया का पालन सुनिश्चित करना आवश्यक है। किसी भी प्रकार की लापरवाही से भू-माफियाओं एवं असामाजिक तत्वों को गलत तरीके से भूमि हस्तांतरण का अवसर मिल सकता है, जिससे वास्तविक भू-स्वामियों के अधिकार प्रभावित होते हैं। उन्होंने कहा कि भू-माफियाओं द्वारा फर्जी अथवा भ्रामक दस्तावेजों के माध्यम से भूमि पर अवैध कब्जा करने की प्रवृत्ति पर प्रभावी रोक लगाने में नोटरी पब्लिक की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। ऐसे मामलों में आपकी सतर्कता, निष्पक्षता एवं गहन जांच ही इस प्रकार की अनियमितताओं को रोक सकती है। उपायुक्त ने सभी नोटरी पब्लिक सदस्यों से अपील की कि वे अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी ईमानदारी, पारदर्शिता एवं विधिसम्मत तरीके से करें तथा किसी भी संदिग्ध मामले की जानकारी तत्काल जिला प्रशासन को उपलब्ध कराएं।

नन्हा सा दिल अभियान का हुआ शुभारंभ बच्चों के हृदय स्वास्थ्य की होगी जांच

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : प्रखंड क्षेत्र में बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य और जन्मजात हृदय रोग की समय पर पहचान को लेकर मंगलवार को नन्हा सा दिल अभियान का शुभारंभ किया गया। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, सीसीएल, राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम एवं श्री सत्य साई संजीवनी अस्पताल के संयुक्त तत्वावधान में संचालित इस अभियान की शुरूआत चिकित्सा प्रभारी डॉ. डी. एन. ठाकुर ने अन्य चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों की मौजूदगी में हरी झंडी दिखाकर की। इस अवसर पर डॉ. फरहाना महफूज, राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. रविकांत पांडेय, डॉ. सरवन हसन, डॉ. पंकज कुमार मेहता, डॉ. दिनेश कुमार सहित श्री सत्य साई संजीवनी अस्पताल की विशेषज्ञ टीम मौजूद रही। अभियान के तहत सरकारी एवं निजी विद्यालयों, आंगनबाड़ी केंद्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों के माध्यम से बच्चों की हृदय जांच की जाएगी। जांच के दौरान जन्मजात हृदय रोग से संबंधित लक्षण पाए जाने पर बच्चों को चिकित्सीय परामर्श, आवश्यक रेफरल और जरूरत पड़ने पर निःशुल्क उपचार की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इस अभियान के तहत हजारीबाग सदर प्रखंड में अब तक 5,064 बच्चों की हृदय जांच की जा चुकी है। जांच में 38 बच्चे संदिग्ध पाए गए हैं, जिनकी आगे की विस्तृत जांच एवं उपचार की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। चिकित्सकों ने कहा कि बच्चों में हृदय संबंधी समस्याओं की पहचान यदि समय रहते कर ली जाए तो बेहतर इलाज संभव है। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे अपने बच्चों के स्वास्थ्य के प्रति सजग रहें और इस अभियान का लाभ उठाते हुए समय पर जांच जरूर कराएं।

लाठी-भाला खेल प्रतियोगिता को लेकर उत्साह चरम पर, जीतू यादव को मिला मुख्य अतिथि का आमंत्रण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : प्रखंड की पाण्डेयबारा पंचायत अंतर्गत केसठ गांव में आगामी 2 जुलाई को आयोजित होने वाली लाठी-भाला खेल प्रतियोगिता को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं। प्रतियोगिता को भव्य और यादगार बनाने के लिए फाइव स्टार क्लब के सदस्य दिन-रात जुटे हुए हैं। इसी क्रम में फाइव स्टार क्लब के सदस्यों ने समाजसेवी जीतू यादव से मुलाकात कर उन्हें प्रतियोगिता का आमंत्रण पत्र सौंपा। आयोजन समिति ने बताया कि इस खेल प्रतियोगिता में जीतू यादव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। समाजसेवा के क्षेत्र में सक्रिय जीतू यादव युवाओं के बीच लगातार लोकप्रिय होते जा रहे हैं। वे हमेशा युवाओं का उत्साहवर्धन करने के साथ-साथ सामाजिक और खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए तत्पर रहते हैं। क्षेत्र के युवाओं के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने वाले जीतू यादव को लोगों का लगातार समर्थन और सहयोग मिल रहा है। लाठी-भाला जैसी पारंपरिक खेल प्रतियोगिताओं को लेकर युवाओं में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। आयोजन समिति ने बताया कि प्रतियोगिता को आकर्षक और सफल बनाने के लिए विशेष व्यवस्थाएं की जा रही हैं। इसमें दूर-दराज के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में खिलाड़ियों और दर्शकों के पहुंचने की संभावना है। इस अवसर पर मो० नियाजुल, मो० आरिफ, मो० अफसर, मो० तौफीक, अब्दुल वाहिद, मो० इंतेखाब, मो० तौकीर, आशिक अंसारी, हाफिज अत्ताउल्लाह, मो० इरफान, मो० जाबिर, कलाम सहित कई युवा मौजूद थे।

सेवा के 10 वर्ष बेमिसाल विश्वास, समर्पण और आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं का पर्याय बना आरोग्यम अस्पताल

जनता का विश्वास ही आरोग्यम अस्पताल की सबसे बड़ी पूंजी है : हर्ष

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : किसी भी अस्पताल की पहचान केवल उसकी इमारत, अत्याधुनिक मशीनों या चिकित्सा सुविधाओं से नहीं होती, बल्कि उस विश्वास से होती है, जिसे वह अपने मरीजों के दिलों में वर्षों की निस्वार्थ सेवा से अर्जित करता है। यही विश्वास आज आरोग्यम अस्पताल की सबसे बड़ी पूंजी है। दस वर्ष पहले जिस सेवा-संकल्प के साथ इस अस्पताल की स्थापना हुई थी, वह आज हजारीबाग ही नहीं, बल्कि आसपास के कई जिलों के हजारों परिवारों के लिए उम्मीद और भरोसे का दूसरा नाम बन चुका है। उच्च स्तरीय की पढ़ाई छोड़कर समाज सेवा और जनस्वास्थ्य को अपना जीवन उद्देश्य बनाने वाले अस्पताल के निदेशक हर्ष अजमेरा ने जब आरोग्यम अस्पताल की नींव रखी थी, तब उनका सपना केवल एक अस्पताल बनाना नहीं था, बल्कि ऐसा स्वास्थ्य संस्थान तैयार करना था, जहां हर मरीज को आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं के साथ आत्मीयता, संवेदनशीलता और विश्वास का एहसास हो। आज दस वर्षों की इस यात्रा में वह सपना साकार होता दिखाई देता है। समय के साथ आरोग्यम अस्पताल ने चिकित्सा सेवाओं के क्षेत्र में निरंतर नए आयाम स्थापित किए हैं। आज अस्पताल सामान्य चिकित्सा, आपातकालीन सेवाएं, जनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जरी, महिला एवं प्रसूति रोग, शिशु रोग, हड्डी एवं जोड़ रोग, मधुमेह एवं उच्च रक्तचाप उपचार, गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू), डिजिटल पैथोलॉजी, डिजिटल एक्स-रे, अल्ट्रासाउंड तथा अन्य अत्याधुनिक जांच एवं उपचार सुविधाओं से सुसज्जित है। अनुभवी चिकित्सकों, प्रशिक्षित नर्सिंग स्टाफ और समर्पित स्वास्थ्यकर्मियों की टीम ने हजारों मरीजों को गुणवत्तापूर्ण उपचार देकर उनके जीवन में नई उम्मीद जगाई है। आरोग्यम अस्पताल की दस वर्षों की यात्रा का सबसे चुनौतीपूर्ण दौर वैश्विक कोरोना महामारी रही। जब पूरा देश अभूतपूर्व स्वास्थ्य संकट से जूझ रहा था, तब अस्पताल ने अपनी सामाजिक जिम्मेदारी को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए दिन-रात मरीजों की सेवा की। सीमित संसाधनों के बावजूद चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों ने अथक परिश्रम कर अनगिनत लोगों को समय पर उपचार उपलब्ध कराया। महामारी के कठिन दौर में आरोग्यम अस्पताल लोगों के लिए केवल एक अस्पताल नहीं, बल्कि जीवन बचाने वाली उम्मीद बनकर खड़ा रहा। स्वास्थ्य सेवा के साथ-साथ अस्पताल ने समाज के प्रति अपने दायित्व का भी निरंतर निर्वहन किया है। समय-समय पर निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर, विशेषज्ञ चिकित्सकीय परामर्श, स्वास्थ्य जागरूकता अभियान और जरूरतमंद मरीजों के लिए विशेष चिकित्सा सेवाओं का आयोजन कर हजारों लोगों को लाभान्वित किया गया। यही कारण है कि आरोग्यम अस्पताल ने केवल मरीजों का उपचार ही नहीं किया, बल्कि समाज का अटूट विश्वास भी अर्जित किया। उत्कृष्ट चिकित्सा सेवाओं, आधुनिक प्रबंधन और मरीज-केंद्रित कार्यशैली के कारण आरोग्यम अस्पताल को विभिन्न संस्थाओं द्वारा अनेक प्रतिष्ठित सम्मानों से भी नवाजा गया है।

संक्षिप्त खबरें

करियातपुर बैंक ऑफ इंडिया में पासबुक प्रिंटर खराब, ग्राहकों की परेशानी बढ़ी

बरही : बरही प्रखंड के बैंक ऑफ इंडिया करियातपुर ब्रांच में कई दिनों से पासबुक प्रिंटिंग मशीन खराब पड़ी है। इससे दूर–दराज से आने वाले ग्रामीण महिला–पुरुष ग्राहकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्राहक पैसा निकालने के बाद पासबुक अपडेट कराने आते हैं, लेकिन मशीन खराब होने के कारण हार्ड कॉपी में एंट्री नहीं मिल पा रही है। हालांकि ऑनलाइन पासबुक रोज अपडेट हो रहा है, मगर ग्रामीणों को प्रिंटेड पासबुक न मिलने से लेन–देन का रिकॉर्ड रखने में दिक्कत हो रही है। ग्रामीणों के अनुसार, पासबुक मांगने पर बैंक कर्मचारियों द्वारा केवल "प्रिंटर खराब है" कहकर लौटा दिया जाता है। इस संबंध में ब्रांच मैनेजर ने बताया कि जोनल ऑफिस को मेल भेज दिया गया है, लेकिन नया प्रिंटर कब तक आएगा इसकी कोई जानकारी नहीं है। रोज बैंक के चक्कर काट रहे ग्रामीणों ने जल्द मशीन ठीक कराने की मांग की है ताकि उन्हें राहत मिल सके।

हूल दिवस पर सांसद ने सिद्धो-कान्हू को दी श्रद्धांजलि, वीरों के बलिदान को किया नमन

हजारीबाग : मंगलवार को हूल दिवस के पावन अवसर पर हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल हूल दिवस के कई कार्यक्रमों में शामिलहुए। सबसे पहले उन्होंने कई गणमान्य लोगों और बड़ी संख्या में मौजूद आदिवासी समाज के लोगों के साथ हजारीबाग के पीडब्ल्यूडी कार्यालय के समीप स्थित सिद्धो–कान्हू मुर्मू चौक पर पहुंचकर हूल विद्रोह के महान नायक और वीर शहीद सिद्धू–कान्हू मुर्मू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किया। इस अवसर पर आदिवासी समाज के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहें। उन्होंने अपने हाथों में पारंपरिक हथियार जैसे तीर–धनुष और कुल्हाड़ी के साथ–साथ वृक्ष लेकर एक महत्वपूर्ण संदेश दिया। यह संदेश था कि आदिवासी समाज हमेशा से पर्यावरण और मानवता का हितैषी रहा है। यह दृश्य बेहद प्रेरणादायक था, जो प्रकृति और संस्कृति के गहरे रिश्ते को दर्शाता है। मौके पर सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि हमें देश की आजादी में झारखंड के असंख्य वीरों के बलिदान का सदैव आदर करना चाहिए। जिस प्रकार उन्होंने एक न्यायपूर्ण देश की कल्पना की थी, हमें उसी दिशा में निरंतर कार्य करते रहना है ताकि उनके सपनों को साकार किया जा सके। उन्होंने कहा कि यह दिन हमें अपने इतिहास, अपने नायकों और अपने मूल्यों को याद दिलाता है।

राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं क्राइम कंट्रोल ब्यूरो में विष्णु बजरंगी को मिली बड़ी जिम्मेदारी

हजारीबाग : चलकुशा राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं क्राइम कंट्रोल ब्यूरो ने संगठन में सक्रिय भूमिका निभाने वाले विष्णु कुमार बरनवाल को झारखंड का स्टेट मीडिया ऑफिसर नियुक्त किया है। यह जिम्मेदारी संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. रणधीर कुमार के निर्देश पर उनके उत्कृष्ट कार्य, समर्पण और संगठन के प्रति निरंतर सक्रिय योगदान को देखते हुए सौंपी गई है। 29 जून 2026 को जारी नियुक्ति पत्र के अनुसार यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा। विष्णु बजरंगी इससे पहले हजारीबाग जिला मीडिया ऑफिसर के रूप में कार्यरत थे। मीडिया समन्वय, जनसंपर्क और मानवाधिकार जागरूकता अभियानों में उनके उल्लेखनीय योगदान के कारण उन्हें राज्य स्तर की जिम्मेदारी मिली है। हजारीबाग जिले के चलकुशा प्रखंड अंतर्गत चौबे गांव निवासी विष्णु बजरंगी पिछले करीब नौ वर्षों से सूचना का अधिकार, जन शिकायतों, मानवाधिकार संरक्षण तथा जनहित के विभिन्न मुद्दों पर सक्रिय हैं। क्षेत्र में उनकी पहचान एक सक्रिय RTI सलाहकार के रूप में भी है। नई जिम्मेदारी मिलने पर उन्होंने राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. रणधीर कुमार एवं संस्थान के सभी वरिष्ठ पदाधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि वे संगठन की अपेक्षाओं पर खरा उतरते हुए झारखंड में मानवाधिकार संरक्षण, जनजागरूकता, मीडिया समन्वय और संगठन के विस्तार को नई गति देने के लिए पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी से कार्य करेंगे। उनकी नियुक्ति पर अनेक सामाजिक कार्यकताओं, पत्रकारों और शुभचिंतकों ने बधाई दी।

आईपीएल की तर्ज पर मलको प्रीमियर लीग एमपीएलका भव्य शुभारंभ

बरही : बरही प्रखंड अंतर्गत ग्राम मलकोको में आईपीएल की तर्ज पर आयोजित मलकोको प्रीमियर लीग एमपीएल क्रिकेट प्रतियोगिता का मंगलवार को भव्य शुभारंभ हुआ। प्रतियोगिता का उद्घाटन बरही मुखिया संघ के अध्यक्ष विजय कुमार यादव ने फीता काटकर एवं खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। अपने संबोधन में विजय कुमार यादव ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में इस प्रकार की खेल प्रतियोगिताएं युवाओं को अपनी प्रतिभा निखारने का अवसर प्रदान करती हैं तथा खेल भावना अनुशासन और आपसी भाईचारे को मजबूत करती हैं। उन्होंने आयोजन समिति की सराहना करते हुए प्रतियोगिता के सफल आयोजन की शुभकामनाएं दीं। उद्घाटन के अवसर पर प्रतियोगिता का पहला मुकाबला टाइगर धुरंधर एवं बिक्रम इलेवन के बीच खेला गया। दोनों टीमों के बीच रोमांचक मुकाबला देखने को मिला जिसमें टाइगर धुरंधर की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज की और विजयी अभियान की शुरूआत की। आयोजन समिति ने बताया कि मलकोको प्रीमियर लीग का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को बेहतर मंच उपलब्ध कराना तथा खेल संस्कृति को बढ़ावा देना है। प्रतियोगिता में क्षेत्र की कई टीमें हिस्सा ले रही हैं जिससे स्थानीय क्रिकेट प्रेमियों में भारी उत्साह देखा जा रहा है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में ग्रामीण खेल प्रेमी जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे और खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। मैच का अम्पायरिंग शंकर दास और संतोष राणा किए। मौके पर एमपीएल टूनार्मेंट के अध्यक्ष शंकर दास, समाजसेवी छतरू यादव ,हाजी जहूर अंसारी, संजय अंसारी उप मुखिया प्रतिनिधि, फिरोज निजामी, दिनेश दास, लक्ष्मण दास उपस्थित रहे।

एक नजर

मनरेगा मजदूरों की लंबित मजदूरी का शीघ्र भुगतान करे केंद्र सरकार : नायक

रांची : झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के प्रदेश प्रवक्ता विजय शंकर नायक ने केंद्र सरकार से महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के तहत लंबित मजदूरी का अविलंब भुगतान करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि मजदूरों की मेहनत की कमाई को रोककर रखना गरीबों और ग्रामीण परिवारों के साथ अन्याय है। समय पर मजदूरी का भुगतान नहीं होने से ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है और हजारों परिवार आर्थिक कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं। मंगलवार को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में नायक ने कहा कि झारखंड का मनरेगा मद में बड़ा बकाया लंबित है, जिसमें मजदूरों की मजदूरी की भी उल्लेखनीय राशि शामिल है। उन्होंने कहा कि जिन श्रमिकों ने कठिन परिस्थितियों में काम किया है, उन्हें समय पर उनकी मजदूरी मिलना उनका अधिकार है और इसमें किसी प्रकार की देरी स्वीकार्य नहीं होनी चाहिए। कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि झारखंड सहित कई राज्यों का लंबित भुगतान केंद्र सरकार को प्राथमिकता के आधार पर जारी करना चाहिए। नई योजनाओं और घोषणाओं से पहले पूर्व से लंबित भुगतान का निपटारा किया जाना आवश्यक है, ताकि मजदूरों को उनके परिश्रम का उचित प्रतिफल समय पर मिल सके। विजय शंकर नायक ने कहा कि यह खेती और बुआई का मौसम है। ऐसे में ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार की उपलब्धता और समय पर मजदूरी का भुगतान किसानों एवं मजदूरों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। यदि मजदूरी का भुगतान समय पर नहीं होगा तो इसका सीधा असर खेती-किसानी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि गरीब, किसान और मजदूर अब अपने अधिकारों तथा लंबित मजदूरी के भुगतान को लेकर जवाब मांग रहे हैं। केंद्र सरकार को इस दिशा में तत्काल पहल करते हुए बकाया राशि जारी करनी चाहिए, ताकि ग्रामीण परिवारों को आर्थिक राहत मिल सके और मनरेगा जैसी महत्वपूर्ण रोजगार योजना पर लोगों का विश्वास बना रहे।

सिदो-कान्हू की शहादत देती है संघर्ष की प्रेरणा : सुदेश

रांची: आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश महतो ने मंगलवार को हूल दिवस के अवसर पर मोरहाबादी, रांची स्थित सिदो-कान्हू पार्क पहुंच कर शहीद महानायकों की आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किया। इस मौके पर सुदेश महतो ने कहा कि हूल विद्रोह ने जल, जंगल, जमीन और स्वाभिमान की रक्षा के लिए संघर्ष की ऐसी ज्योति प्रज्वलित की, जिसने 1857 के विद्रोह और भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन को नई दिशा दी। सिदो-कान्हू सहित सभी अमर शहीदों का त्याग और बलिदान सदैव हमें अन्याय, शोषण और दमन के विरुद्ध संघर्ष करने की प्रेरणा देता रहेगा। इस अवसर पर पार्टी केंद्रीय मुख्य प्रवक्ता डॉ देवशरण भगत, रांची जिप अध्यक्ष निर्मला भगत, केंद्रीय महासचिव संजय मेहता, केंद्रीय सचिव इम्तियाज अहमद नजमी, हरीश कुमार, सिद्धार्थ शंकर राय, केंद्रीय मीडिया संयोजक परवाज खान, केंद्रीय सदस्य प्रभा महतो, रांची जिला बुद्धिजीवी मंच के जिलाध्यक्ष शहजाद आलम, रांची जिलाध्यक्ष संजय महतो, कार्यकारी अध्यक्ष हाकिम अंसारी, महानगर अध्यक्ष अमन साहू, युवा आजसू महानगर अध्यक्ष अमित यादव सहित कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद थे।

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने 'हूल दिवस' पर सिदो-कान्हू को दी श्रद्धांजलि

हूल क्रांति के अमर सेनानियों का त्याग और बलिदान सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा : राज्यपाल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने मंगलवार को 'हूल दिवस' के अवसर पर रांची स्थित लोकभवन में हूल क्रांति के अमर महानायक सिदो-कान्हू के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उन्होंने हूल आंदोलन के सभी वीर सेनानियों के अदम्य साहस, त्याग और बलिदान को नमन करते हुए कहा कि उनका संघर्ष देश की स्वतंत्रता और सामाजिक न्याय की लड़ाई का अमिट अध्याय है।

राज्यपाल ने कहा कि हूल क्रांति भारत के स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास का एक गौरवशाली अध्याय है। सिदो-कान्हू, चाँद-भैरव, फूलो-झानो सहित हूल आंदोलन के सभी वीर सेनानियों ने अन्याय, शोषण, अत्याचार और औपनिवेशिक शासन के विरुद्ध असाधारण साहस का परिचय दिया। उन्होंने अपने अधिकारों, स्वाभिमान और जल, जंगल एवं जमीन की रक्षा के लिए जो संघर्ष किया, वह आज भी देशवासियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

राज्यपाल ने कहा कि हूल आंदोलन केवल एक विद्रोह नहीं था, बल्कि यह सामाजिक न्याय, आत्मसम्मान और स्वतंत्रता की चेतना का सशक्त प्रतीक था। इस आंदोलन ने अंग्रेजी शासन की दमनकारी नीतियों के विरुद्ध आदिवासी समाज की एकजुटता और संघर्ष की भावना को पूरे देश के सामने प्रस्तुत किया। हूल क्रांति के वीर सेनानियों का त्याग और बलिदान भारतीय इतिहास में सदैव स्वर्णाक्षरों में अंकित रहेगा।

राज्यपाल ने कहा कि आज का दिन हमें उन महान विभूतियों के आदर्शों को आत्मसात करने तथा समाज में समानता, न्याय, भाईचारे और राष्ट्रसेवा की भावना को मजबूत करने का संकल्प लेने की प्रेरणा देता है। उन्होंने युवाओं से भी हूल आंदोलन के इतिहास और उसके मूल्यों को जानने तथा राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

श्रद्धांजलि सभा के दौरान उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी सिदो-कान्हू सहित हूल आंदोलन के सभी अमर सेनानियों को श्रद्धासुमन अर्पित किए और उनके संघर्ष एवं बलिदान को नमन किया।

डुमरी मसिया गांव में अश्विनी कुमार चौबे ने मनाया हूल दिवस

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री अश्विनी कुमार चौबे ने मंगलवार को रांची जिले के बेड़ो प्रखंड अंतर्गत डुमरी मसिया गांव में आदिवासी समाज के साथ हूल दिवस मनाया। इस अवसर पर उन्होंने हूल क्रांति के महानायक वीर सिदो-कान्हू, चांद-भैरव, वीरांगनाओं फूलो-झानो तथा हूल आंदोलन के सभी अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके अद्वितीय साहस, त्याग और बलिदान को नमन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अश्विनी कुमार चौबे ने कहा कि हूल दिवस केवल एक ऐतिहासिक तिथि नहीं, बल्कि अन्याय, शोषण और विदेशी शासन के विरुद्ध जनजातीय समाज के अदम्य साहस, स्वाभिमान और संघर्ष का अमर प्रतीक है। उन्होंने कहा कि सिदो-कान्हू, चांद-भैरव और फूलो-झानो सहित हूल क्रांति के वीर सेनानियों ने जल, जंगल, जमीन और अपनी अस्मिता की रक्षा के लिए जो बलिदान दिया, वह देशवासियों के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार जनजातीय समाज के सम्मान, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और समग्र विकास के लिए लगातार कार्य कर रही है।

डीसी ने किया ईवीएम वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची के उपायुक्त सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी मंजूनाथ भजंत्री ने मंगलवार को नगड़ी स्थित इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने वेयरहाउस की सुरक्षा व्यवस्था, रखरखाव और भारत निर्वाचन आयोग के निर्धारित मानकों के अनुरूप की जा रही व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान उप निर्वाचन पदाधिकारी विवेक कुमार सुमन सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे। उपायुक्त ने वेयरहाउस में ईवीएम और वीवीपैट मशीनों के सुरक्षित रखरखाव, सुरक्षा व्यवस्था तथा अभिलेखों के संधारण की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों से वेयरहाउस में उपलब्ध सुरक्षा प्रबंधों और नियमित निगरानी व्यवस्था की भी जानकारी ली।

उपायुक्त ने उप निर्वाचन पदाधिकारी को निर्देश दिया कि ईवीएम वेयरहाउस के संचालन और रखरखाव से संबंधित भारत निर्वाचन आयोग के सभी दिशा-निर्देशों का अक्षरशः पालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि ईवीएम की सुरक्षा और पारदर्शी रखरखाव निर्वाचन प्रक्रिया की विश्वसनीयता का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसलिए सुरक्षा, निगरानी और अभिलेखों के रखरखाव में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जानी चाहिए।

निरीक्षण के दौरान वेयरहाउस की समग्र व्यवस्था संतोषजनक पाई गई। अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि नियमित निरीक्षण की प्रक्रिया जारी रखी जाए तथा आयोग द्वारा समय-समय पर जारी दिशा-निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।

आजसू महिला संघ का राज्य स्तरीय अधिवेशन चार को, पंचायत स्तर से जुटेंगी महिला प्रतिनिधि

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : ऑल झारखंड स्टूडेंट्स यूनियन (आजसू) पार्टी के अनुषंगी संगठन अखिल झारखंड महिला संघ का राज्य स्तरीय अधिवेशन आगामी चार जुलाई को राजधानी रांची के खेलगांव स्थित हरिवंश टाना भगत स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। अधिवेशन में राज्य के सभी 24 जिलों के साथ-साथ पंचायत स्तर से बड़ी संख्या में महिला प्रतिनिधियों की भागीदारी होगी। कार्यक्रम का उद्देश्य संगठन को मजबूत बनाना, महिलाओं की संगठनात्मक भागीदारी बढ़ाना तथा आगामी राजनीतिक एवं संगठनात्मक रणनीति तय करना है। मंगलवार को पार्टी के हरमू स्थित प्रधान कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में अधिवेशन की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की गई। प्रेस वार्ता में पार्टी की केंद्रीय महासचिव एवं रांची जिला परिषद अध्यक्ष निर्मला भगत, केंद्रीय महासचिव पार्वती देवी, केंद्रीय सचिव वीणा चौधरी, फूलकुमारी देवी, महिला जिलाध्यक्ष वीणा देवी तथा सबिता देवी उपस्थित रहीं। प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए केंद्रीय महासचिव निर्मला भगत ने कहा कि राज्य स्तरीय महिला अधिवेशन महिलाओं को संगठन में अधिक सक्रिय और प्रभावी भूमिका देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि इस अधिवेशन के माध्यम से संगठन को जमीनी स्तर तक और अधिक सशक्त बनाने के साथ-साथ आगामी कार्यक्रमों एवं आंदोलन की रणनीति पर भी व्यापक चर्चा की जाएगी।

उन्होंने बताया कि अधिवेशन का आयोजन दो सत्रों में होगा। प्रथम सत्र का उद्घाटन आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश महतो करेंगे। इस सत्र में संगठन को मजबूत बनाने के उद्देश्य से विभिन्न पदाधिकारियों का चयन किया जाएगा।

एचईसी मजदूरों की समस्याओं के समाधान को लेकर प्रबंधन से वार्ता

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : एचईसी के स्थायी और सप्लाई ठेका मजदूरों की विभिन्न समस्याओं को लेकर मंगलवार को एचईसी प्रबंधन और मजदूर प्रतिनिधियों के बीच वार्ता हुई।

इस दौरान हटिया मजदूर यूनियन सीटू के अध्यक्ष भवन सिंह ने कहा कि एचईसी में मजदूरों की समस्याओं, प्लांट कमेटी और ग्रीवांस कमेटी के जल्द गठन करने, लंबित भुगतान किए जाने, कम वेतन, पीएफ लेजर उपलब्ध कराने, प्रमोशन और ग्रेडेशन जैसे मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। वहीं, मजदूर प्रतिनिधियों ने कहा कि सप्लाई ठेका मजदूरों के लंबित भुगतान का निपटारा प्रत्येक माह 04 से 07 तारीख के बीच किसी भी स्थिति में करने का आश्वासन दिया गया है। साथ ही पीएफ लेजर में आई तकनीकी गड़बड़ियों को दूर कर जल्द सभी मजदूरों को उपलब्ध कराने की बात कही गई। केंद्रीय वेतनमान लागू करने सहित अन्य मुद्दों पर भी बातचीत जारी है। बैठक में मजदूरों से दो जुलाई 2026 को मुख्यालय परिसर के समीप आयोजित होने वाली आमसभा में भारी संख्या में शामिल होने की अपील की गई। सभा में चल रही वाताओं और विभिन्न मांगों की प्रगति की जानकारी साझा की जाएगी।

मजदूर नेताओं ने सप्लाई ठेका मजदूरों से एकजुट होकर संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पूर्व के आंदोलनों से हुए नुकसान की भरपाई और मजदूर हितों की रक्षा के लिए संगठित प्रयास आवश्यक है। वार्ता में हटिया मजदूर यूनियन सीटू के कार्यवाहक महामंत्री दिनेश बैठा, हटिया मजदूर लोक मंच के प्रतिनिधि बिमल महली, चिराग बारला सहित अन्य लोग शामिल थे।

हुल दिवस पर रांची विश्वविद्यालय में वीर शहीदों को दी गई श्रद्धांजलि

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची विश्वविद्यालय मुख्यालय में मंगलवार को हुल दिवस श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाया गया। कुलपति सभागार में आयोजित कार्यक्रम में हुल क्रांति के महानायक सिदो, कान्हो, चांद, भैरव तथा वीरांगनाओं फूलो और झानो को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर वक्ताओं ने हुल क्रांति के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए नई पीढ़ी से इन महान स्वतंत्रता सेनानियों के संघर्ष और बलिदान से प्रेरणा लेने का आह्वान किया।

कार्यक्रम की शुरूआत वीर क्रांतिकारियों के चित्रों पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। उपस्थित अधिकारियों, शिक्षकों और कर्मचारियों ने दो मिनट का मौन रखकर हुल क्रांति के अमर शहीदों को श्रद्धांजलि दी।

रांची विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सरोज शर्मा ने अपने संदेश में कहा कि हुल दिवस केवल एक ऐतिहासिक अवसर नहीं, बल्कि अपने गौरवशाली अतीत और स्वतंत्रता संग्राम के उन महान नायकों को स्मरण करने का दिन है, जिन्होंने जल, जंगल और जमीन की रक्षा तथा अन्याय के खिलाफ संघर्ष का अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि सिदो-कान्हो सहित सभी वीर सेनानियों का योगदान सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा। झारखंड को शिक्षा, संस्कृति, सामाजिक विकास और अन्य क्षेत्रों में आगे बढ़ाना ही इन महान विभूतियों के प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

कुलसचिव डॉ. राजकुमार शर्मा ने कहा कि झारखंड सदैव वीर क्रांतिकारियों की धरती रहा है। वर्ष 1855 में सिदो, कान्हो, चांद और भैरव ने अंग्रेजों की शोषणकारी जमींदारी व्यवस्था और अत्याचारों के खिलाफ विद्रोह का बिगुल फूंका था। यह ऐतिहासिक आंदोलन हुल क्रांति अथवा संथाल विद्रोह के नाम से जाना जाता है, जिसने देश के स्वतंत्रता आंदोलन को नई दिशा दी। उन्होंने कहा कि हुल क्रांति केवल अंग्रेजी शासन के विरोध का आंदोलन नहीं थी, बल्कि यह आदिवासी समाज के स्वाभिमान, अधिकारों तथा जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए लड़ी गई ऐतिहासिक लड़ाई थी। आज भी इसके आदर्श समाज को न्याय, समानता और आत्मसम्मान का संदेश देते हैं।

गौरतलब है कि वर्ष 1855 में सिदो, कान्हो, चांद और भैरव के नेतृत्व में संथाल समुदाय ने अंग्रेजी शासन, जमींदारी प्रथा तथा अत्याचारों के खिलाफ ऐतिहासिक विद्रोह किया था। यह आंदोलन भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के प्रारंभिक और महत्वपूर्ण जनआंदोलनों में गिना जाता है।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के सीसीडीसी डॉ. पी.के. झा, वित्त पदाधिकारी (एफओ) डॉ. दिलीप प्रसाद, प्रोक्टर डॉ. मुकुंद मेहता, साइंस डीन डॉ. वंदना कुमारी, विभिन्न संकायों के डीन, विभागाध्यक्ष, वरीय पदाधिकारी तथा विश्वविद्यालय के बड़ी संख्या में शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

कांग्रेस जनों ने मतदान केंद्रों पर की विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर बैठक

सिल्ली : सिल्ली प्रखंड अंतर्गत मतदान केंद्रों पर कांग्रेस जनों के द्वारा विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 को लेकर बैठक की गई। कांग्रेस प्रखंड कमेटी सिल्ली की ओर से बनाए गए बीएलए दो को लेकर कार्यकर्ता काफी उत्सुकता पूर्वक अपनी जिम्मेवारी संभालते हुए अपने-अपने बूथों पर पाए गए। कार्यकर्ताओं का कहना था इस अभियान को सफल बनाना हमारा उद्देश्य है। सिल्ली के खेदाडीह गांव में बूथ संख्या 56 बूथ संख्या 57, पतराहातू के बूथ संख्या 72, दोवाडू के बूथ संख्या 64, बूथ संख्या 65, पंचायत विसरिया के बूथ 104, 118 एवं सिल्ली पंचायत के बूथ संख्या -83, 84, 85, 86, 87, 88 इत्यादि बूथों पर कार्यकर्ताओ ने अहम भूमिका निभाई। मतदान केंद्रों पर कार्तिक चन्द्र महतो, नगेंद्र नाथ गोस्वामी, सैयद कमर आलम, भगीरथ महतो, गुहीराम महतो, देवाशीष दत्ता, महताब आलम, मंजूर मोमिन, विकास रजक, प्रकाश मुंडा, रोहित मुंडा, श्रीप्रसाद बड़ाईक, सदानंद सोनार, घासीराम पातर, मोहन उपाध्याय, गोपाल मुंडा, शालिग्राम पांडेय, लालू कोइरी आदि कांग्रेस जनों ने अपना योगदान दिया।

क्षत्रिय महासंघ ने की हिमांशु पर हमले की निंदा, दोषियों की गिरफ्तारी की मांग

रांची : झारखंड क्षत्रिय महासंघ ने जमशेदपुर में हिमांशु सिंह और प्रत्युष कुमार पर हुए चाकू से जानलेवा हमले की घटना की कड़ी निंदा करते हुए दोषियों की अविलंब गिरफ्तारी की मांग की है। महासंघ ने इस घटना पर दुख जताते हुए राज्य सरकार और पुलिस प्रशासन से त्वरित कार्रवाई की मांग की है। महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष जितेंद्र सिंह ने मंगलवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि सरकार और प्रशासन यदि दोषियों के विरुद्ध ठोस त्वरित कार्रवाई नहीं करती है तो महासंघ की ओर से राजपूत समाज उग्र आंदोलन करने को बाध्य होगा, जिसकी जिम्मेदारी प्रशासन और सरकार की होगी। उन्होंने कहा कि इस हत्याकांड की जितनी भी निंदा की जाए, वह कम है। लोकतंत्र में इस प्रकार की हिंसक घटनाओं का कोई स्थान नहीं है। ऐसी घटनाएं समाज में भय और असुरक्षा का माहौल पैदा करती हैं। राजपूत समाज में असुरक्षा का भाव महसूस किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यदि प्रशासन समय रहते सक्रियता दिखाता तो स्थिति को नियंत्रित किया जा सकता था। इस घटना ने कानून-व्यवस्था और प्रशासनिक व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल खड़े किए हैं। महासंघ ने कहा कि दोषियों की पहचान कर उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। जितेंद्र सिंह ने सरकार और प्रशासन से पीड़ित परिवार को न्याय और आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि समाज में इस तरह की घटनाएं दोबारा न हों, इसके लिए प्रशासन को विशेष सतर्कता बरतनी होगी।

श्री श्याम मंदिर में 210वें श्री सुंदरकांड एवं हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन

रांची : हरमू रोड स्थित श्री श्याम मंदिर में श्री श्याम मित्र मंडल की ओर से 210वें श्री सुंदरकांड एवं श्री हनुमान चालीसा पाठ का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर मंदिर परिसर 'राम सिया राम, सिया राम जय-जय राम' के भजनों और बजरंगबली के जयघोष से भक्तिमय वातावरण में गूंज उठा। कार्यक्रम का शुभारंभ मंडल के निर्वतमान महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया द्वारा सदस्य अरुण खुटेटा से बालाजी महाराज की अखंड ज्योति प्रज्ज्वलित कराकर किया गया। इसके बाद अरुण खुटेटा ने बालाजी महाराज को केसरिया पेड़ा, गुड़-चना और फल प्रसाद का भोग अर्पित किया। यजमान ने श्रीरामचरितमानस ग्रंथ का विधिवत पूजन कर पाठ वाचकों का चंदन-वंदन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। पाठ वाचक मनीष सारस्वत और ओम शर्मा ने अपने सहयोगियों के साथ ढोलक और ढपली की मधुर स्वर-लहरियों के बीच श्री गणेश वंदना के साथ श्री हनुमान चालीसा एवं श्री सुंदरकांड का संगीतमय पाठ कराया। इस दौरान उपस्थित श्रद्धालु पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ पाठ में शामिल हुए तथा भजनों का आनंद लिया। कार्यक्रम के समापन पर पुनः श्री हनुमान चालीसा का पाठ, महाआरती और प्रसाद वितरण किया गया। प्रसाद सेवा में श्रवण ढानढनिया ने चना प्रसाद, पुष्पा देवी पोद्दार ने केसरिया पेड़ा, मनीष साहू ने गिरिगोला तथा राजेश जायसवाल ने फल प्रसाद की सेवा प्रदान की। इस अवसर पर श्री श्याम मित्र मंडल के महामंत्री गौरव अग्रवाल, निर्वतमान महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया, उपाध्यक्ष श्रवण ढानढनिया, अशोक लड़ियां, कृष्णा, अंकित कुमार सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

रांची के विकास के लिए महापौर ने केंद्र सरकार से मांगा सहयोग

रांची : रांची की महापौर रोशनी खलखो और उपमहापौर नीरज कुमार ने मंगलवार को नई दिल्ली में केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल से शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने रांची के समग्र एवं सुनियोजित शहरी विकास, नागरिक सुविधाओं के विस्तार तथा पर्यावरण-अनुकूल आधारभूत संरचना के निर्माण के लिए केंद्र सरकार से सहयोग का आग्रह किया। मुलाकात के दौरान महापौर रोशनी खलखो ने रांची की तेजी से बढ़ती जनसंख्या और शहरीकरण से उत्पन्न चुनौतियों का उल्लेख करते हुए कहा कि शहर में बेहतर सड़क नेटवर्क, प्रभावी जल निकासी व्यवस्था, स्वच्छता सेवाओं के विस्तार, हरित क्षेत्रों के विकास तथा अन्य बुनियादी नागरिक सुविधाओं को और मजबूत बनाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए केंद्र सरकार का सहयोग महत्वपूर्ण होगा। महापौर ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार के समन्वित प्रयासों से रांची को एक स्वच्छ, आधुनिक, सुव्यवस्थित और पर्यावरण-अनुकूल शहर के रूप में विकसित किया जा सकता है। उन्होंने शहर के सतत विकास के लिए विभिन्न शहरी विकास परियोजनाओं को गति देने की आवश्यकता पर भी बल दिया। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने रांची के विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की और शहर के समग्र विकास के लिए केंद्र सरकार की ओर से हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया।

एक नजर

मारपीट कर जख्मी करने को ले थाने में दिया आवेदन

मरकच्चो : मरकच्चो थाना क्षेत्र के ग्राम बराडीह निवासी सहदेव मोदी पिता ननकू मोदी ने मारपीट कर जख्मी करने का आरोप लगाते हुए मंगलवार को मरकच्चो थाना में आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाया है। दिए गए आवेदन में सहदेव मोदी ने आरोप लगाया है कि मंगलवार लगभग 11:30 बजे दिन मेरे हिस्से की जमीन पर अशोक मोदी, संतोषी मोदी, विनोद मोदी, तीनों ग्राम बराडीह निवासी मेरे हिस्से की जमीन को ट्रैक्टर से जोत कोड़ करवा रहे थे। यह देख मैं मना करने गया तो तीनों गाली गलौज करते हुए मुझे पकड़ लिए और मेरे साथ मारपीट की, जिससे मैं घायल हो गया। इन लोग पहले भी मेरे जमीन को जोत कोड़ किये है, जिसका मुकदमा न्यायालय में चल रहा है ।उन्होंने आवेदन में यह भी कहा है कि उन लोगों के द्वारा न्यायालय में चल रहे मुकदमे को उठाने की धमकी देते हैं। मुकदमा नही उठावगे तो जान से मार देंगे। उन्होंने घटना की उचित जांच पड़ताल कर आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की है ।

इनर व्हील क्लब को मिला सभी 08 श्रेणियों में पुरस्कृत

रामगढ़ : इनर व्हील क्लब ऑफ रामगढ़ के लिए यह वर्ष अत्यंत गौरवपूर्ण और भावनात्मक रहा। क्लब ने अपने उत्कृष्ट कार्यों, समर्पण, अनुशासन और टीम भावना के बल पर वार्षिक सम्मान समारोह में सभी 08 प्रमुख श्रेणियों में पुरस्कार प्राप्त कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया। बेस्ट क्लब, बेस्ट फाइल कीपिंग, 05 सर्वश्रेष्ठ प्रोजेक्ट्स के लिए प्रमाण-पत्र हासिल कर नया इतिहास बनाया। इसके अलावा आउटस्टैंडिंग प्रेसिडेंट नमिता श्रॉफ, एफिशिएंट सेक्रेटरी जनेशा वडेरा, एफिशिएंट ट्रेजरर मेघा बगड़िया, बेस्ट आईएसओ निधि चौधरी, बेस्ट एडिटर का सम्मान नीरू साहनी को मिला। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर क्लब की अध्यक्षा नमिता श्रॉफ ने कहा कि ये पुरस्कार केवल ट्रॉफियां नहीं हैं, बल्कि पूरे वर्ष सभी सदस्यों की ओर से किए गए अथक परिश्रम, समर्पण, एकजुटता और सेवा भावना का सम्मान हैं। उन्होंने क्लब के प्रत्येक सदस्य का हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सदस्यों के विश्वास, सहयोग और निरंतर उत्साहवर्धन ने टीम को उत्कृष्ट प्रदर्शन करने का आत्मविश्वास दिया।

हत्या मामले में तीन पुलिसकर्मी निलंबित

पूर्वी सिंहभूम : बिष्टुपुर स्थित डबल डाउन (डीडी) बार के बाहर हुई चाकूबाजी की घटना में करनी सेना के सरायकेला युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष हिमांशु सिंह की मौत के बाद पुलिस विभाग ने बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई की है। घटना के दौरान ड्यूटी में कथित लापरवाही बरतने के आरोप में गश्ती दल के तीन पुलिसकर्मियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि पूरे मामले की विस्तृत जांच जारी है और जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे भी आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। निलंबित किए गए पुलिसकर्मियों में सहायक अवर निरीक्षक (एएसआई) रतन कुमार दास, सहायक अवर निरीक्षक (एएसआई) राजेश कुमार रंजन तथा आरक्षी संख्या-913 मनोज कुमार शामिल हैं। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, घटना के समय इनकी ड्यूटी मौके पर थी और प्रथम दृष्टया कर्तव्य निर्वहन में लापरवाही सामने आने पर यह कार्रवाई की गई है। इधर, हिमांशु सिंह की इलाज के दौरान मौत की सूचना मिलते ही सोमवार देर रात शहर में माहौल तनावपूर्ण हो गया। बड़ी संख्या में लोग बिष्टुपुर के रीगल गोलचक्कर पर जुट गए और सड़क जाम कर पुलिस प्रशासन के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन शुरू कर दिया।

आवंटन के बावजूद आउटसोर्सिंग कर्मियों को मानदेय भुगतान नहीं होने से कर्मचारियों में रोष

2 जुलाई को सिविल सर्जन कार्यालय पर होगा विरोध प्रदर्शन : संजय पासवान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : आउटसोर्सिंग कम्पनी कमांडो इंडस्ट्रियल सिक्युरिटी फोर्स हजारीबाग के अंतर्गत जिला के सदर अस्पताल एवं सभी प्रखण्डों के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में कार्यरत 360 आउटसोर्सिंग कर्मचारियों की मानदेय के लिए झारखंड सरकार से आवंटन प्राप्त होने के बावजूद बकाया मानदेय भुगतान नहीं होने से कर्मचारियों ने रोष व्याप्त है। मंगलवार को सीटू के बैनर तले झारखंड आउटसोर्सिंग कर्मचारी कर्मचारी संघ की बैठक सदर अस्पताल परिसर में रंजीत राम की अध्यक्षता में हुई। जिसमें 2 जुलाई को सिविल सर्जन कार्यालय पर विरोध प्रदर्शन करने का निर्णय लिया गया। जिसके बाद भी भुगतान नहीं होने पर 6 जुलाई से पूरी तरह से काम बंद करने का आह्वान किया गया।
बैठक को संबोधित करते हुए सीटू के राज्य सचिव संजय पासवान ने कहा कि आउटसोर्सिंग कर्मियों की लंबित मांगों को लेकर लगातार एक माह तक आंदोलन चलाने के बाद 01 जून से कर्मचारी अनिश्चितकालीन हड़ताल का आह्वान किया था। हड़ताल के पहले दिन ही सिविल सर्जन की अध्यक्षता में कमांडो कम्पनी के प्रतिनिधियों के साथ त्रिपक्षीय वार्ता हुई और जिसमें लिखित समझौता के आधार पर हड़ताल को स्थगित कर दिया गया। जिसमें आवंटन आते ही मानदेय का भुगतान किया जाएगा। लेकिन आंवटन प्राप्त होने के 14 दिन के बाद भी मानदेय भुगतान नहीं करना श्रम कानूनों का सीधा सीधा उलंघन है। भुगतान नहीं होने के कारण राज्यभर के आउटसोर्सिंग कर्मचारी भूखों मरने की स्थिति में आ चूके हैं। आत्महत्या करने की परिस्थिति पैदा हो रही है। अब इनके सामने एक बार फिर से विरोध प्रदर्शन करने छोड़ कोई रास्ता नहीं बचा है।
बैठक में रंजीत राम, धीरज तिवारी, विशाल कुमार, राहुल कुमार, प्रिंस पांडेय, हीरालाल डोम, बिरेन्द्र राम, चंदन कुमार, अवनीश आर्यन, अमित कुमार, अनीश कुमार, रेखा देवी, सुनीता देवी, सुमा देवी, ममता कुमारी, राधा देवी, मंजू देवी, कुसुम, पवन कुमार, श्रीकान्त यादव,विनीत कुमार, नरेन्द्र, सिकंदर रजक, जगधात्री कुमारी, सुमित्रा एक्का, शांति लता होरो, रूबींता कुमारी, कारू, सबीना, बबीता, सुरज यादव, किशन कुमार, सलमा खातुन, सुनील राम, संतोष कुमार सहित दर्जनों आउटसोर्सिंग कर्मचारी मौजूद थे।

जयनगर प्रखंड के सभी मतदान केंद्रों पर विशेष गहन पुनरीक्षण के एन्यूमरेशन फेज का शुभारंभ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

जयनगर (कोडरमा) : 20-बरकट्ठा विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत जयनगर प्रखंड के सभी 132 मतदान केंद्रों पर सोमवार से विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत एन्यूमरेशन फेज का विधिवत शुभारंभ किया गया। यह अभियान 30 जून से 29 जुलाई 2026 तक संचालित होगा। अभियान का उद्देश्य मतदाता सूची को अद्यतन, त्रुटिरहित एवं अधिक पारदर्शी बनाना है।
अभियान के पहले दिन सभी मतदान केंद्रों पर बूथ स्तरीय पदाधिकारी, बीएलए-2, स्वयंसेवक तथा चुनाव पाठशाला के प्रतिभागियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। इस दौरान उपस्थित लोगों को मतदाता सत्यापन प्रक्रिया, प्रपत्रों के सही तरीके से भरने एवं डिजिटाइजेशन, नए मतदाताओं के पंजीकरण तथा शत-प्रतिशत मतदाता कवरेज सुनिश्चित करने से संबंधित आवश्यक जानकारी दी गई। साथ ही सोशल मीडिया पर अभियान को भी व्यापक रूप से प्रचारित किया गया।

29 जुलाई तक चलेगा अभियान

अभियान के सफल संचालन की निगरानी के लिए प्रखंड विकास पदाधिकारी-सह-सहायक निर्वाचन निबंधन पदाधिकारी, अंचल अधिकारी-सह-अतिरिक्त सहायक निर्वाचन निबंधन पदाधिकारी, प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी एवं निर्वाचन सुपरवाइजर ने विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने संबंधित कर्मियों को निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का अक्षरशः पालन करते हुए पारदर्शी, समयबद्ध एवं त्रुटिरहित तरीके से एन्यूमरेशन कार्य पूरा करने के निर्देश दिए।
प्रखंड प्रशासन ने सभी पात्र मतदाताओं से अपील की है कि वे एन्यूमरेशन कार्य के दौरान बूथ स्तरीय पदाधिकारियों को आवश्यक जानकारी एवं दस्तावेज उपलब्ध कराकर सहयोग करें, ताकि मतदाता सूची को पूरी तरह अद्यतन और त्रुटिरहित बनाया जा सके।

झारखंड जर्नलिस्ट एसोसिएशन की चंदवारा प्रखंड इकाई का विस्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : झारखंड जर्नलिस्ट एसोसिएशन की मजबूती और विस्तार को लेकर मंगलवार को चंदवारा प्रखंड के पूर्वी पंचायत सभागार में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। कोडरमा जिला इकाई के उपाध्यक्ष सह चंदवारा प्रखंड प्रभारी राम कुमार सिंह की अध्यक्षता में आयोजित किया गया।बैठक में सर्वसम्मति से चंदवारा प्रखंड इकाई की नई कमेटी का गठन और पदाधिकारियों का मनोनयन किया गया। बैठक में सर्वसम्मति से संगठन के प्रति समर्पित पत्रकारों को नई जिम्मेदारियां सौंपी गईं जिसमें अध्यक्ष विजय बरनवाल,उपाध्यक्ष संतोष कुमार बरनवाल,सचिव गौतम कुमार,सह सचिव जयकांत मोदी कोषाध्यक्ष सद्दाम अंसारी,कार्यकारिणी सदस्य मंटू कुमार सोनी,मनीष बरनवाल अमिताभ सिंह व अन्य को रखा गया। कोडरमा जिला इकाई कमेटी के पदाधिकारियों और सदस्यों ने सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों एवं सदस्यों को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया और बधाई दी। बैठक को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि संगठन में रहकर संगठन के प्रति सकारात्मक सोच रखना बेहद जरूरी है। पत्रकार साथियों के सुख दुःख की घड़ी में हमेशा उनके साथ खड़ा रहना हम सभी का नैतिक दायित्व है।उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पत्रकारों के हितों की रक्षा के लिए संगठन ही सर्वोपरि है।बैठक के दौरान आगामी सांगठनिक कार्यक्रमों पर भी चर्चा की गई मौके पर बैठक में जिला इकाई कमेटी के महासचिव अनिल सिंह,प्रेम भारद्वाज,सुधीर पांडेय और रामकृष्ण मेहता मुख्य रूप से उपस्थित थे।

बीएफसीएल में पीपुल फर्स्ट कल्चर के तहत 142 कर्मचारियों का मनाया सामूहिक जन्मदिन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : जिले के बिहार फाउंड्री एंड कास्टिंग्स लिमिटेड में जून माह में जन्मदिन मनाने वाले कुल 142 अधिकारियों और कर्मचारियों के सम्मान में पीपुल फर्स्ट कल्चर और वन सेलिब्रेशन मेनी स्माइलस थीम के तहत मंगलवार को सामूहिक जन्मदिन समारोह का आयोजन किया।
इस समारोह में जीएफए एचएसपीए और हेड ऑफिस, रांची के कर्मचारी शामिल रहे। विभिन्न विभागों के कर्मचारियों ने एक साथ मिलकर इस विशेष अवसर को उत्साह और उल्लास के साथ मनाया।
इस दौरान विभिन्न विभागाध्यक्ष की उपस्थिति ने कर्मचारियों का मनोबल बढ़ाया। कार्यक्रम का आयोजन एचएएसपी कैंटीन जीएफए कैंटीन और मुख्य कार्यालय में किया गया।
कार्यक्रम का उद्देश्य कर्मचारियों के योगदान के प्रति आभार व्यक्त करना, टीम भावना को सुदृढ़ करना और सकारात्मक कार्य संस्कृति को बढ़ावा देना रहा। समारोह के दौरान केक काटा गया और शुभकामना संदेश दिए गए। साथ ही सभी जन्मदिनधारी कर्मचारियों को सामूहिक रूप से बधाई दी गई।
मौके पर वरिष्ठ अधिकारियों ने अपने संबोधन में कहा कि कर्मचारियों की निष्ठा, परिश्रम और समर्पण ही कंपनी की निरंतर प्रगति का आधार है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन संगठन में आपसी सहयोग, विश्वास और पारिवारिक वातावरण को मजबूत करते हैं।

रोटरी बाल विद्यालय में स्मार्ट क्लास का शुभारंभ बच्चों को आधुनिक शिक्षा से जोड़ने की पहल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

झुमरी तिलैया : रोटरी बाल विद्यालय में बच्चों को आधुनिक शिक्षा से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए स्मार्ट क्लास का उद्घाटन रोटरी क्लब कोडरमा के अध्यक्ष संतोष कुमार सिन्हा एवं उनकी धर्मपत्नी रूपा रानी ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर विद्यालय के लिए स्मार्ट क्लास का प्रोजेक्टर एवं आवश्यक मशीनें अध्यक्ष संतोष कुमार सिन्हा द्वारा उपलब्ध कराई गईं।
कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संतोष कुमार सिन्हा ने कहा कि बच्चे ही राष्ट्र का भविष्य हैं। गुणवत्तापूर्ण और आधुनिक शिक्षा के माध्यम से ही वे अपने परिवार, समाज और देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने कहा कि स्मार्ट क्लास से बच्चों की पढ़ाई अधिक रोचक, प्रभावी और तकनीक आधारित बनेगी।
विद्यालय के डायरेक्टर महेश दारुका ने विद्यालय प्रबंधन समिति की ओर से रोटरी क्लब का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि स्मार्ट क्लास शुरू होने से विद्यार्थियों के शिक्षा स्तर में और सुधार आएगा। उन्होंने बताया कि जरूरतमंद एवं गरीब बच्चों के लिए संचालित रोटरी बाल विद्यालय में आधुनिक शिक्षा के साथ-साथ विभिन्न गतिविधियों और जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से बच्चों को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।
इस अवसर पर डॉ. संगीता प्रसाद, पूर्व अध्यक्ष सुरेश जैन, कुमार पुजारा, कैलाश चौधरी, सचिव संदीप सिन्हा, विद्यालय की प्राचार्य रीना कुमारी सहित वर्ष 2026-27 के अध्यक्ष नवीन आर्य, विद्यालय के कोषाध्यक्ष सुरेश सेठी, सहेली सेंटर के डायरेक्टर कमल जैन सेठी, संजीव अग्रवाल, अश्विनी राजगढ़िया तथा पब्लिक रिलेशन के डायरेक्टर एवं मीडिया प्रभारी नवीन जैन समेत अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं क्राइम कंट्रोल ब्यूरो में विष्णु बजरंगी बने झारखंड के स्टेट मीडिया ऑफिसर

हजारीबाग/चलकुशा : राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं क्राइम कंट्रोल ब्यूरो (ठलफ्रछउइ) ने संगठन को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए विष्णु कुमार बरनवाल उर्फ विष्णु बजरंगी को झारखंड का स्टेट मीडिया ऑफिसर नियुक्त किया है। यह नियुक्ति संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ। रणधीर कुमार के निर्देश पर उनके उत्कृष्ट कार्य, समर्पण एवं संगठन के प्रति सक्रिय योगदान को देखते हुए की गई है। संस्थान द्वारा 29 जून 2026 को जारी नियुक्ति पत्र के अनुसार यह जिम्मेदारी तत्काल प्रभाव से लागू कर दी गई है। इससे पहले विष्णु बजरंगी हजारीबाग जिला मीडिया ऑफिसर के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे थे। जिला स्तर पर मीडिया समन्वय, जनसंपर्क, संगठन की गतिविधियों के प्रचार-प्रसार तथा मानवाधिकार जागरूकता अभियान में उनके उल्लेखनीय योगदान को देखते हुए उन्हें राज्य स्तर की नई जिम्मेदारी सौंपी गई।
विष्णु बजरंगी झारखंड के हजारीबाग जिले के चलकुशा प्रखंड अंतर्गत चौबे गांव के

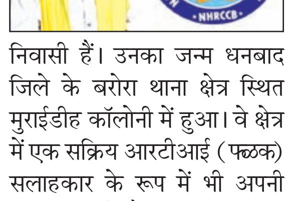

निवासी हैं। उनका जन्म धनबाद जिले के बरोरा थाना क्षेत्र स्थित मुराईडीह कॉलोनी में हुआ। वे क्षेत्र में एक सक्रिय आरटीआई (फ्ळक) सलाहकार के रूप में भी अपनी पहचान रखते हैं।
पिछले लगभग नौ वर्षों से वे सूचना का अधिकार, जन शिकायतों के समाधान, मानवाधिकार संरक्षण, प्रशासनिक मामलों और जनहित से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर लगातार सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। विभिन्न सरकारी विभागों में लोगों की समस्याओं के समाधान और प्रशासनिक प्रक्रियाओं में मार्गदर्शन देने के साथ-साथ मानवाधिकार से जुड़े मामलों में उनकी सक्रियता ने उन्हें सामाजिक क्षेत्र में एक अलग पहचान दिलाई है।
नई जिम्मेदारी मिलने पर विष्णु बजरंगी ने संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. रणधीर कुमार एवं सभी वरिष्ठ पदाधिकारियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन ने उन पर जो विश्वास जताया है, उस पर वे पूरी निष्ठा, ईमानदारी और जिम्मेदारी के साथ खरा उतरने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि झारखंड में मानवाधिकार संरक्षण, जनजागरूकता, संगठन के विस्तार और मीडिया समन्वय को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए वे पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेंगे।
उनकी नियुक्ति पर संस्थान के पदाधिकारियों, सामाजिक कार्यकताओं, पत्रकारों तथा शुभचिंतकों ने खुशी जाहिर करते हुए उन्हें बधाई एवं उज्ज्वल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

संक्षिप्त खबरें

बमबम कुमार ने 51 वें मरकच्चो थाना प्रभारी के रूप मे पदभार ग्रहण किया

मरकच्चो : एसपी कुमार शिवाशिष के निर्देश पर मंगलवार को मरकच्चो थाना में बमबम कुमार ने थाना प्रभारी के रूप में अपना पदभार ग्रहण किया । पुलिस मुख्यालय से आदेश जारी होने के बाद बमबम कुमार ने 51 वें थाना प्रभारी के रूप में थाने में योगदान देकर अपना कार्यभार संभाल लिया है। मौके पर थाना प्रभारी ने कहा कि समाज के आम से लेकर खास सभी तबके के लोगों को साथ लेकर शांति व्यवस्था बरकरार रखना मेरी पहली प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि अपराध नियंत्रण के साथ-साथ पुलिस के प्रति लोगों के विश्वास को कायम रखने का प्रयास किया जाएगा। साथ ही उन्होंने सभी ग्रामीणों से सहयोग करने की अपील की।

मॉडर्न पब्लिक स्कूल में भावुक माहौल में शिक्षिका की विदाई समारोह आयोजित'

कोडरमा : मॉडर्न पब्लिक स्कूल में शिक्षिका अमिषा राज के सम्मान में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में विद्यालय के प्रधानाचार्य महोदय श्री गुरुचरण वर्मा एवं निदेशिका महोदया श्रीमती संगीता शर्मा उपस्थित रहे। इस अवसर पर प्रधानाचार्य महोदय श्री गुरुचरण वर्मा ने कहा, अमिषा मैम ने अपने कार्यकाल में बच्चों को केवल पढ़ाया ही नहीं, बल्कि उन्हें संस्कार और अनुशासन भी सिखाया। उनका समर्पण, मेहनत और बच्चों के प्रति लगाव विद्यालय के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा। हम उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं। निदेशिका महोदया श्रीमती संगीता शर्मा ने अपने वक्तव्य में कहा, अमिषा एक मेहनती, निष्ठावान और प्रेरणादायक शिक्षिका रही हैं। विद्यालय परिवार उन्हें बहुत याद करेगा। हमें पूर्ण विश्वास है कि वे जहाँ भी जाएंगी, अपनी प्रतिभा और कर्मठता से विद्यालय का नाम रोशन करेंगी। विदाई समारोह के दौरान शिक्षिका अमिषा ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि इस विद्यालय में मैंने बहुत कुछ सीखा है। यहाँ के सहयोगी शिक्षकों, प्रधानाचार्य और निदेशिका महोदया का स्नेह मेरे लिए हमेशा यादगार रहेगा। विद्यालय परिवार के प्रति मैं आजीवन आभारी रहूंगी। कार्यक्रम का समापन भावुक माहौल में हुआ। सभी शिक्षकों ने भारी मन से उन्हें विदा किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर विद्यालय परिवार की ओर से शिक्षिका अमिषा को स्मृति चिन्ह और टोकन ऑफ लव भेंट किया गया। समस्त स्टाफ ने उनके साथ बिताए पलों को याद कर भावुक होकर उन्हें शुभकामनाएँ दीं।

मतदाता सूची का शुद्ध और अद्यतन होना लोकतंत्र के लिए जरूरी : विनोद पांडेय

गढ़वा : झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) जिला समिति की ओर से मंगलवार को शहीद नीलांबर-पीतांबर टाउन हॉल में बूथ सशक्तिकरण सह बीएलए-2 का जिला स्तरीय प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत हूल दिवस के शहीद सिद्धो-कान्हो की प्रतिमा पर पुष्पांजलि एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इस अवसर पर झामुमो के केंद्रीय महासचिव एवं प्रवक्ता विनोद पांडेय ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए मतदाता सूची का शुद्ध और अद्यतन होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कार्यकताओं से घर-घर जाकर मतदाता सूची का सत्यापन करने तथा किसी भी योग्य मतदाता का नाम सूची से छूटने नहीं देने का आह्वान किया। पूर्व मंत्री एवं केंद्रीय महासचिव मिथिलेश कुमार ठाकुर ने कहा कि बीएलए पूरी निष्ठा से अपनी जिम्मेदारी निभाएं और मतदाताओं की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि किसी भी योग्य मतदाता का नाम मतदाता सूची से नहीं हटना चाहिए। शिविर में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत बीएलए-2 को मतदाता सूची के पुनरीक्षण, नए मतदाताओं के पंजीकरण, दस्तावेजों की जांच तथा निर्वाचन प्रक्रिया से संबंधित आवश्यक जानकारी दी गई। कार्यक्रम में बूथ स्तर पर आने वाली चुनौतियों और उनके समाधान पर भी चर्चा की गई। शिविर में भवनाथपुर विधायक अनंत प्रताप देव सहित जिला, प्रखंड एवं पंचायत स्तर के पदाधिकारी, बीएलए-2, बूथ प्रभारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे।

चक्रधरपुर मंडल के मशीन ब्लॉक से जुलाई से नवंबर तक कई ट्रेनें रहेंगी रद्द

पश्चिमी सिंहभूम : टाटानगर और राउरकेला के बीच नियमित यात्रा करने वाले हजारों रेल यात्रियों को अगले कई महीनों तक परेशानी का सामना करना पड़ेगा। दक्षिण पूर्व रेलवे के चक्रधरपुर मंडल ने रेल पटरियों और अन्य आधारभूत संरचनाओं के रखरखाव,ट्रैक मशीनों से मरम्मत कार्य और सुरक्षित रेल संचालन सुनिश्चित करने के लिए राउरकेलाझकंसबहालझडिह रेलखंड में तीन घंटे का मशीन ब्लॉक लेने का निर्णय लिया है। इस कारण 05 जुलाई से 22 नवंबर 2026 तक विभिन्न तिथियों में कई एक्सप्रेस,मेमू और पैसेंजर ट्रेनों का परिचालन रद्द रहेगा। इस निर्णय का सबसे अधिक असर टाटानगर से राउरकेला,चक्रधरपुर, झारसुगुड़ा, हटिया और पुरी की ओर यात्रा करने वाले दैनिक यात्रियों, नौकरीपेशा लोगों, विद्यार्थियों तथा व्यवसायियों पर पड़ेगा। विशेष रूप से टाटानगरझराउरकेला मेमू ट्रेन के रद्द रहने से दोनों शहरों के बीच प्रतिदिन यात्रा करने वाले यात्रियों को वैकल्पिक ट्रेनों या सड़क मार्ग का सहारा लेना पड़ सकता है। मंगलवार को रेलवे की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार प्रत्येक रविवार को 18175/18176 हटियाझझारसुगुड़ाझहटिया एक्सप्रेस और 68029/68030 राउरकेलाझझारसुगुड़ाझराउरकेला मेमू का परिचालन 05 जुलाई से 15 नवंबर 2026 के बीच निर्धारित तिथियों पर रद्द रहेगा। रेलवे अधिकारियों के अनुसार मशीन ब्लॉक के दौरान ट्रैक का रखरखाव, रेल लाइन की मरम्मत, मशीनों से पैकिंग और अन्य तकनीकी कार्य किए जाएंगे। इन कार्यों का उद्देश्य रेल पटरियों की गुणवत्ता में सुधार करना, ट्रेनों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करना और भविष्य में परिचालन को अधिक सुचारु बनाना है। चक्रधरपुर मंडल ने यात्रियों से अपील की है कि यात्रा पर निकलने से पहले अपनी ट्रेन की स्थिति रेलवे की आधिकारिक सूचना प्रणाली से अवश्य जांच लें। जिन यात्रियों ने पहले से टिकट बुक करा रखा है, वे अपनी यात्रा की योजना तदनुसार बदलें।

एक नजर

समाजसेवी ने ब्रह्मभोज के लिए खाद्य सामग्री देकर किया सहयोग

बरकागांव : बड़कागांव प्रखंड के चंदोल पंचायत अंतर्गत पुंदोल गांव निवासी स्वर्गीय दिनेश प्रजापति का 24 जून को लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। उनके निधन से परिवार और गांव में शोक की लहर दौड़ गई। अपने पीछे वे भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। स्वर्गीय दिनेश प्रजापति के ब्रह्मभोज के आयोजन में आर्थिक एवं सामाजिक सहयोग के उद्देश्य से समाजसेवी रंजीत पंडित ने उनके पुत्र रामा प्रजापति को आवश्यक खाद्य सामग्री उपलब्ध कराई। इस सहयोग से शोकाकुल परिवार को कठिन समय में काफी राहत मिली। रामा प्रजापति ने समाजसेवी रंजीत पंडित के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि दुख की इस घड़ी में मिला सहयोग परिवार के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि ऐसे मानवीय कार्य समाज में आपसी भाईचारे और सहयोग की भावना को मजबूत करते हैं। स्थानीय लोगों ने भी रंजीत पंडित के इस सामाजिक योगदान की सराहना करते हुए कहा कि जरूरतमंद परिवारों की सहायता के लिए उनका यह प्रयास समाज के लिए प्रेरणादायक है।

गैस सिलेंडर बुकिंग में ग्रामीण-शहरी अंतर खत्म करने की मांग

बड़कागांव : लोकसभा के पूर्व प्रत्याशी सह राष्ट्रीय जनता दल (राजद) पिछड़ा प्रकोष्ठ हजारीबाग के जिलाध्यक्ष कुंज बिहारी साव ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर केंद्र और राज्य सरकार के साथ-साथ स्थानीय जनप्रतिनिधियों पर भी सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में घरेलू गैस सिलेंडर की बुकिंग 45 दिनों के बाद हो रही है, जबकि शहरी क्षेत्रों में 24 दिनों के भीतर गैस उपलब्ध हो जाती है।यह ग्रामीण उपभोक्ताओं के साथ भेदभाव है।उनका कहना है कि एक गैस सिलेंडर से 45 दिनों तक किसी परिवार का खाना बनाना संभव नहीं है, जिसके कारण गरीब परिवार लकड़ी और कोयले का सहारा लेने को मजबूर हैं।कुंज बिहारी साव ने आरोप लगाया कि क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल और बड़कागांव के विधायक रोशन लाल चौधरी इस गंभीर समस्या पर मौन हैं। उन्होंने कहा कि जनता महंगाई और गैस की समस्या से परेशान है,लेकिन जनप्रतिनिधि समाधान की दिशा में कोई ठोस पहल करते नहीं दिख रहे हैं। उन्होंने मांग की कि ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में गैस सिलेंडर बुकिंग की अवधि समान की जाए, ताकि ग्रामीण उपभोक्ताओं को भी समय पर गैस उपलब्ध हो सके।

केरेडारी की मुख्य सड़क बदहाल, कोयला वाहनों से बढ़ी लोगों की मुश्किलें

केरेडारी : केरेडारी - आम्रपाली परियोजना से सीएसपीएल कंपनी द्वारा 18 चक्का ट्रेलरों के माध्यम से सीएचपी तक केरेडारी मुख्य सड़क से कोयला ढुलाई किए जाने के कारण सड़क की स्थिति लगातार खराब होती जा रही है। ओवरलोड वाहनों के लगातार परिचालन से सड़क कई जगहों पर पूरी तरह जर्जर हो चुकी है और बड़े-बड़े गड्ढे बन गए हैं। सड़क की बदहाल स्थिति के कारण स्थानीय लोगों, स्कूली बच्चों और दैनिक यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सुबह और दोपहर के समय कोयला लदे भारी वाहनों की आवाजाही से अक्सर जाम की स्थिति बन जाती है जिससे स्कूल जाने वाले बच्चों और आम राहगीरों को घंटों तक इंतजार करना पड़ता है। धूल और खराब सड़क के कारण दुर्घटना की आशंका भी लगातार बनी हुई है। ग्रामीणों का आरोप है कि ओवरलोड वाहनों के कारण सड़क तेजी से क्षतिग्रस्त हुई है लेकिन न तो कंपनी सड़क की मरम्मत करा रही है और न ही जिला प्रशासन इस दिशा में कोई प्रभावी कार्रवाई कर रहा है। प्रशासन की चुप्पी से लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है।

हूल दिवस पर विधायक सविता महतो ने वीर शहीदों को दी श्रद्धांजलि

वीर शहीदों का बलिदान रहेगा प्रेरणास्रोत : विधायक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

ईचागढ़ : हूल दिवस के अवसर पर मंगलवार को ईचागढ़ विधानसभा क्षेत्र की विधायक सविता महतो ने झामुमो नेताओं एवं कार्यकताओं के साथ चांडिल गोलचक्कर स्थित वीर शहीद सिदो-कान्हु की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद उन्होंने चौका के टुईटुंगरी मोड़ स्थित वीरांगना फूलो-झानो की प्रतिमा पर भी माल्यार्पण किया। वहीं नीमडीह प्रखंड के पाढ़कीडीह तथा कुकड़ू प्रखंड के सिंदूरपुर और हाईतिरुल गांव में स्थापित वीर शहीद सिदो-कान्हु की प्रतिमाओं पर भी श्रद्धासुमन अर्पित कर नमन किया। इस दौरान सिंदूरपुर में विधायक सविता महतो ने वीर शहीद सिदो-कान्हुके आदमकद मूर्ति का अनावरण किया। इस अवसर पर विधायक सविता महतो ने कहा कि वीर शहीदों का बलिदान कभी व्यर्थ नहीं जाएगा। उनके सपनों का झारखंड बनाने के लिए हम सभी को मिलकर कार्य करना होगा। उन्होंने कहा कि 30 जून 1855 को जल, जंगल और जमीन की रक्षा तथा शोषण और अत्याचार के खिलाफ अंग्रेजी हुकूमत के विरुद्ध हूल विद्रोह का बिगुल फूंकने वाले अमर वीर शहीद सिदो-कान्हु, चांद-भैरव, फूलो-झानो सहित हजारों शहीदों का बलिदान सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा। उन्होंने सभी वीर शहीदों को हूल जोहार अर्पित करते हुए कहा कि झारखंड के वीर सपूतों का संघर्ष आने वाली पीढ़ियों को न्याय, स्वाभिमान और अधिकारों की रक्षा के लिए प्रेरित करता रहेगा। इस मौके पर अनुमंडल पदाधिकारी नितिन शिवम गुप्ता, डीएसपी शिव प्रकाश कुमार, बीडीओ तालेश्वर रविदास, जिला परिषद सदस्य पिंकी लायेक, झामुमो केंद्रीय सदस्य चारु चांद किस्कू, ओम प्रकाश लायेक, काबलू महतो, जिला सचिव बैद्यनाथ टुडू, प्रखंड अध्यक्ष कृष्णा किशोर महतो, सचिन गोप, कित्तीवास महतो, अरुण टुडू, धर्मु गोप, अर्जुन सिंह मुंडा, समर भुईयां, अजीत सिंह मुंडा, श्रीकांत महतो, नव किशोर हांसदा सहित बड़ी संख्या में झामुमो नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

एआईडीएसओ-एआईडीवाईओ ने मयार्दापूर्वक मनाया हूल दिवस

चांडिल : मंगलवार को ऐतिहासिक 'हुल दिवस' के अवसर पर छात्र संगठन ऑल इंडिया डेमोक्रेटिक स्टूडेंट्स आगेर्नाइजेशन (एआईडीएसओ) और युवा संगठन एआईडीवाईओ की ओर से चांडिल के गोलचक्कर में एक कार्यक्रम का आयोजन कर मयार्दापूर्वक हुल क्रांति के महानायकों को याद किया गया व शहीद सिद्धो, कान्हू प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित छात्र संगठन एआईडीएसओ के जिला अध्यक्ष विशेश्वर महतो ने हुल क्रांति के ऐतिहासिक संघर्षों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 30 जून 1855 को सिदो-कान्हू के नेतृत्व में जल, जंगल, जमीन और अस्मिता की रक्षा के लिए ब्रिटिश हुकूमत और सूदखोरों के खिलाफ जो शंखनाद हुआ था, वह भारत के स्वतंत्रता संग्राम की एक गौरवशाली नींव था। आज इस महान क्रांति के इतने वर्षों बाद भी हमारे गांवों और शहरों में शिक्षा, रोजगार और बुनियादी अधिकारों के लिए हाहाकार मचा हुआ है। जल, जंगल और जमीन को बचाने के साथ-साथ आज हमारी शिक्षा और समाज को बचाने की चुनौती हमारे सामने है। वर्तमान समय में अमर शहीदों के विचारों को आत्मसात करना और इस शोषणकारी समाज के खिलाफ संघर्ष को तेज करना ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि होगी। कार्यक्रम को युवा संगठन एआईडीवाईओ के राज्य अध्यक्ष हाराधन महतो ने भी संबोधित किया कार्यक्रम में एआईडीएसओ उपाध्यक्ष प्रभात कुमार महतो, जिला सचिव युधिष्ठिर प्रमाणिक, कोषाध्यक्ष राजा प्रमाणिक, संयुक्त सचिव खुशी पोद्दार और सीमा हंसदा व साथ में सदस्य पूजा प्रमाणिक, पियाली , किसान ,पूर्णिमा परम एवं छात्र- छात्राएं उपस्थित थे।

हूल दिवस पर आजसू पार्टी ने दी शहीद सिदो-कान्हू को श्रद्धांजलि

चांडिल : अंग्रेजी हुकूमत, जमींदारों के शोषण और अन्याय के विरुद्ध 1855 की ऐतिहासिक 'हूल क्रांति' का शंखनाद करने वाले अमर क्रांतिकारी शहीद सिदो-कान्हू, चांद-भैरव तथा वीरांगनाओं फूलो-झानो के बलिदान दिवस 'हूल दिवस' के अवसर पर मंगलवार को आजसू पार्टी ने श्रद्धांजलि अर्पित कर उनके योगदान को याद किया। चांडिल के चिलगु स्थित आजसू पार्टी के प्रधान कार्यालय में केंद्रीय महासचिव हरेलाल महतो के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में कार्यकताओं ने शहीद सिदो-कान्हू के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर हरेलाल महतो ने कहा कि भारत की आजादी की लड़ाई में झारखंड के वीर सपूतों का योगदान अतुलनीय और प्रेरणादायी रहा है। अंग्रेजी शासन के अत्याचार, शोषण और अन्याय के विरुद्ध सिदो-कान्हू, चांद-भैरव तथा फूलो-झानो ने जिस साहस और त्याग का परिचय दिया, वह आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने कहा कि आज की युवा पीढ़ी को हूल क्रांति के इतिहास और हमारे स्वतंत्रता सेनानियों के संघर्ष से अवगत कराना समय की आवश्यकता है, ताकि उनके बलिदान और आदर्शों को सदैव स्मरण रखा जा सके। कार्यक्रम में पूर्व चांडिल प्रमुख अमला मुर्मू, भीम महापात्र, देवराज महतो, हिमेश महतो सहित आजसू पार्टी के कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मजदूरी की कमाई से 70 वर्षीय महिला ने बनवाई सिद्धो-कान्हू की प्रतिमा, हूल दिवस पर किया अनावरण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पटमदा : पूर्वी सिंहभूम जिला के बोड़ाम प्रखंड के मुकरूडीह टोला तेतुलडीह निवासी 70 वर्षीय आदिवासी महिला कौशल्या मुर्मू (टुडू)ने हुल दिवस पर एक मिशाल पेश किया है।उन्होंने अपने जीवन का अंतिम समय सिद्धू कान्हू की सेवा में लगाने का संकल्प लिया। उन्होंने चैनल से विशेष बातचीत के दौरान कहा कि अपने माता, पिता, बहनों के साथ काफी समय बिताया। सभी के हर जरूरत को पूरा करने का भी प्रयास किया। लेकिन माता पिता के निधन के बाद जीवन के अंतिम क्षण को महापुरुष सिद्धू कान्हू की सेवा में लगना ही उचित समझा।वर्ष 2026 के जनवरी माह में सिद्धू कानू मूर्ति स्थल का भूमि पूजन करने के बाद मूर्ति स्थल के साथ मूर्ति स्थापना करने में छः माह लगे। हूल दिवस के दिन समाज के काफी संख्या में उपस्थित लोगों के साथ मूर्ति का पारंपरिक विधि विधान के साथ अनावरण कौशल्या मुर्मू टुडू के हाथों संपन्न हुआ। समाज के सभी लोगों ने उनके इस प्रयास की सराहना की। इनके पिता स्व नवीन मुर्मू के तीन बेटी में से कौशल्या मुर्मू टुडू सबसे बड़ी है।

उन्होंने अपने पति चंद्र मोहन मुर्मू को अपने ही हाथों दूसरी शादी करवाया। जब उनको शादी के लंबे समय के बाद कोई बच्चा नहीं हुआ। उन्होंने जीवन के अंतिम समय में ये संकल्प किया कि जीवन में सिद्धू कान्हू के सेवा करके ही आगे का जीवन गुजार लूंगी। संथाली भाषा में गीत के माध्यम से उन्होंने सिद्धू कान्हू सहित सभी महापुरुषों के बलिदान को प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा मेरे इस सपने को पूरा करने में तकनीकी सहयोगी के रूप में आनंद हांसदा का भरपूर सहयोग रहा। उपस्थित उद्घाटन करता कौशल्या मुर्मू टुडू, परगना कमलकांत मुर्मू, पार्षद प्रदीप बेसरा, मुखिया बिनती हांसदा पार्षद प्रतिनिधि मानिक चंद्र महतो, हरिहर टुडू, छुटू लाल हांसदा,ग्राम प्रधान संजीत महतो, माझी बाबा आनंद हांसदा, झामुमो अध्यक्ष दीपांकर महतो, शिक्षक ललित हांसदा, नायके बाबा आशुतोष टुडू, दिवाकर टुडू सुखदेव हेंब्रम, नारायण मुर्मू, विश्वनाथ महतो सहित काफी संख्या में समाज के गणमान्य लोग उपस्थित थे।

पार्षद खगेन चंद्र महतो ने सिद्धू कान्हू को दी श्रद्धांजलि

पटमदा : कांकु में पटमदा उत्तरी जिला पार्षद खगेन चंद्र महतो ने हुल दिवस के अवसर पर वीर शहीद सिद्धू कान्हू की मूर्ति पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी। इस दौरान उन्होंने कहा कि सिद्धू कान्हू की मूर्ति पर माल्यार्पण के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम में भी कई प्रकार की प्रस्तुति दी। इस दौरान उनके साथ धर्म पत्नी बिंदु वाला महतो सोमनाथ मुर्मू ,निर्मल मुर्मू सहित काफी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

हूल दिवस पर आदिवासी संथाल समिति ने निकाली शोभायात्रा

विष्णुगढ़ : झारखंड आदिवासी संथाल समिति द्वारा हूल दिवस के अवसर पर मंगलवार को भव्य शोभायात्रा निकाली गई। जिसमें प्रखंड के बड़ी संख्या में आदिवासी समाज के लोग पारंपरिक अस्त्र-शस्त्रों के साथ शामिल हुए। इसकी शुरूआत कुसुंभा पंचायत के अलखरी कला के बहा टांडी से हुई। शोभायात्रा जंबुआ, ढ़ंगरटोली, अखाड़ा चौक, ब्लॉक रोड चेडरा, सातमील मोड़, हॉस्पीटल चौक, उपरैली मुरगांव, नावाटांड होते हुए पुनः अलखरी बहा टांडी पहुंचकर समाप्त हुई। ढ़ोल-मांदर की थाप के बीच तीर-धनुष, फरसा, कटारी समेत अन्य कई पारंपरिक अस्त्र-शस्त्रों और सरना ध्वज के साथ शोभायात्रा में शामिल लोगों ने वीर सिदो-कान्हू अमर रहे, चांद-भैरव अमर रहे, फूलो-झानो अमर रहे, झारखंड के वीर शहीदों अमर रहे का नारा बुलंद किया। शोभायात्रा में शामिल लोगों के लिए हॉस्पीटल चौक में वर्णिका ट्रेडर्स द्वारा चना-गुड़ एवं शीतल पेयजल की व्यवस्था की गई। इसके लिए समिति ने उनका आभार जताया। शोभायात्रा समाप्ति के पश्चात अलखरी कला बहा टांडी में हूल क्रांति के अमर वीर शहीद सिदो-कान्हू, चांद-भैरव तथा फूलो-झानो एवं हूल क्रांति के अन्य वीरों के अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ अद्वितीय बलिदान को नमन करते हुए उनके संघर्ष और शौर्य को याद किया गया। वक्ताओं ने कहा कि हूल दिवस आदिवासी वीरों के साहस, स्वाभिमान और स्वतंत्रता आंदोलन में बलिदान की प्रेरणा देता है।

चौपारण में मतदाता सूची सुधार अभियान का हुआ शुभारंभ, एक माह तक चलेगा घर-घर सत्यापन कार्य

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली एवं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, झारखंड के निर्देश पर मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के अगले चरण की शुरूआत मंगलवार को प्रखंड क्षेत्र के सभी मतदान केंद्रों पर की गई।अभियान के तहत सभी मतदान केंद्रों पर बीएलओ की अध्यक्षता में बैठक आयोजित कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में बीएलओ, बीएलए-2, चुनाव पाठशाला के सदस्य एवं वॉलेंटियर शामिल हुए। बैठक के दौरान मतदाता सूची को अद्यतन एवं त्रुटिरहित बनाने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। इसके साथ ही एक माह तक चलने वाले घर-घर सर्वे अभियान का शुभारंभ किया गया। अभियान के दौरान बीएलओ एवं संबंधित कर्मी मतदाताओं के घर पहुंचकर मतदाता सूची का सत्यापन करेंगे और आवश्यक जानकारी एकत्र करेंगे। विशेष पुनरीक्षण अभियान के तहत नए मतदाताओं का नाम मतदाता सूची में जोड़ने, मतदाता विवरण में सुधार, नाम एवं पते में संशोधन, मृत एवं स्थानांतरित मतदाताओं के नामों का सत्यापन सहित अन्य जरूरी प्रक्रियाएं पूरी की जाएंगी। निर्वाचन विभाग का लक्ष्य मतदाता सूची को शुद्ध, पारदर्शी एवं पूरी तरह अद्यतन बनाना है। इस दौरान निर्वाचन विभाग ने क्षेत्र के सभी मतदाताओं से अपील की है कि वे अभियान में सक्रिय सहयोग करें और अपने मतदाता विवरण की जांच अवश्य कराएं। इससे आगामी चुनावों के लिए सही एवं त्रुटिरहित मतदाता सूची तैयार करने में मदद मिलेगी।

संक्षिप्त खबरें

रांची मंडल में सेवानिवृत्त रेल कर्मचारियों को भावभीनी विदाई, साइबर ठगी से बचाव के दिए गए टिप्स

रांची : दक्षिण पूर्व रेलवे के रांची मंडल द्वारा मंगलवार को हटिया स्थित डीआरएम कार्यालय सभागार में सेवानिवृत्त रेल कर्मचारियों के सम्मान में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में लंबे समय तक रेलवे की सेवा देने वाले कर्मचारियों के योगदान को याद करते हुए उन्हें सम्मानपूर्वक विदाई दी गई। अधिकारियों ने उनके समर्पण, अनुशासन और सेवा भावना की सराहना करते हुए उनके स्वस्थ, सुखद एवं सम्मानपूर्ण जीवन की कामना की।समारोह के दौरान सेवानिवृत्त कर्मचारियों को स्मृति-चिह्न एवं सम्मान प्रदान किए गए। अधिकारियों ने कहा कि रेलवे के विकास और यात्रियों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने में इन कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उनके अनुभव और कार्यनिष्ठा से वर्तमान कर्मचारियों को भी प्रेरणा मिलती रहेगी।कार्यक्रम में साइबर अपराधों की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए साइबर सुरक्षा पर विशेष जागरूकता सत्र का भी आयोजन किया गया। अधिकारियों ने बैंक खाते, एटीएम, ओटीपी, यूपीआई एवं सोशल मीडिया से जुड़े साइबर ठगी के विभिन्न तरीकों की जानकारी देते हुए सतर्क रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ बैंकिंग संबंधी जानकारी साझा न करें तथा किसी संदिग्ध कॉल, लिंक या संदेश पर बिना सत्यापन के कार्रवाई न करें। किसी भी प्रकार की साइबर ठगी होने पर तत्काल संबंधित बैंक एवं साइबर हेल्पलाइन पर सूचना देने की सलाह दी गई।इस अवसर पर अतिरिक्त मंडल रेल प्रबंधक हेमराज मीणा ,असिस्टेंट पर्सनल ऑफिसर (एपीओ) सहित रांची मंडल के कई वरिष्ठ रेलवे अधिकारी, कर्मचारी एवं सेवानिवृत्त रेलकर्मी उपस्थित रहे।

बांगुड़दा लैम्पस में किया गया पौध रोपण

पटमदा : सहकारी सप्ताह समारोह के तहत बांगुडदा लैम्पस में अध्यक्ष अश्वनी सिंह और सचिव जगदीश कुमार के नेतृत्व में वृक्षारोपण कार्यक्रम संपन्न हुआ। जानकारी देते हुए बांगुडदा लैम्पस सचिव जगदीश कुमार ने बताया कि विभाग के द्वारा 29 जून से 6 जुलाई तक चलाए जा रहे सहकारी सप्ताह समारोह के तहत बांगुडदा लैम्पस परिसर में सभी सदस्यों और ग्रामीणों की उपस्थिति में वृक्षारोपण कार्यक्रम कर पौधा लगाया गया। ताकि भीषण गर्मी में पेड़ लगाकर पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य को पूरा कर हरियाली लाने का संकल्प लिया गया। इस दौरान अध्यक्ष अश्वनी सिंह,सचिव जगदीश कुमार,राहुल कुमार,आशीष कुमार अबोध कालिंदी सहित कई लोग उपस्थित थे।

मंडल कारा साहेबगंज का न्यायाधीश ने किया निरीक्षण

साहिबगंज : झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निदेर्शानुसार एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहेबगंज अखिल कुमार ने मंडल कारा, साहेबगंज का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न बैरकों का दौरा कर बंदियों से संवाद किया और उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना। निरीक्षण के दौरान अखिल कुमार ने बंदियों से उनके स्वास्थ्य, इलाज, पेयजल, भोजन की व्यवस्था तथा मुकदमों में पैरवी के लिए अधिवक्ता की उपलब्धता से संबंधित जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि जिन बंदियों के वाद में जमानत या अपील दायर नहीं की गई है अथवा जो आर्थिक रूप से अधिवक्ता रखने में सक्षम नहीं हैं, उन्हें जिला विधिक सेवा प्राधिकार के माध्यम से निःशुल्क अधिवक्ता की सेवा प्रदान कर उचित कानूनी सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। स्वच्छता को प्राथमिकता देते हुए उन्होंने जेल परिसर, विशेषकर शौचालयों की साफ-सफाई को लेकर आवश्यक निर्देश दिए। बीमार बंदियों के लिए बेहतर चिकित्सा व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु कारा कर्मियों को विशेष दिशा-निर्देश भी प्रदान किए गए। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने महिला बैरक का भी निरीक्षण किया तथा महिला बंदियों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं को सुना। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पुस्तकालय, रसोईघर, भोजन की गुणवत्ता तथा जेल में उपलब्ध अन्य सुविधाओं का भी जायजा लिया। उन्होंने कहा कि जेल मैनुअल के तहत मिलने वाली सभी सुविधाएं बंदियों को उपलब्ध कराई जाएं तथा इसमें किसी प्रकार की कोताही नहीं बरती जानी चाहिए। इस अवसर पर अखिल कुमार ने बंदियों को संबोधित करते हुए कहा, ह्लआप सभी किसी न किसी अपराध के आरोप में जेल में हैं, लेकिन यह आपके जीवन का अंत नहीं है। आत्मचिंतन करें, अपने जीवन में सुधार लाएं और समाज में एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में लौटें।ह्व उन्होंने जेल प्रशासन को निर्देशित किया कि बंदियों को मानसिक एवं नैतिक सुधार की दिशा में प्रेरित किया जाए तथा समय-समय पर जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जाए, जिससे वे पुनः समाज की मुख्यधारा से जुड़ सकें। निरीक्षण के दौरान जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहेबगंज के सचिव विश्वनाथ भगत, चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल अरविंद गोयल व उनकी टीम तथा अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

6 जुलाई को चेपाखुर्द मैदान में होगा विशाल जनसभा कई मंत्री विधायक होंगे शामिल

बड़कागांव : 6 जुलाई को चेपाखुर्द में विस्थापन एवं 2013 जमीन अधिग्रहण मामले को लेकर विशाल जनसभा का आयोजन किया जाएगा। उक्त की जानकारी पूर्व कृषि मंत्री योगेंद्र साहू ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दिया है। उन्होंने संबोधन में कहा कि कंपनी करोड रुपए से भी अधिक की जमीन ओने पौने दाम में जमीन अधिग्रहण कर रही है। जो सीधा किसानों पर शोषण है। हमारी मांग है की कंपनी से 2013 भूमि अधिग्रहण नियम के तहत किसानों को मुआवजा मिले। इसके अलावा कट ऑफ डेट मैं भी सुधार की आवश्यकता है। ताकि संपूर्ण लाभ किसानों को मिल सके। आगे श्री साव ने कहा कि किसानों की स्थिति को मजबूत करने के लिए 2013 भूमि अधिग्रहण नियम कानून अति आवश्यक है। 6 जुलाई को कंपनी के खिलाफ चेपाखुर्द गांव में विशाल जनसभा का आयोजन किया जाएगा। जिसमें मुख्य अतिथि झारखंड प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी के राजू, झारखंड प्रदेश के मंत्री राधा कृष्ण किशोर, इरफान अंसारी, विधायक अंबा प्रसाद के अलावा कई इंडिया गठबंधन के कई विधायक वरिष्ठ नेता शामिल होंगे। मौके पर मुख्य रूप से झारखंड के पूर्व कृषि मंत्री योगेंद्र साव, पूर्व कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष विशेश्वर नाथ चौबे, कांग्रेस सलाहकार तारिक हुसैन उर्फ बाबर, पदुम साव, धनु साव, ढुभन साव सहित दर्जनों लोग उपस्थित थे।

अमानत में खयानत! आगे की राह क्या हो?

पुण्य नगरी अयोध्या में प्रभु श्रीराम के नवनिर्मित भव्य मंदिर में चढ़ावे और दान के हिसाब-किताब की व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल उठ रहे हैं और व्यवस्था में कई खामियाँ नजर आ रही हैं। पवित्र सरयू नदी के तट स्थित यह अवधपुरी विगत दिनों से कई तरह के आरोप-प्रत्यारोप के बीच चर्चा में बनी हुई है। हम सबको याद है कि लंबी कानूनी लड़ाई के बाद मंदिर निर्माण का रास्ता साफ हुआ था। विगत वर्षों में अयोध्या धाम के जीर्णोद्धार के बाद वहाँ देश के विभिन्न भागों से अपार संख्या में श्रद्धालुओं और भक्तों का आना-जाना शुरू हुआ और वहाँ लोगों का जमावड़ा लगातार बना रहता है। विश्व के प्रसिद्ध धार्मिक स्थलों पर श्रद्धालुओं की इतनी संख्या में आना कीर्तिमान बना रहा है। इन सबके बीच अयोध्या का परिवेश निश्चित ही बदल रहा है और वहाँ की व्यवस्था में सुधार भी हो रहा है। आज पर्यटन और धार्मिक स्थलों पर आयोजनों के साथ अयोध्या के पूरे क्षेत्र की भौगोलिक और सामाजिक पारिस्थितिकी नया रूप ले रही है। ऐसे में पौराणिक नगरी अयोध्या राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मानचित्र पर नई पहचान बनाने को उद्यत है। यह क्षेत्र निश्चित ही अब देश में आर्थिक, आध्यात्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक महत्व के कार्यकलापों के अभिनव केंद्र के रूप में उभर रहा है। ऐसे में यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना है कि राममंदिर की देखरेख की प्रबंध व्यवस्था संतोषजनक नहीं है। उसे लेकर ताजा घटनाक्रम रामभक्तों के लिए चिंताजनक हो रहे हैं। साथ ही उसे लेकर सियासी पारा भी गर्म हो रहा है। राममंदिर की व्यवस्था को लेकर लगा आरोप न केवल बेहद संगीन है बल्कि सबके लिए शर्मनाक भी। आरोप में कहा गया है कि मंदिर में आने वाले भक्तों द्वारा जो चढ़ावा प्रभु के श्रीचरणों में श्रद्धा भाव से अर्पित होता रहा है, उसे संभालने वाले ट्रस्ट द्वारा नियुक्त कर्मी आवश्यक ईमानदारी से अपना काम नहीं कर रहे थे। वे चढ़ावे को न सुरक्षित रख पा रहे थे बल्कि उसमें अपनी मर्जी से लगातार हेराफेरी भी करते आ रहे थे। इन लोगों पर चढ़ावे में आने वाली एकत्रित धनराशि को व्यवस्थित करने यानी गिनने, रखने आदि के बीच मौजूद राशि में से कुछ राशि गायब कर देने का आरोप भी लगा है। चढ़ावे में मिली नगदी की गिनती और उसकी निगरानी व्यवस्था बहुत लचर थी और उसमें खामियां पाई गईं। दान आने के बाद जो धनराशि की गिनती करते थे उनके मंदिर प्रवेश और मंदिर से बाहर जाने पर कोई सघन निगरानी की व्यवस्था नहीं थी। इन लोगों के इस काम के लिए पात्रता और चयन प्रक्रिया को लेकर भी सवाल उठाए गए हैं। साथ ही भक्तों द्वारा भगवान की सेवा में अर्पित सोने-चाँदी के आभूषण आदि तथा अन्य बहुमूल्य भेंट को भी गायब करने के आरोप लग रहे हैं। बेईमानी और घूसखोरी के किस्से कई पुलिस और कोर्ट-कचहरी जैसे सरकारी जगहों और महकमों में चलते आ रहे हैं। आम आदमी उनसे सुपरिचित हैं। परंतु देवस्थान बड़े पवित्र होते हैं, उनकी मर्यादा होती है और बहुत से लोग लाचार होकर ईश्वर की शरण में आते हैं। वे अपना प्रणाम निवेदित कराते हैं और यथाशक्ति दान-दक्षिणा अर्पित करते हैं। उनकी आस्था और श्रद्धा के साथ इस तरह से खिलवाड़ अमानवीय अपराध है। राममंदिर के बही-खाते और लेनदेन की पारदर्शिता मंदिर ट्रस्ट की व्यवस्था और सरकार दोनों की साख को सुरक्षित रखने के लिए अत्यंत आवश्यक है। आश्चर्य की बात यह है कि अयोध्या के राममंदिर परिसर से जुड़ी इस तरह की खबर पहले भी यदाकदा आती थी परंतु उस पर किसी ने कभी कोई ध्यान नहीं दिया और सारी व्यवस्था ज्यों-कि-त्यों चलती रही। ट्रस्ट के प्रबंधन पर सबका भरोसा था पर वास्तविकता कुछ और थी। जो मानक पद्धति या एसओपी तय थी, उसका पालन नहीं हो रहा था, न ही उसकी उपयुक्तता सुनिश्चित की गई थी। जो लोग काम पर लगे थे वे प्रशिक्षित न होकर कुछ लोगों की संस्तुति पर लगे थे। वहाँ प्रचलित व्यवस्था में कोई सुधार नहीं किया गया और सबकुछ ज्यों-का-त्यों पूर्ववत चलता रहा। तूल पड़ने पर इस मामले में करोड़ों का घोटाला करने के आरोपों में प्रथम दृष्टया सच्चाई भांप कर तत्काल कानूनी कारवाई करने और अपराधियों को दंडित करने के लिए राज्य सरकार ने जाँच बिठाने का निर्णय लिया।

संतुलित कूटनीति से उभरता भारत का वैश्विक नेतृत्व

ललित गर्ग

भारत की विदेश नीति की सबसे बड़ी विशेषता उसकी संतुलित, स्वतंत्र और दूरदर्शी सोच रही है। विश्व राजनीति के बदलते परिदृश्य, महाशक्तियों के बीच बढ़ती प्रतिस्पर्धा, क्षेत्रीय संघर्षों और वैश्विक अस्थिरताओं के दौर में भारत ने जिस परिपक्वता और विवेक का परिचय दिया है, उसने उसे विश्व मंच पर एक विश्वसनीय, जिम्मेदार और प्रभावशाली राष्ट्र के रूप में स्थापित किया है। ईरान के पूर्व सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई के निधन के उपरांत उनके अंतिम संस्कार में भारत की ओर से उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल को भेजने का निर्णय भी इसी संतुलित और व्यावहारिक विदेश नीति का परिचायक है। यह केवल एक राजनयिक औपचारिकता नहीं, बल्कि भारत और ईरान के बीच सदियों पुराने सांस्कृतिक, सभ्यतागत एवं रणनीतिक संबंधों के प्रति सम्मान और प्रतिबद्धता का प्रतीक है। भारत की ओर से विदेश राज्य मंत्री पवित्रा मार्गेरिटा तथा बिहार के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) सैयद अता हसनैन के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल का तेहरान जाना यह स्पष्ट करता है कि भारत अपने मित्र देशों के साथ संबंधों को केवल सामरिक दृष्टि से नहीं, बल्कि मानवीय संवेदनाओं के आधार पर भी देखता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी स्वयं इस अवसर पर उपस्थित नहीं हो सके, क्योंकि उनके पूर्व निर्धारित कार्यक्रम थे, किंतु भारत की गरिमापूर्ण उपस्थिति ने यह संदेश अवश्य दिया कि भारत अपने मित्र देशों के सुख-दुःख में सहभागी बनने की परंपरा का निर्वाह करता है।

वास्तव में भारत के सामने सबसे बड़ी चुनौती विभिन्न वैश्विक शक्तियों के बीच संतुलन बनाए रखने की रही है। आज भारत के अमेरिका, रूस, इजरायल, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, यूरोप, जापान और आसियान देशों के साथ मजबूत रणनीतिक एवं आर्थिक संबंध हैं। दूसरी ओर ईरान के साथ भी उसके ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और ऊर्जा संबंध अत्यंत महत्वपूर्ण रहे हैं। ऐसे में किसी एक पक्ष के साथ अत्यधिक निकटता दूसरे पक्ष के साथ संबंधों को प्रभावित कर सकती है। किंतु भारत ने सदैव यह सिद्ध किया है कि वह अपने राष्ट्रीय हितों के अनुरूप स्वतंत्र विदेश नीति का अनुसरण करता है। ईरान से जुड़े हालिया घटनाक्रमों पर भारत की प्रतिक्रिया भी अत्यंत संतुलित रही। भारत ने ईरानी दूतावास जाकर शोक संवेदना व्यक्त की, किंतु किसी प्रकार के अंतरराष्ट्रीय आरोप-प्रत्यारोप में स्वयं को शामिल नहीं किया। भारत ने न तो अमेरिका की आलोचना की और न ही इजरायल के विरुद्ध कोई आक्रामक टिप्पणी की। यह वही कूटनीतिक परिपक्वता है, जिसने भारत को वैश्विक राजनीति में एक जिम्मेदार शक्ति के रूप में स्थापित किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत की विदेश नीति का मूल आधार "राष्ट्रहित सर्वोपरि" रहा है। इसी कारण भारत ने किसी भी अंतरराष्ट्रीय दबाव के बजाय अपने राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता दी है।

रूस-यूक्रेन युद्ध इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। पश्चिमी देशों के दबाव के बावजूद भारत ने रूस से तेल खरीदना जारी रखा, क्योंकि वह देश की ऊर्जा सुरक्षा के लिए आवश्यक था। साथ ही भारत ने अमेरिका और यूरोपीय देशों के साथ अपने संबंधों को भी मजबूत बनाए रखा। यह संतुलन साधना आसान नहीं था, किंतु भारत ने इसे सफलतापूर्वक निभाया। यही कारण है कि आज भारत को किसी गुट विशेष का सदस्य नहीं, बल्कि एक स्वतंत्र वैशिक शक्ति के रूप में देखा जाता है। भारत और ईरान के संबंध हजारों वर्षों पुराने हैं। दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक, भाषाई, साहित्यिक और व्यापारिक संबंधों का समृद्ध इतिहास रहा है। फारसी भाषा और संस्कृति का भारतीय सभ्यता पर गहरा प्रभाव रहा है। मुगल काल से लेकर आधुनिक युग तक दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान निरंतर चलता रहा है। आर्थिक दृष्टि से भी ईरान भारत के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। भारत लंबे समय तक अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति ईरान से करता रहा है। अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण भारत को कुछ समय के लिए ईरान से तेल आयात रोकना पड़ा, लेकिन इसके बावजूद दोनों देशों के संबंधों में कोई स्थायी कटुता नहीं आई।

चाबहार बंदरगाह परियोजना भारत और ईरान के रणनीतिक संबंधों का एक महत्वपूर्ण आयाम है। यह परियोजना भारत को अफगानिस्तान और मध्य एशिया तक पहुंच प्रदान करती है तथा पाकिस्तान को दरकिनार करते हुए क्षेत्रीय संपर्क और व्यापार के नए अवसर उपलब्ध कराती है। ऐसे समय में जब चीन "बेल्ट एंड रोड" परियोजना के माध्यम से अपने प्रभाव का विस्तार कर रहा है, चाबहार भारत के लिए सामरिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत की विदेश नीति ने पिछले एक दशक में अनेक उल्लेखनीय उपलब्धियां अर्जित की हैं। भारत ने अमेरिका के साथ रक्षा, तकनीक और निवेश के क्षेत्र में अभूतपूर्व सहयोग विकसित किया है। इजरायल के साथ कृषि, रक्षा और नवाचार के क्षेत्र में नई साझेदारियां स्थापित हुई हैं। संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब के साथ भारत के आर्थिक एवं रणनीतिक संबंध नई ऊंचाइयों तक पहुंचे हैं। रूस के साथ परंपरागत मित्रता को भी भारत ने मजबूती प्रदान की है। यही नहीं, यूरोप, अफ्रीका और दक्षिण-पूर्व एशिया के देशों के साथ भी भारत ने अपने संबंधों को नई दिशा दी है। जी-20 की अध्यक्षता के दौरान भारत ने जिस कुशलता और नेतृत्व क्षमता का प्रदर्शन किया, उसने विश्व समुदाय को प्रभावित किया। "वसुधैव कुटुम्बकम" की भावना के साथ भारत ने वैश्विक दक्षिण की आवाज को मुखर किया। अफ्रीकी संघ को जी-20 की स्थायी सदस्यता दिलाने में भारत की भूमिका ऐतिहासिक रही। इससे यह स्पष्ट हुआ कि भारत केवल अपने हितों तक सीमित नहीं है, बल्कि वह विकासशील देशों की आकांक्षाओं का भी प्रतिनिधित्व करता है। भारत की विदेश नीति का एक महत्वपूर्ण पक्ष उसकी पड़ोसी नीति भी है। भारत ने सदैव "पड़ोसी प्रथम" की नीति को अपनाया है। अफगानिस्तान में तालिबान शासन आने के बाद भी भारत ने वहां की जनता को मानवीय सहायता उपलब्ध कराई। भारत ने अनाज, दवाइयां और अन्य आवश्यक सामग्री भेजकर यह संदेश दिया कि उसका संबंध केवल सरकारों से नहीं, बल्कि वहां की जनता से भी है। कोविड-19 महामारी के दौरान "वैक्सीन मैत्री" अभियान के माध्यम से भारत ने अनेक देशों को टीके उपलब्ध कराए। श्रीलंका जब आर्थिक संकट से जूझ रहा था, तब भारत ने उसे खाद्यान्न, ईंधन, दवाइयां और आर्थिक सहायता प्रदान की। नेपाल, भूटान, मालदीव और बांग्लादेश को भी भारत ने समय-समय पर हरसंभव सहयोग दिया है। यही कारण है कि भारत आज क्षेत्रीय स्थिरता और विकास का प्रमुख आधार बनकर उभरा है। इसके विपरीत, पाकिस्तान लंबे समय से भारत विरोधी दुष्प्रचार और षड्यंत्रों की नीति अपनाता रहा है। अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच उत्पन्न तनावों तथा हिंसक घटनाओं के लिए भी पाकिस्तान समय-समय पर भारत को दोषी ठहराने का प्रयास करता रहा है। यह उसकी पुरानी रणनीति का हिस्सा है, जिसके माध्यम से वह अपने आंतरिक संकटों और असफलताओं से ध्यान हटाना चाहता है। वास्तविकता यह है कि भारत ने सदैव क्षेत्रीय शांति, स्थिरता और विकास का समर्थन किया है। भारत ने कभी भी किसी पड़ोसी देश के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप की नीति नहीं अपनाई। इसके विपरीत, उसने मानवीय सहायता, विकास परियोजनाओं और लोकतांत्रिक मूल्यों को बढ़ावा देने का प्रयास किया है। पाकिस्तान के निराधार आरोपों के बावजूद अंतरराष्ट्रीय समुदाय भारत को एक जिम्मेदार और विश्वसनीय राष्ट्र के रूप में देखता है। आतंकवाद के विरुद्ध भारत की स्पष्ट नीति और शांति के प्रति उसकी प्रतिबद्धता ने उसकी वैश्विक प्रतिष्ठा को और मजबूत किया है। यही कारण है कि आज विश्व के अधिकांश देश भारत को स्थिरता, विकास और सहयोग के एक भरोसेमंद साझेदार के रूप में स्वीकार कर रहे हैं।

प्लास्टिक सुविधा है, लेकिन अमूल्य जीवन से ज्यादा महत्वपूर्ण नहीं

डॉ. प्रितम भि. गेडाम

प्रकृति और समस्त जीव-जगत एक-दूसरे के पूरक हैं। मानव ने अपनी बुद्धिमत्ता, शोध और तकनीकी विकास के बल पर जीवन को अधिक सुविधाजनक बनाने के लिए अनेक उपयोगी वस्तुओं का निर्माण किया। इन आविष्कारों ने जीवन को आसान तो बनाया, लेकिन बढ़ती भौतिक इच्छाओं और स्वार्थ ने मानव को प्रकृति का अंधाधुंध दोहन करने के लिए भी प्रेरित किया। परिणामस्वरूप जिन साधनों को सुविधा का माध्यम समझा गया था, वही आज मानव और पर्यावरण के लिए गंभीर संकट बन चुके हैं। प्लास्टिक इसका सबसे बड़ा उदाहरण हैं। आज स्थिति इतनी चिंताजनक हो चुकी है कि हमें मरने के लिए किसी हथियार की आवश्यकता नहीं रह गई हैं। हमारे द्वारा फैलाया गया प्रदूषण, मिलावट, प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक दोहन और प्लास्टिक का अनियंत्रित उपयोग ही अनेक गंभीर बीमारियों द्वारा अकाल मृत्यु दे रहा हैं। प्लास्टिक ने केवल पर्यावरण को ही नहीं, बल्कि मानव स्वास्थ्य को भी गहराई से प्रभावित किया हैं।

प्लास्टिक की सबसे बड़ी समस्या यह है कि यह प्राकृतिक रूप से बहुत लंबे समय तक नष्ट नहीं होता। एक बार उपयोग के बाद यह सैकड़ों नहीं बल्कि लगभग हजार वर्षों तक पर्यावरण में बना रह सकता हैं। समय के साथ यह टूटकर माइक्रोप्लास्टिक और नैनोप्लास्टिक में बदल जाता है, जो मिट्टी, जल और वायु के माध्यम से पूरी खाद्य श्रृंखला में प्रवेश कर जाते हैं। वैज्ञानिक अध्ययनों में मानव के मस्तिष्क, रक्त, फेफड़ों, गर्भस्थ शिशु तथा विभिन्न जीवों के शरीर में भी प्लास्टिक के सूक्ष्म कण मिलने की पुष्टि हुई हैं। यह स्थिति भविष्य के लिए अत्यंत गंभीर चेतावनी हैं। हम प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से प्रतिदिन प्लास्टिक के सूक्ष्म कण भोजन और पानी के साथ शरीर में पहुँचा रहे हैं। प्लास्टिक का कचरा पचाया नहीं जा सकता। पशु-पक्षी अक्सर प्लास्टिक की थैलियाँ और अन्य प्लास्टिक सामग्री निगल लेते हैं, जिससे उनकी मृत्यु तक हो जाती हैं। नदियाँ, समुद्र और जंगल भी प्लास्टिक प्रदूषण से लगातार प्रभावित हो रहे हैं। प्लास्टिक जलाने पर निकलने वाली विषैली गैसें वायु प्रदूषण बढ़ाती है, जबकि भूमि में पड़े प्लास्टिक से निकलने वाली गैसें जलवायु परिवर्तन और जैव विविधता के लिए खतरा बनती हैं।

प्लास्टिक में मौजूद रासायनिक तत्व हार्मोन असंतुलन, प्रजनन संबंधी समस्याएँ, हृदय रोग, थायरॉइड विकार, मधुमेह, श्वसन रोग तथा कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों का जोखिम बढ़ाते हैं। प्लास्टिक उद्योग में कार्य करने वाले लोगों में फेफड़ों की बीमारियों की संभावना भी अधिक पाई गई हैं। इसलिए प्लास्टिक प्रदूषण अब केवल पर्यावरणीय समस्या नहीं, बल्कि वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट का रूप ले चुका हैं। प्रत्येक वर्ष 3 जुलाई को पूरी दुनिया में "अंतर्राष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्त दिवस" मनाया जाता हैं। इस दिवस का उद्देश्य लोगों को एकल-उपयोग प्लास्टिक बैग के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना तथा पर्यावरण-अनुकूल विकल्पों को अपनाने के लिए प्रेरित करना हैं। यह केवल एक प्रतीकात्मक दिवस नहीं, बल्कि पृथ्वी, पर्यावरण और आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित रखने का वैश्विक अभियान हैं। यदि आज प्लास्टिक पर हमारी निर्भरता कम नहीं हुई, तो भविष्य में इसके दुष्परिणाम और भी भयावह हो सकते हैं। भारत में हर वर्ष लगभग 5.5 मिलियन टन सिंगल-यूज प्लास्टिक कचरा उत्पन्न होता हैं। औसतन एक भारतीय नागरिक वर्षभर में लगभग 11 किलोग्राम प्लास्टिक का उपयोग करता है, जिसमें कैरी बैग, पैकेजिंग सामग्री तथा अन्य दैनिक उपयोग की वस्तुएं शामिल हैं। इनमें से लगभग 4 किलोग्राम केवल सिंगल-यूज प्लास्टिक का होता हैं। देश में उत्पन्न होने वाले लगभग 9.3 मिलियन टन प्लास्टिक कचरे में 43 प्रतिशत से अधिक हिस्सा सिंगल-यूज प्लास्टिक का हैं। चिंताजनक बात यह है कि लगभग 19 प्रतिशत प्लास्टिक कचरा एकत्र ही नहीं हो पाता और वह खुले वातावरण में फैलकर मिट्टी, जलस्रोतों और जीव-जंतुओं को नुकसान पहुँचाता हैं। चीन और अमेरिका के बाद भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा सिंगल-यूज प्लास्टिक कचरा उत्पादक देश हैं। यद्यपि केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा कई नियम लागू किए गए हैं, फिर भी अनेक स्थानों पर प्रतिबंधित प्लास्टिक का उपयोग आज भी जारी हैं। महाराष्ट्र दक्षिण एशिया में सर्वाधिक म्युनिसिपल ठोस कचरा उत्पन्न करने वाला राज्य बन चुका हैं। वहीं, समुद्री तटों और पर्यटन स्थलों के लिए प्रसिद्ध केरल में भी प्रतिवर्ष 1,30,000 टन से अधिक प्लास्टिक कचरा उत्पन्न होता है, जिसमें से केवल लगभग 3 प्रतिशत का ही पुनर्चक्रण हो पाता हैं।

हमारे देश की सबसे बड़ी समस्याओं में से एक है पर्यावरण के प्रति बढ़ती लापरवाही और बेफिक्री। बहुत कम लोग किसी विषय की पूरी जानकारी प्राप्त करने का प्रयास करते है, जबकि अधिकांश लोग बिना सोचे-समझे दूसरों का अनुसरण करते रहते हैं। जब व्यक्तिगत सुविधा को सामाजिक और पर्यावरणीय हित से अधिक महत्व दिया जाता है, तब उसके दुष्परिणाम पूरे समाज और आने वाली पीढ़ियों को भुगतने पड़ते है, प्लास्टिक प्रदूषण इसका सबसे बड़ा उदाहरण हैं। आज भी प्रतिबंध लागू होने के बावजूद बाजारों में प्लास्टिक की थैलियों का खुलेआम उपयोग किया जा रहा हैं। कई बार दुकानदार मना करते हैं, फिर भी ग्राहक स्वयं प्लास्टिक बैग की मांग करते हैं। यही स्थिति अन्य प्रतिबंधित प्लास्टिक वस्तुओं की भी हैं। यह केवल नियमों की अनदेखी नहीं, बल्कि पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य के प्रति हमारी गैर-जिम्मेदार सोच को भी दशार्ती हैं। इसी प्रकार सड़क किनारे कचरा फेंकने की आदत भी धीरे-धीरे बड़े कूड़े के ढेर में बदल जाती हैं। जब किसी को ऐसा करने से रोका जाता है, तो कई बार विवाद की स्थिति तक उत्पन्न हो जाती हैं।

पहले गंभीर बीमारियाँ मुख्यतः नशे या गलत जीवनशैली के कारण होती थीं, लेकिन अब प्रदूषण और पर्यावरणीय लापरवाही के कारण छोटे बच्चे, स्वस्थ व्यक्ति और नशामुक्त लोग भी गंभीर रोगों का शिकार बन रहे हैं। दुधारू पशु प्लास्टिक की थैलियाँ निगल लेते हैं, समुद्री जीव प्लास्टिक कचरे में फँस जाते हैं और पक्षी भी प्लास्टिक को भोजन समझकर खा लेते हैं। इसके बाद इन्हीं पशुओं का दूध, मांस या अन्य उत्पाद मानव के भोजन का हिस्सा बनते है, जिससे प्लास्टिक के सूक्ष्म कण हमारी खाद्य श्रृंखला में प्रवेश कर जाते हैं। आज बाजार में लगभग हर प्रकार के प्लास्टिक के बर्तन उपलब्ध हैं। विशेष रूप से गर्म भोजन और गर्म पेय पदार्थों के लिए प्लास्टिक का उपयोग स्वास्थ्य के लिए अत्यंत हानिकारक माना जाता है, क्योंकि प्लास्टिक में मौजूद हानिकारक रसायन भोजन में मिल सकते हैं। यही कारण है कि कैंसर सहित अनेक गंभीर रोगों के मामलों में लगातार वृद्धि चिंता का विषय बनती जा रही है, आज देश में हर गली-मोहल्ले, रिश्तेदारों, पहचान में कैंसर के रोगी देखने मिल रहे हैं।

यदि हमें अपने देश, समाज और पर्यावरण को सुरक्षित बनाना है, तो परिवर्तन की शुरूआत स्वयं से करनी होगी। पर्यावरण संरक्षण केवल सरकार या किसी संस्था की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का नैतिक कर्तव्य हैं। कपड़े या जूट के थैलों का उपयोग करना, एकल-उपयोग प्लास्टिक से बचना, कचरे का सही निपटान करना और पर्यावरण संबंधी कानूनों का पालन करना हमारी दैनिक आदत का हिस्सा बनना चाहिए। प्रकृति हमें शुद्ध वायु, स्वच्छ जल और जीवन के लिए आवश्यक सभी संसाधन निःशुल्क प्रदान करती हैं। इसलिए उनका संरक्षण करना भी हमारा दायित्व हैं। यदि आज हम जागरूक नहीं हुए, तो आने वाली पीढ़ियों को इसका भारी मूल्य चुकाना पड़ेगा। प्लास्टिक केवल सुविधा का साधन है, लेकिन मानव जीवन और पर्यावरण उससे कहीं अधिक मूल्यवान हैं। जीवन एक बार मिलता है, मोल समझें। प्रदूषण द्वारा अपने साथ दूसरों की भी जिंदगी के लिए खतरा पैदा करना अनुचित है, संगीन अपराध हैं। इसलिए आइए, अंतर्राष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्त दिवस के अवसर पर हम सभी यह संकल्प लें कि प्लास्टिक पर अपनी निर्भरता कम करेंगे, पर्यावरण-अनुकूल विकल्प अपनाएँगे और एक स्वच्छ, स्वस्थ तथा सुरक्षित भविष्य के निर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाएँगे।

सूडोकु नवताल- 7842

✶✫✫✫✫ सरल

3				8				9
		8	6		9	5		
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
		6	4		5	8		
9				1				7

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7841 का हल

8	2	4		9	7	5	1	6
3	5	6	1	4	2	7	8	9
1	9	7	6	5	8	2	3	4
9	6	2	5	8	3	1	4	7
5	3	1	4	7	9	8	6	2
4	7	8	2	1	6	9	5	3
2	8	3	9	6	1	4	7	5
6	1	5	7	2	4	3	9	8
7	4	9	8	3	5	6	2	1

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के लिए आगे आएं होनहार बच्चे

डॉ. निवेदिता शर्मा

भारत प्रतिभाओं की धरती है। यहां के गांवों, कस्बों और शहरों में ऐसे हजारों बच्चे हैं, जो अपनी उम्र से कहीं आगे बढ़कर समाज, पर्यावरण, विज्ञान, खेल, कला और संस्कृति के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रहे हैं। कोई कठिन परिस्थितियों में भी पढ़ाई जारी रखते हुए वैज्ञानिक सोच के साथ नवाचार कर रहा है, कोई जल और जंगल बचाने का अभियान चला रहा है, कोई राष्ट्रीय स्तर पर खेलों में नाम रोशन कर रहा है, तो कोई अपनी संवेदनशीलता और साहस से समाज के लिए मिसाल बन रहा है। स्वभाविक है इस कार्य को मध्य प्रदेश के हमारे अपने अनेकों बच्चे भी कर रहे हैं, किंतु दुर्भाग्य यह है कि इनमें से अनेक बच्चों की प्रेरक कहानियां स्थानीय स्तर तक ही सीमित रह जाती हैं।

वास्तव में ऐसे बच्चों को राष्ट्रीय पहचान दिलाने के उद्देश्य से प्रदेश के बच्चों, अभिभावकों, शिक्षकों, सामाजिक संस्थाओं और जनप्रतिनिधियों से "प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार" के लिए अधिक से अधिक नामांकन भेजने का आह्वान किया गया है। यह पुरस्कार उस सोच का सम्मान है, जो यह सिद्ध करती है कि परिवर्तन लाने के लिए बड़ी उम्र नहीं, बड़ा संकल्प चाहिए। यदि इच्छाशक्ति मजबूत हो तो छोटी उम्र में भी असाधारण उपलब्धियां हासिल की जा सकती हैं।

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार भारत का सर्वोच्च राष्ट्रीय सम्मान है, जो पांच से 18 वर्ष आयु वर्ग के उन बच्चों को प्रदान किया जाता है, जिन्होंने असाधारण धैर्य, साहस, सृजनात्मकता और अदम्य जज्बे का परिचय दिया हो। प्रत्येक वर्ष नई दिल्ली में आयोजित विशेष समारोह में भ राष्ट्रपति इन प्रतिभाशाली बच्चों को सम्मानित करते हैं। पुरस्कार छह श्रेणियों, जिसमें बहादुरी, समाज सेवा, पर्यावरण, खेल, कला एवं संस्कृति तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी शामिल हैं, में प्रत्येक वर्ष 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस के अवसर पर किया जाता है।

यह दिवस दसवें सिख गुरु गुरु गोबिंद सिंह जी के साहिबजादों, साहिबजादा जोरावर सिंह और साहिबजादा फतेह सिंह के अद्वितीय बलिदान और नैतिक साहस की स्मृतियों को याद करने के लिए है। मात्र नौ और सात वर्ष की आयु में अपने सिद्धांतों और आस्था से समझौता न करने वाले इन वीर बालकों का जीवन आज भी बच्चों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार उसी अमर परंपरा को वर्तमान पीढ़ी की उपलब्धियों से जोड़ने का माध्यम है, जहां साहस, सेवा, समर्पण और उत्कृष्टता को राष्ट्र का सर्वोच्च सम्मान प्राप्त होता है।

वर्ष 2019 में इस पुरस्कार की नई व्यवस्था लागू होने के बाद से अब तक देशभर के 203 बच्चों को सम्मानित किया जा चुका है। इन बच्चों की उपलब्धियां विविध क्षेत्रों में रही हैं। किसी ने बाढ़ या आग जैसी आपदा में लोगों की जान बचाई, किसी ने वैज्ञानिक उपकरण विकसित किए, किसी ने दिव्यांगजनों के लिए उपयोगी तकनीक बनाई, किसी ने पर्यावरण संरक्षण के लिए हजारों लोगों को जागरूक किया, तो किसी ने खेल या कला के क्षेत्र में भारत का गौरव बढ़ाया। इन प्रेरक कहानियों ने यह साबित किया है कि प्रतिभा किसी बड़े शहर, संसाधन या आर्थिक स्थिति की मोहताज नहीं होती।

मध्य प्रदेश में भी ऐसी प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। जनजाति अंचलों से लेकर नगर, महानगरों तक अनेक बच्चे अपनी मेहनत और रचनात्मकता से नई पहचान बना रहे हैं। अलग-अलग दिशा में हमारे बच्चे महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। अब ऐसे बच्चों के कार्यों को राष्ट्रीय पहचान दिलाने के लिए आवश्यक है कि समय रहते उनका नामांकन किया जाए।

अब जिन छह श्रेणियों में यह पुरस्कार दिया जाता है, उनमें अपने जीवन की परवाह किए बिना दूसरों की सहायता की हो या संकट की घड़ी में अद्वितीय साहस और सूझबूझ का परिचय दिया हो, उसे बहादुरी के अंतर्गत सम्मान ये सम्मान मिलता है। समाज सेवा श्रेणी उन बच्चों के लिए है जिन्होंने समाज के कमजोर वर्गों, महिलाओं, बच्चों या समुदाय के हित में प्रेरणादायी कार्य किए हों। पर्यावरण श्रेणी में प्रकृति संरक्षण, जैव विविधता, जल संरक्षण, स्वच्छता और जलवायु संबंधी प्रयासों को महत्व दिया जाता है। खेल श्रेणी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों के लिए है। कला एवं संस्कृति में संगीत, नृत्य, चित्रकला, लोककला, रंगमंच और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण में योगदान देने वाले बच्चों को सम्मानित किया जाता है, जबकि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी श्रेणी में ऐसे नवाचारों को मान्यता दी जाती है, जिनसे समाज की वास्तविक समस्याओं का समाधान हुआ हो या लोगों के जीवन को बेहतर बनाने में मदद मिली हो। इस पुरस्कार की सबसे महत्वपूर्ण और अच्छी बात यह है कि इसके लिए किसी भी योग्य बच्चे का नामांकन उसके माता-पिता, शिक्षक, सामाजिक संस्था, जनप्रतिनिधि, जिला प्रशासन या कोई भी जिम्मेदार नागरिक कर सकता है। इतना ही नहीं, यदि कोई बच्चा स्वयं को पात्र मानता है, तो वह स्व-नामांकन भी कर सकता है। यह व्यवस्था सुनिश्चित करती है कि किसी प्रतिभाशाली बच्चे की उपलब्धि सिर्फ जानकारी के अभाव में छूटना नहीं चाहिए।

पात्रता की दृष्टि से आवेदक भारतीय नागरिक और भारत का निवासी होना चाहिए। 31 जुलाई 2026 को उसकी आयु 5 से 18 वर्ष के बीच होनी चाहिए तथा उपलब्धि या कार्य पिछले दो वर्षों के भीतर का होना चाहिए। आवेदन के साथ निर्धारित दस्तावेज, हाल का फोटो तथा उपलब्धि का संक्षिप्त विवरण नामांकन की अंतिम तिथि से पहले ऑनलाइन पोर्टल https://awards.gov.in पर जमा करना होगा।

दैनिक पंचांग

1 जुलाई 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	कर्क	06.30 बजे से
चंद्र	धनु में	सिंह	08.46 बजे से
मंगल	वृष में	कन्या	10.58 बजे से
बुध	कर्क में	तुला	13.08 बजे से
गुरु	कर्क में	वृश्चिक	15.23 ब.से
शुक्र	कर्क में	धनु	17.39 बजे से
शनि	मीन में	मकर	19.44 बजे से
राहु	कुंभ में	कुंभ	21.31 बजे से
केतु	सिंह में	मीन	23.04 बजे से
राहुकाल		मेष	00.34 बजे से
12.00 से 1.30		वृष	02.14 बजे से
बजे तक		मिथुन	04.12 बजे से

बुधवार 2026 वर्ष का 182 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2083
शक संवत् 1948
मास आषाढ़ (दक्षिण भारत में ज्येष्ठ)
पक्ष कृष्ण **तिथि** प्रतिपदा 07.39 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** पूर्वाषाढ़ा 06.52 बजे को समाप्त। **योग** इन्द्र 16.05 बजे को समाप्त। **करण** कौलव 07.39 बजे तदनन्तर तैतिल 20.40 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 15.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 23° 07'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872757
जूलियन दिन 2461222.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना मोहर्रम **तारीख** 15
विशेष डॉक्टर्स एवं सी.ए. दिवस।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	05.54 से 07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से 07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से 08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से 08.44 बजे तक
काल	08.15 से 10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से 10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से 11.47 बजे तक	चर	10.16 से 11.47 बजे तक
रोग	11.47 से 01.16 बजे तक	रोग	11.47 से 01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से 02.44 बजे तक	काल	01.19 से 02.51 बजे तक
चर	02.44 से 04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से 04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से 05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से 05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

एक नजर

11 हजार वोल्ट का तार टूटकर खेत में गिरा, 12 वर्षीय मासूम की मौत

साहिबगंज: जिले के तालझारी थाना क्षेत्र अंतर्गत हाथीगढ़ सकरीगली में मंगलवार को एक दर्दनाक हादसे में 12 वर्षीय बालक की करंट लगने से मौत हो गई। घटना उस समय हुई जब दोपहर करीब 2:00 बजे 11 हजार वोल्ट का बिजली का तार टूटकर खेत में गिर गया। उसी दौरान खेत में खेल रहे एक मासूम इसकी चपेट में आ गया।मृतक की पहचान अंकित कुमार चौधरी (12 वर्ष), पिता ब्रह्मदेव चौधरी, निवासी गरेरी टोला, हाथीगढ़ सकरीगली, थाना तालझारी, जिला साहिबगंज के रूप में हुई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बिजली का हाई वोल्टेज तार अचानक खेत में गिर गया, जिससे वहां खेल रहे अंकित को तेज करंट लगा। स्थानीय लोगों ने उसे बचाने का प्रयास किया, लेकिन उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद पूरे गांव में मातम का माहौल है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। सूचना मिलते ही तालझारी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी। पुलिस ने बताया कि मामले में अग्रिम कार्रवाई की जा रही है। वहीं, ग्रामीणों ने बिजली विभाग से जर्जर तारों की नियमित जांच और समय रहते मरम्मत कराने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की दर्दनाक घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

कर्ज के दबाव में चतुर्थवर्गीय कर्मचारी ने आत्महत्या का किया प्रयास

साहिबगंज: तीनपहाड़ थाना क्षेत्र अंतर्गत हाथीगढ़ स्थित पशु चिकित्सा केंद्र में पदस्थापित चतुर्थवर्गीय कर्मचारी ने अपना बाया हाथ का नस काटकर आत्महत्या करने का प्रयास किया। वहीं थाना पुलिस मौके पर पहुंच इलाज हेतु राजमहल अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया। साहिबगंज के हबीबपुर पाइप लाइन निवासी महमूद आलम(39) तीनपहाड़ के पशु चिकित्सा केंद्र में पदस्थापित है, जिन्होंने अपने बाए हाथ का नस काटकर आत्महत्या का प्रयास किया। वही पुलिस को इसकी जानकारी तब मिली जब मंगलवार की सुबह पास के ही एक बच्चे ने अपनी बकरे के लिए दवा लाने गया और मौके पर खून से लथपथ बेसुध पड़े एक व्यक्ति को वहा देख घरवालों को आकर बताई। वही मौके पर आस-पास के लोगों के साथ पहुचे और पुलिस को इसकी सूचना दिया। वही पुलिस ने इलाज हेतु राजमहल अनुमंडलीय अस्पताल भेजा।वही इस बारे में आलम ने बताया कि उसने साहिबगंज के यूनियन बैंक से 8,75000 रुपए अपने बेटे के इलाज के लिए कर्ज लिया था जिसको वह पिछले छह महीने से बैंक का कर्ज नही लौटा पा रहा था, वही बैंक मैनेजर पैसे जमा करने के लिए लगातार दबाव बना रहे थे। जिससे वह तंग आकर सोमवार की संध्या अपनी बाए हाथ का नस काट आत्महत्या करने का प्रयास किया।

तेज रफ्तार स्कॉर्पियो की टक्कर से अधेड़ की मौत, महिला घायल

साहिबगंज: जिले के साहिबगंज-गोविंदपुर मुख्य सड़क पर बरहेट थाना क्षेत्र के पंचकठिया में मंगलवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में 54 वर्षीय जितेन दत्ता की मौत हो गई। जबकि एक महिला घायल हो गया। घटना के बाद क्षेत्र में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार स्कॉर्पियो वाहन बोरियो से बरहेट की ओर आ रही थी। इसी दौरान सड़क पर अचानक एक बच्चा आ गया। बच्चे को बचाने के प्रयास में चालक ने वाहन का नियंत्रण खो दिया और स्कॉर्पियो गलत दिशा में चली गई। सड़क किनारे मोटरसाइकिल में खड़े जितेन दत्ता एवं सहिया सलोनी टुडू से बातचीत कर रही थी। वही अचानक पीछे से तेज रफ्तार स्कॉर्पियो आ गया और दोनों को टक्कर मार दी। वही हादसे के बाद स्थानीय ग्रामीणों की मदद से जितेंद्र दत्त को प्रेम ज्योति अस्पताल चंद्रगोड़ा ले जाने के क्रम में मौत हो गई।

महिला को अर्द्धनग्न कर घुमाने का वीडियो वायरल, नौ नामजद समेत कई पर केस दर्ज

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

अमड़ापाड़ा : पाकुड़ जिले के अमड़ापाड़ा प्रखंड अंतर्गत बूढ़ीडूबा गांव में कथित प्रेम प्रसंग को लेकर एक विवाहित महिला और उसके कथित प्रेमी के साथ हुई अमानवीय घटना ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है। दोनों को कथित तौर पर कई दिनों तक बंधक बनाकर रखने, महिला को अर्द्धनग्न अवस्था में गांव में घुमाने और सार्वजनिक रूप से अपमानित करने के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस प्रशासन हरकत में आया। इस घटना ने कानून-व्यवस्था के साथ-साथ महिलाओं की गरिमा और मानवाधिकारों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्रामीणों ने कथित प्रेम संबंध को आधार बनाकर दोनों को बंधक बनाया और बाद में महिला को अर्द्धनग्न अवस्था में गांव में घुमाया। इस दौरान मारपीट और अपमानजनक व्यवहार किए जाने का भी आरोप है। घटना के कई वीडियो पिछले कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं, जिससे पूरे जिले में आक्रोश का माहौल है। सूचना मिलते ही अमड़ापाड़ा थाना पुलिस गांव पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद दोनों को ग्रामीणों के कब्जे से मुक्त कराया। गांव में तनाव को देखते हुए पुलिस बल की तैनाती भी की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसडीपीओ विजय कुमार स्वयं घटनास्थल पहुंचे और जांच की निगरानी करते हुए अधीनस्थ अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। पुलिस ने पीड़िता के बयान पर अमड़ापाड़ा थाना कांड संख्या 49/2026 दर्ज किया है। मामले में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और आईटी एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत नौ नामजद तथा डेढ़ दर्जन से अधिक अज्ञात लोगों को आरोपी बनाया गया है। पुलिस आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है। जांच में यह भी सामने आया है कि पीड़िता का मायका और ससुराल दोनों अमड़ापाड़ा थाना क्षेत्र में हैं, जबकि कथित प्रेमी साहिबगंज जिले के बोरियो प्रखंड का निवासी है। यह आरोप भी लगाया गया है कि महिला को सार्वजनिक रूप से प्रताड़ित करने की पूरी घटना उसके पति के इशारे पर अंजाम दी गई। विदित हो कि दोनों को दो से तीन दिनों तक बंधक बनाकर रखा गया, लेकिन इतनी गंभीर घटना की सूचना समय रहते पुलिस या प्रशासन को नहीं दी गई। ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि क्या ग्राम प्रधान व मुखिया को घटना की जानकारी थी, और यदि थी तो उन्होंने प्रशासन को अवगत क्यों नहीं कराया?

कानून हाथ में लेने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई

इस घटना ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि किसी भी कथित सामाजिक या पारिवारिक विवाद के नाम पर कानून हाथ में लेने की अनुमति किसी को नहीं दी जा सकती। यदि दो बालिगों के संबंधों को लेकर आपत्ति भी हो, तब भी सार्वजनिक रूप से अपमानित करना, बंधक बनाना, मारपीट करना और महिला की गरिमा से खिलवाड़ करना गंभीर दंडनीय अपराध है। पुलिस ने भरोसा दिलाया है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

झारखंड जर्नलिस्ट एसोसिएशन ने हूल दिवस पर वीर शहीदों को अर्पित किया श्रद्धासुमन

साहिबगंज : हूल दिवस के अवसर पर मंगलवार को झारखंड जर्नलिस्ट एसोसिएशन ने वीर शहीद सिदो-कान्हू, चांद-भैरव, फूलो-झानो को याद किया। सिदो-कान्हू स्टेडियम में जेजेए जिला अध्यक्ष चंदन सिंह के नेतृत्व में एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने सिदो-कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। अध्यक्ष ने कहा कि वीरों की शहादत कभी बेकार नहीं जाती। अमर शहीदों ने जुल्म के खिलाफ एकजुटता के साथ संघर्ष का संदेश दिया। इस दौरान हुई बैठक में संगठन की मजबूती, पत्रकारों के संघर्ष, जनता व प्रशासन के बीच समन्वय, पत्रकारों के साथ हो रहे अन्याय, प्रशासनिक कार्रवाइयों, समाचार, फोटो, वीडियो संकलन में आ रही बाधाओं, पत्रकारों में एकता सहित अन्य मुद्दों पर चर्चा की गई। चंदन सिंह ने कहा कि झारखंड जर्नलिस्ट एसोसिएशन पत्रकारों के हितों की रक्षा व उनके कल्याण को लेकर संजीदगी व चट्टानी एकता के साथ काम कर रहा है। संगठन की ताकत आज अंतरराष्ट्रीय स्तर तक है। मौके पर कार्यक्रम व बैठक में अतिथि के रूप में प्रदेश सचिव अरविंद ठाकुर, डिजिटल मीडिया प्रदेश प्रभारी प्रवीण कुमार सहित जिला महासचिव रब नवाज आलम, कोषाध्यक्ष अमित सिंह, सदर प्रखंड सचिव अरविंद यादव, वरिष्ठ पत्रकार राजेंद्र पाठक, नवीन कुमार, प्रशांत कुमार, मनीष कुमार, सुमन झा, सहेन्द्र कुमार, अफसर अली, देव आर्यन सहित बड़ी संख्या में पत्रकार एवं संगठन के सदस्य मौजूद थे।

हूल दिवस पर वीर शहीद सिदो-कान्हू को पुलिस अधीक्षक ने दी श्रद्धांजलि

पाकुड़ : जिले में हूल दिवस के अवसर पर मंगलवार को पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह (भा.पु.से.) ने नगर थाना क्षेत्र स्थित सिदो-कान्हू पार्क पहुंचकर वीर शहीद सिदो-कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान उन्होंने महान क्रांतिकारी भाइयों के बलिदान को नमन करते हुए उनके आदर्शों पर चलने का संदेश दिया। श्रद्धांजलि कार्यक्रम में उप-विकास आयुक्त, उपायुक्त, अनुमंडल पदाधिकारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, जिला कल्याण पदाधिकारी सहित जिले के कई प्रशासनिक अधिकारी एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी ने वीर शहीदों के योगदान को याद करते हुए उनके संघर्ष और बलिदान को राष्ट्र के लिए प्रेरणास्त्रोत बताया।

हूल दिवस पर वीर शहीदों को श्रद्धांजलि, सिद्धो-कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया नमन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : हूल दिवस के अवसर पर मंगलवार को पाकुड़ स्थित सिदो-कान्हू पार्क में श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह, उप विकास आयुक्त अरविन्द कुमार लाल, परियोजना निदेशक, आईटीडीए अरूण कुमार एक्का, अपर समाहर्ता जेम्स सुरीन, अनुमंडल पदाधिकारी साईमन मरांडी, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी अमित कुमार, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी गौरव कुमार, नगर परिषद अध्यक्ष शबरी पाल, अंचलाधिकारी पाकुड़ अरविन्द कुमार बेदिया सहित अन्य पदाधिकारियों ने सिद्धो- कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए तथा सिदो- कान्हू, चाँद-भैरव और हूल विद्रोह के सभी अमर सेनानियों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त अरविन्द कुमार लाल ने कहा कि 30 जून 1855 को सिद्धो-कान्हू ने अंग्रेजी शासन की दमनकारी नीतियों, शोषण और गुलामी के विरुद्ध जनक्रांति का बिगुल फूंका था। हूल विद्रोह केवल एक आंदोलन नहीं, बल्कि जनजातीय समाज के स्वाभिमान, अधिकार और स्वतंत्रता का ऐतिहासिक उद्घोष था। उन्होंने कहा कि सिद्धो-कान्हू के आह्वान पर हजारों संथाल आदिवासियों ने अंग्रेजी हुकूमत के विरुद्ध संघर्ष करते हुए अपने प्राणों की आहुति दी। इस ऐतिहासिक जनविद्रोह ने अंग्रेजी शासन की नींव को हिला दिया और देश की स्वतंत्रता की लड़ाई को नई दिशा प्रदान की। उप विकास आयुक्त ने कहा कि हूल दिवस हमें अपने वीर सेनानियों के अदम्य साहस, बलिदान और राष्ट्रभक्ति से प्रेरणा लेने का अवसर प्रदान करता है। वीर शहीदों की कुबार्नी को कभी भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने सभी से उनके आदर्शों को आत्मसात करते हुए समाज और राष्ट्र के विकास में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया।

अन्याय के खिलाफ संघर्ष की प्रेरणा है हूल क्रांति : हेमलाल मुर्मू

अमड़ापाड़ा: जिले के अमड़ापाड़ा प्रखण्ड में हूल दिवस के अवसर पर मंगलवार को लिट्टीपाड़ा विधानसभा क्षेत्र के विधायक हेमलाल मुर्मू ने अमड़ापाड़ा एवं गोपीकांदर क्षेत्र में स्थापित वीर शहीदों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान उन्होंने कहा कि हूल दिवस केवल इतिहास का एक अध्याय नहीं, बल्कि अन्याय, शोषण और अत्याचार के विरुद्ध संघर्ष का अमर संदेश है। विधायक हेमलाल मुर्मू युवा नेता एवं केंद्रीय समिति सदस्य विकास मुर्मू के साथ कालाझोर, पाडेरकोला चौक, अमड़ापाड़ा प्रखंड कार्यालय स्थित हेरिटेज मेमोरियल तथा गोपीकांदर प्रखंड के गुम्मा मोड़ पहुंचे। यहां उन्होंने वीर शहीद सिदो-कान्हू, चांद-भैरव, फूलो-झानो सहित अन्य अमर सेनानियों की आदमकद प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। इसके बाद पूर्व जिला सचिव सुलेमान बास्की, केंद्रीय समिति सदस्य निशा शबनम हांसदा, महिला मोर्चा की जिला उपाध्यक्ष सुष्मिता मुर्मू सहित अन्य नेताओं एवं कार्यकताओं ने भी पुष्पांजलि अर्पित कर वीर शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित किए। अपने संबोधन में विधायक हेमलाल मुर्मू ने कहा कि सिदो-कान्हू, चांद-भैरव, फूलो-झानो समेत हूल क्रांति के सभी महानायक अंग्रेजी हुकूमत और आदिवासियों पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ डटकर लड़े। उनका बलिदान आज भी समाज को अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाने और अपने अधिकारों की रक्षा के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने कहा कि हूल दिवस हर उस व्यक्ति के लिए प्रेरणा का पर्व है, जो अन्याय और शोषण के खिलाफ संघर्ष में विश्वास रखता है। उन्होंने सभी वीर शहीदों को कोटि-कोटि नमन करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर प्रखंड अध्यक्ष श्यामलाल हांसदा, प्रखंड सचिव जहीरुद्दीन मियां, हिरणपुर प्रखंड अध्यक्ष इसहाक अंसारी, लिट्टीपाड़ा प्रखंड अध्यक्ष प्रसाद हांसदा, सचिव जावेद आलम, युवा मोर्चा जिला सचिव अमित भगत, अल्पसंख्यक मोर्चा जिला सचिव दिलीप मरांडी सहित विभिन्न मोर्चों के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं सैकड़ों समर्थक मौजूद रहे।

साहिबगंज हूल दिवस 2026 : सुरक्षा कारणों से बड़े कार्यक्रमों पर लगी रोक, चप्पे-चप्पे पर पुलिस का पहरा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : संताल हूल आंदोलन के 171वें हूल दिवस के अवसर पर इस वर्ष 30 जून को साहिबगंज जिले के भोगनाडीह (बरहेट) में बेहद सादगी के साथ कार्यक्रम आयोजित किया गया। क्योंकि जिला प्रशासन की ओर से किसी भी तरह के बड़े, राजनीतिक या भव्य सार्वजनिक कार्यक्रम को आयोजित करने की अनुमति नहीं दी गई है। हालांकि, जिला प्रशासन की ओर से शहीदों के सम्मान में जगह-जगह बैनर और पोस्टर लगाए गए हैं, ताकि आम लोग पूरी सादगी और शांति के साथ कार्यक्रम में शामिल हो सकें। इस दौरान हूल आंदोलन के महानायक सिद्धो-कान्हू, चांद-भैरव तथा वीरांगना फूलो-झानो सहित हूल क्रांति के तमाम वीर शहीदों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर विभिन्न जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी, सामाजिक संगठन और स्थानीय ग्रामीण शहीदों को नमन किया। जानकारी के अनुसार, अमर शहीद सिद्धो-कान्हू के प्रत्यक्ष वंशज मंडल मुर्मू ने प्रशासन से इस वर्ष भी पारंपरिक रूप से बड़ा कार्यक्रम आयोजित करने की लिखित मांग की थी। इसके लिए बकायदा अनुमति मांगी गई थी, लेकिन सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए जिला प्रशासन ने उनकी इस मांग को सिरे से खारिज कर दिया। आयोजकों और प्रशासन के बीच बनी सहमति के अनुसार, इस वर्ष पूरे समारोह को पूरी तरह सादगीपूर्ण और पारंपरिक ढंग से ही संपन्न कराया गया।कार्यक्रम के दौरान केवल हूल आंदोलन के गौरवशाली इतिहास, आदिवासियों के जल-जंगल-जमीन की रक्षा के लिए शहीदों द्वारा दिए गए बलिदान को याद किया गया। इसके अलावा वहां उपस्थित जनसमूह से उनके बताए मार्ग पर चलने का आह्वान किया गया। प्रशासन द्वारा इस बार बड़े आयोजनों पर पाबंदी लगाने और इतनी कड़ाई बरतने के पीछे पिछले वर्ष की हिंसक घटना है। ज्ञात हो कि बीते वर्ष 2025 में हूल दिवस के मौके पर भोगनाडीह में अचानक भारी हो-हंगामा, मारपीट और भगदड़ मच गई थी। इस दौरान उपद्रवियों द्वारा ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों पर लाठियों से हमला किया गया था और उन पर तीर भी चलाए गए थे। पिछले साल की इस बड़ी सुरक्षा चूक और हिंसा से सबक लेते हुए साहिबगंज जिला प्रशासन इस बार कोई जोखिम नहीं उठाना चाहता है। यही वजह है कि भोगनाडीह और बरहेट के चप्पे-चप्पे पर भारी संख्या में सशस्त्र पुलिस बल और मजिस्ट्रेटों की तैनाती की गई है।

संक्षिप्त खबरें

पाकुड़ पुलिस की बड़ी कार्रवाई : 2.06 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ तस्कर गिरफ्तार

पाकुड़: जिले में मादक पदार्थों के अवैध कारोबार के खिलाफ पाकुड़ पुलिस को सोमवार को बड़ी सफलता मिली। नगर थाना क्षेत्र के कोयला रोड स्थित दुगार्पुर में ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री की गुप्त सूचना पर गठित विशेष छापेमारी दल ने कार्रवाई करते हुए एक तस्कर को गिरफ्तार किया। आरोपी के कब्जे से सात पुड़िया ब्राउन शुगर, 10 हजार रुपये नकद, एक ओप्पो मोबाइल फोन तथा 12 सिगरेट बरामद किए गए। इस कार्रवाई के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह (भा.पु.से.) को सोमवार सुबह करीब 10:30 बजे सूचना मिली कि नगर थाना क्षेत्र के कोयला रोड, दुगार्पुर स्थित एक चाय दुकान के पास अवैध रूप से ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री की जा रही है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए उन्होंने तत्काल अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कुमार गौरव के नेतृत्व में एक विशेष छापेमारी दल (एसआईटी) का गठन किया और दंडाधिकारी की मौजूदगी में कार्रवाई के निर्देश दिए। गठित टीम जब कोयला रोड स्थित चाय दुकान के समीप पहुंची तो वहां कुछ लोग ब्राउन शुगर, बीड़ी और सिगरेट का सेवन करते दिखाई दिए। पुलिस टीम को देखते ही वहां मौजूद लोग इधर-उधर भागने लगे। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए भाग रहे एक व्यक्ति दिलदार अंसारी (पिताझ्ईदरीश अंसारी), निवासी ग्राम आसनढ़िपा, थाना नगर, जिला पाकुड़ को दबोच लिया, जबकि अन्य लोग मौके का फायदा उठाकर फरार हो गए। दंडाधिकारी की उपस्थिति में आरोपी की तलाशी लेने पर उसके पास से सात पुड़िया ब्राउन शुगर (कुल वजन 2.06 ग्राम), ऋछअड्ए कंपनी की 12 सिगरेट, एक ओप्पो कंपनी का मोबाइल फोन तथा 10 हजार रुपये नकद बरामद किए गए। पुलिस ने सभी सामानों को जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। इस संबंध में नगर थाना में कांड संख्या-158/2026 दर्ज करते हुए आरोपी के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट, 1985 की धारा 21(बी) एवं 22(ए) के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। वहीं, मौके से फरार अन्य संदिग्धों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के लिए भी छापेमारी जारी है। पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह ने बताया कि जिले में नशे के कारोबार के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि युवाओं को नशे की गिरफ्त में धकेलने वाले तस्करों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी और किसी भी कीमत पर अवैध मादक पदार्थों के कारोबार को पनपने नहीं दिया जाएगा।

दिव्यांग बच्चों के अधिकारों को लेकर चला विशेष जागरूकता अभियान

साहिबगंज: झारखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निदेर्शानुसार एवं माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहेबगंज अखिल कुमार के मार्गदर्शन में मानसिक रूप से अस्वस्थ एवं बौद्धिक दिव्यांग व्यक्तियों के कानूनी अधिकारों के संरक्षण एवं संवर्द्धन के उद्देश्य से जिले में विशेष कानूनी जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहेबगंज के सचिव विश्वनाथ भगत द्वारा व्यवहार न्यायालय परिसर स्थित लोक अदालत कक्ष में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। साथ ही लीगल एड डिफेन्स काउंसिल एवं पारा लीगल वॉलंटियर्स झ्र न्याय मित्र द्वारा मूक-बधिर विद्यालय, साहेबगंज में विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर दिव्यांग बच्चों एवं उनके अभिभावकों को उनके अधिकारों एवं उपलब्ध कानूनी सहायता की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में सचिव भगत ने कहा कि यह अभियान राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली की ₹मानसिक रूप से अस्वस्थ एवं बौद्धिक दिव्यांग व्यक्तियों को विधिक सेवाएँ योजना, 2024₹ के प्रभावी क्रियान्वयन के उद्देश्य से संचालित किया जा रहा है। मूक-बधिर विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में कहा कि मानसिक अथवा शारीरिक दिव्यांगता किसी भी व्यक्ति के मौलिक एवं कानूनी अधिकारों को कम नहीं करती। प्रत्येक व्यक्ति को सम्मानपूर्वक जीवन जीने, समान अवसर प्राप्त करने तथा न्याय तक पहुँचने का संवैधानिक अधिकार प्राप्त है। उन्होंने आमजन, शिक्षकों एवं अभिभावकों से अपील की कि यदि उनके संज्ञान में कोई मानसिक रूप से अस्वस्थ अथवा बौद्धिक दिव्यांग व्यक्ति सहायता का पात्र हो तो इसकी सूचना तत्काल जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहेबगंज को दें, ताकि उसे आवश्यक विधिक एवं अन्य सहायता समय पर उपलब्ध कराई जा सके।कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को नि:शुल्क विधिक सहायता हेतु राष्ट्रीय हेल्पलाइन नंबर 15100 तथा मानसिक स्वास्थ्य परामर्श की जानकारी भी प्रदान की गई। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक, छात्र-छात्राएं, अभिभावक, लीगल एड डिफेन्स काउंसिल, पारा लीगल वॉलंटियर्स एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

संत जेवियर स्कूल जोनल क्रिकेट टूर्नामेंट का समापन, विजेता टीमों को किया सम्मानित

साहिबगंज: शहर के प्रतिष्ठित संत जेवियर स्कूल में चल रहे जोनल क्रिकेट टूर्नामेंट का मंगलवार को फाइनल मुकाबलों के साथ ही समापन हो गया। अंतिम दिन संत जेवियर स्कूल मैदान सहित सिद्धू कानू स्टेडियम में भी प्रतियोगिता के सेमीफाइनल मुकाबले खेले गए। वहीं फाइनल मुकाबला संत जेवियर स्कूल में हुआ। अंडर-14 में साहिबगंज संत जेवियर स्कूल विजेता,जबकि बिहार के कटिहार का डॉन बॉस्को स्कूल उपविजेता रहा। अंडर 17 में भागलपुर के संत टेरेसा स्कूल ने जीत हासिल की। वहीं साहिबगंज संत जेवियर स्कूल उपविजेता रही। अंडर 19 आयु वर्ग में भागलपुर संत जोसेफ स्कूल ने विजेता जबकि साहिबगंज संत जेवियर स्कूल ने उपविजेता बनने का गौरव हासिल किया। मुख्य अतिथि जेएससीए सदस्य चंदेश्वर प्रसाद सिन्हा उर्फ बोदी सिन्हा ने विजेता उपविजेता टीम को पुरस्कृत किया। वहीं उन्होंने संत जेवियर स्कूल के फादर अरुल डोस को शॉल ओढ़ा कर व मोमेंटो देकर प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए सम्मानित किया। मौके पर सतीश सिन्हा, जिला क्रिकेट संघ सचिव अंकुर सिन्हा, मो अशफाक आलम, श्याम रंजन तिवारी, अंकित, चंदन, मोहम्मद तारिक, मो अनाउल्लाह, सुधांशु रंजन, अब्राहम, प्रभाकर सिंह उर्फ गुड्डा, संत जेवियर स्कूल के शिक्षक आशीष चक्रवर्ती, पुण्य गौरव सहित अन्य मौजूद थे।

जैप-9 साहिबगंज में विदाई समारोह, तीन अधिकारियों को दी गई सम्मानजनक विदाई

साहिबगंज: झारखंड सशस्त्र पुलिस (जैप)-9,साहिबगंज में मंगलवार को समादेष्टा रेशमा रिमिशन की अध्यक्षता में विदाई समारोह आयोजित किया गया।कार्यक्रम में पुलिस उपाधीक्षक सुमन कुमार सवैया विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए,जबकि संचालन झारखंड पुलिस एसोसिएशन के अध्यक्ष अमलेश कुमार सिंह ने किया। इस अवसर पर निरीक्षक (सशस्त्र) प्रभु प्रसाद,अवर निरीक्षक (सशस्त्र) भगवान मांझी एवं अवर निरीक्षक (सशस्त्र) नसरुद्दीन को सम्मानपूर्वक विदाई दी गई।अधिकारियों एवं सहकर्मियों ने उनके सेवाकाल की सराहना करते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। मौके पर सत्येंद्र पासवान,भरत यादव,संजय यादव,अमित पासवान,धनंजय सिंह,मुन्ना सिंह,कबीर खान, पवन शाह,पंकज ठाकुर,सुबोध ठाकुर,धर्मेंद्र कुमार रजक,रविंद्र विद्या,झारखंड पुलिस एसोसिएशन,पुलिस मेंस एसोसिएशन,चतुर्थवर्गीय कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों सहित वाहिनी के अधिकारी, पुलिसकर्मी एवं कर्मचारी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

एक नजर

हिमांशु सिंह हत्याकांड में दोषी पुलिसकर्मियों पर चले हत्या का मुकदमा : भानु

पूर्वी सिंहभूम : भाजपा जमशेदपुर महानगर ने मंगलवार को साकची स्थित जिला कार्यालय में शहर की बिगड़ती कानून-व्यवस्था और बिष्टुपुर के चर्चित हिमांशु सिंह हत्याकांड को लेकर प्रेसवार्ता आयोजित की। इस दौरान झारखंड भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष और पूर्व विधायक भानु प्रताप शाही ने राज्य सरकार और पुलिस प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि हिमांशु सिंह की हत्या पुलिस संरक्षण में हुई है। उन्होंने मांग की कि हत्या में शामिल आरोपितों के साथ-साथ घटना स्थल पर मौजूद और अपनी जिम्मेदारी निभाने में विफल पुलिसकर्मियों के खिलाफ भी हत्या का मुकदमा दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार किया जाए और सभी दोषियों को कठोरतम दंड, यहां तक कि फांसी की सजा दिलाई जाए। भानु ने कहा कि बिष्टुपुर में पुलिस की मौजूदगी के बावजूद अपराधियों ने युवक को खींचकर चाकू मारकर हत्या करना कानून-व्यवस्था की पूरी तरह विफलता को दशार्ता है। उन्होंने आरोप लगाया कि घायल युवकों को समय पर सुरक्षा और उपचार नहीं मिलने से स्थिति और गंभीर हुई। उन्होंने एसएसपी से पिछले तीन महीनों में हत्या, लूट, चोरी और चाकूबाजी जैसी घटनाओं का पूरा आंकड़ा सार्वजनिक करने की मांग करते हुए कहा कि जमशेदपुर को औद्योगिक नगरी से अपराध नगरी बनाया जा रहा है।

नियमित रक्तदान के लिए विद्यार्थी परिषद के प्रकाश टूटी सम्मानित

खूंटी : सदर अस्पताल, रांची के ब्लड सेंटर की ओर से मंगलवार को आयोजित स्वैच्छिक रक्तदाता सम्मान समारोह में खूंटी के नियमित रक्तदाता अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के प्रकाश टूटी को उनके उल्लेखनीय रक्तदान योगदान के लिए सम्मानित किया गया। समारोह में सिविल सर्जन प्रभात कुमार सहित स्वास्थ्य विभाग के कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। प्रकाश टूटी को वर्ष 2025 के दौरान तीन बार स्वैच्छिक रक्तदान कर जरूरतमंद मरीजों की जान बचाने में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में उनके नियमित रक्तदान और सामाजिक सेवा के प्रति समर्पण की सराहना की गई।

मां और 14 वर्षीय पुत्र की हत्या

देवघर : जिले के सोनारायठाढ़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत महापुर पंचायत के नावाडीह गांव में सोमवार देर रात अज्ञात अपराधियों ने एक महिला और उसके 14 वर्षीय पुत्र की धारदार हथियार से हत्या कर दी। इस दोहरे हत्याकांड से पूरे इलाके में दहशत और सनसनी फैल गई है। स्थानीय लोगों के अनुसार, लगभग तीन वर्ष पूर्व इसी परिवार के मुखिया की भी एक विवाद में हत्या कर दी गई थी। एक ही परिवार में दोबारा हुई इस वारदात ने कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

बोकारो में अवैध विदेशी शराब फैक्ट्री का भंडाफोड़

37 पेटी शराब जब्त, चार गिरफ्तार

चंद्रपुरा थाना क्षेत्र में पुलिस और उत्पाद विभाग की संयुक्त कार्रवाई, शराब बनाने की सामग्री और पांच मोबाइल भी बरामद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : पुलिस ने अवैध शराब के कारोबार पर बड़ी कार्रवाई करते हुए चंद्रपुरा थाना क्षेत्र के तेलो पूर्वी बहियारटांड़ में चल रही एक अवैध विदेशी शराब फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है। इस कार्रवाई में पुलिस ने 37 पेटी अवैध विदेशी शराब, शराब बनाने में इस्तेमाल होने वाली सामग्री, ढक्कन, रैपर-स्टिकर और पांच मोबाइल फोन जब्त किए हैं। मामले में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस अधीक्षक को मिली गुप्त सूचना के बाद बेरमो अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया। इस अभियान में बोकारो उत्पाद विभाग की टीम भी शामिल रही। सबसे पहले पुलिस ने मुख्य आरोपी कामेश्वर कुमार के घर पर छापा मारा, जहां से अवैध रूप से तैयार की गई विदेशी शराब और उसे बनाने में इस्तेमाल होने वाली सामग्री बरामद हुई। इसके बाद उसकी निशानदेही पर अन्य आरोपियों के ठिकानों पर भी छापेमारी की गई।

गिरफ्तार आरोपियों में कामेश्वर कुमार, विनय कुमार, दिनेश प्रजापति और कृष्णा कुमार शामिल हैं। पुलिस ने उनके कब्जे से ब्लैक टाइगर व्हिस्की की 15 पेटी, ऑफिसर्स चॉइस की 12 पेटी, मैकडॉवेल नंबर-1 की तीन पेटी, रॉयल चैलेंजर की तीन पेटी और स्टर्लिंग रिजर्व बी-7 की चार पेटी बरामद की। इसके अलावा विभिन्न ब्रांडों के ढक्कन, ब्लेंडर्स प्राइड के 51 रैपर-स्टिकर तथा पांच मोबाइल फोन भी जब्त किए गए।

इस मामले में चंद्रपुरा थाना में कांड संख्या 75/2026 दर्ज कर आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं और उत्पाद अधिनियम की धारा 47(ए) के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस का कहना है कि अवैध शराब के इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भी तलाश की जा रही है और जल्द ही उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

हूल दिवस पर सिदो-कान्हू के संघर्ष को आगे बढ़ाने का लिया संकल्प

- सतनपुर में श्रद्धांजलि सभा, जल-जंगल-जमीन व आदिवासी अस्मिता की रक्षा का लिया गया संकल्प

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिदो-कान्हू चौक पर श्रद्धांजलि अर्पित करते लोग

बोकारो : आदिवासी-मूलवासी समाज सतनपुर की ओर से मंगलवार को हूल दिवस श्रद्धा, सम्मान और संकल्प के साथ मनाया गया। सतनपुर पंचायत के बागरायबेड़ा टोला के समीप सराय पहाड़ी और पोंड टुंगरी के बीच स्थित सिदो-कान्हू चौक पर आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों ने अमर शहीद सिदो-कान्हू को श्रद्धासुमन अर्पित कर उनके संघर्ष और बलिदान को नमन किया। कार्यक्रम की शुरूआत नायके जीवन हेम्ब्रम द्वारा पारंपरिक पूजा-अर्चना से हुई। कार्यक्रम का संचालन रामकुमार मांझी ने किया। मुख्य अतिथि एवं सतनपुर पंचायत के मुखिया काली पद सिंह ने कहा कि सिदो-कान्हू का संघर्ष झारखंड के स्वाभिमान, अस्मिता और अधिकारों की लड़ाई का प्रतीक है। झामुमो चास प्रखंड अध्यक्ष राम दया सिंह ने कहा कि अंग्रेजी हुकूमत के शोषण और दमन के विरुद्ध सिदो-कान्हू के नेतृत्व में शुरू हुआ संताल हूल भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन का ऐतिहासिक अध्याय है। समाजसेवी योगो पूर्ती ने कहा कि 30 जून झारखंड के इतिहास का गौरवशाली दिवस है। इसी दिन संताल वीरों ने अंग्रेजी शासन के खिलाफ विद्रोह का बिगुल फूंका था, जिसे संताल हूल के नाम से जाना जाता है। उन्होंने कहा कि इतिहासकार इसे भारत की आजादी की पहली लड़ाइयों में शामिल करते हैं। नई पीढ़ी को इस गौरवशाली विरासत से प्रेरणा लेकर अपने इतिहास, संस्कृति और अधिकारों की रक्षा के लिए सदैव सजग रहना चाहिए। सतनपुर पंचायत समिति सदस्य वासुदेव मांझी ने भी हूल आंदोलन के सामाजिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए इसे आदिवासी स्वाभिमान का सबसे बड़ा प्रतीक बताया। इस दौरान रतन लायक, राकेश हेम्ब्रम, मोहन हेम्ब्रम, सुखदेव हांसदा, टी. कुमार, नगर मांझी, प्रशांत किस्कू, सुखदेव मांझी, अनिल मांझी, मनसु हेम्ब्रम, छुटू टुडू, हेमंत किस्कू, विशाल सोरेन, सचिन, संदीप, फुलेश्वर किस्कू, मुकेश सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं समाज के लोग उपस्थित थे।

आईटीआई मोड़ सिद्धू-कान्हू चौक पर भव्य श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : चास स्थित आईटीआई मोड़ सिद्धू-कान्हू चौक पर मंगलवार को एक भव्य श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम झारखंड मुक्ति मोर्चा के बोकारो जिला अध्यक्ष रतनलाल मांझी के नेतृत्व में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और कार्यकताओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया। सभी ने वीर शहीद सिद्धू-कान्हू की प्रतिमा एवं तैलचित्र पर माल्यार्पण कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर रतनलाल मांझी ने कहा कि संथाल हूल विद्रोह वीर सिद्धू-कान्हू के अदम्य साहस और संघर्ष का प्रतीक है, जो देश-प्रेम, स्वाभिमान और बलिदान की मिसाल है। झामुमो बोकारो महानगर अध्यक्ष मंटू यादव ने भी शहीदों को नमन करते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम का संचालन जिला सचिव मुकेश कुमार महतो ने किया। मौके पर संतोष रजवार, जयनारायण महतो, अशोक कुमार मुर्मू, फिरदौस अंसारी, मोहन मुर्मू, फैयाज आलम, आकाश टुडू, रामदयाल सिंह, भगीरथ शर्मा, राकेश सिन्हा, आलोक सिंह, हसन अंसारी, शांति किस्कु, होलिका देवी, अख्तर अंसारी, जयमाला देवी, संजय केजरीवाल, सोपू देवी, किरण देवी, प्रतिभा देवी, मनोज महतो, युधिष्ठिर रजवार, मागाराम दे, अभिषेक सरकार, फिरोज अंसारी, भारत प्रजापति सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

मिथिला अकादमी पब्लिक स्कूल में हेरिटेज क्विज प्रतियोगिता का सफल आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : मिथिला अकादमी पब्लिक स्कूल, बोकारो में इंटर हाउस हेरिटेज क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में विद्यालय के चारों सदनों - भारती सदन, वाचस्पति सदन, विद्यापति सदन एवं बिरसा सदन ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कांटे के मुकाबले में भारती सदन ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वाचस्पति सदन एवं विद्यापति सदन संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर रहे, जबकि बिरसा सदन ने तृतीय स्थान प्राप्त कर कार्यक्रम को सफल बनाया।

हेरिटेज क्विज प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य बच्चों को किताबी ज्ञान के साथ-साथ भारतीय संस्कृति, इतिहास, कला, परंपरा एवं विरासत के सभी क्षेत्रों में ज्ञान अर्जित करने के लिए प्रेरित करना है। प्रश्न भारतीय धरोहर, स्मारकों, प्रसिद्ध व्यक्तित्वों, त्योहारों एवं सामान्य ज्ञान पर आधारित थे।

इस अवसर पर प्राचार्य श्री अमर प्रसाद एवं उप-प्राचार्य श्री देव दुलाल मित्रा ने संयुक्त रूप से सभी बच्चों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताएँ बच्चों की तर्कशक्ति, स्मरणशक्ति और टीम भावना को बढ़ाती हैं। उन्होंने सभी विजेता एवं प्रतिभागी सदनों को बधाई दी और भविष्य में भी ऐसे ज्ञानवर्धक कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया।

बीएसएल से सेवानिवृत्त कर्मियों को दी गई विदाई

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : इस्पात संयंत्र के मानव संसाधन ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग के मुख्य प्रेक्षागृह में आज दिनांक 30 जून 2026 को सेवानिवृत्त हो रहे 41 कर्मियों के सम्मान में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में अधिशासी निदेशक (एम & एच एस) उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन) के साथ संयंत्र के विभिन्न विभागों के वरीय अधिकारी एवं सेवानिवृत्त होने वाले कार्मिकों के परिजन भी बड़ी संख्या में सम्मिलित हुए।

समारोह के शुभारंभ में मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन) ने सभी आगंतुकों का स्वागत किया और सेवानिवृत्त हो रहे कर्मियों के दीर्घकालिक योगदान एवं समर्पण की सराहना की। कार्यक्रम में निदेशक प्रभारी का विशेष शुभकामना संदेश भी साझा किया गया, जिसमें उन्होंने सभी कर्मियों के प्रति अपनी कृतज्ञता प्रकट की। मुख्य अतिथि अधिशासी निदेशक (एम & एच एस) ने अपने संबोधन में कर्मियों के परिश्रम की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनके अनुभवों ने संयंत्र को उत्कृष्टता के वर्तमान स्तर तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने सभी सेवानिवृत्त कर्मियों को विदाई उपहार भेंट किए और उनके सुखद एवं स्वस्थ भविष्य की मंगलकामना की। मुख्य अतिथि अधिशासी निदेशक (एम & एच एस) ने सभी सेवानिवृत्त कर्मियों को उनकी निष्ठा, समर्पण एवं उत्कृष्ट सेवाओं के लिए बधाई दी तथा उनके सुखद एवं समृद्ध भविष्य की मंगलकामनाएँ व्यक्त कीं। उन्होंने सेवानिवृत हो रहे कर्मियों को सेवा प्रमाण पत्र एवं उपहार भी भेंट किए। जून 2026 में बोकारो स्टील प्लांट से कुल 13 अधिशासी एवं 28 अनाधिशासी कर्मी सेवानिवृत्त हो रहे हैं। समारोह के दौरान सहायक महाप्रबंधक (मानव संसाधन-सेवाएँ) द्वारा प्रत्येक सेवानिवृत्त कर्मचारी के बायो-डाटा का प्रस्तुतिकरण किया गया।

बोकारो स्टील प्लांट के सी & ए विभाग में कार्यरत मुख्य महाप्रबंधक (सी & ए) श्री विजय कुमार के लिए आयोजित एक अन्य विदाई समारोह में बोकारो स्टील प्लांट के निदेशक प्रभारी एवं अधिशासी निदेशक सहित विभिन्न विभागों के मुख्य महाप्रबंधक एवं विभागाध्यक्ष उपस्थित रहे।

जीजीपीएस बोकारो के छात्र अनुभव विश्वकर्मा ने राष्ट्रीय विज्ञान मंच पर बढ़ाया विद्यालय का मान

साराभाई यंगलिंग्स विज्ञान प्रशिक्षण शिविर में देश के शीर्ष 15 प्रतिभागियों में स्थान बनाकर अनुभव ने रचा नया कीर्तिमान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : शिक्षा, विज्ञान और नवाचार के क्षेत्र में अपनी उत्कृष्ट परंपरा के लिए पहचाने जाने वाले गुरु गोबिंद सिंह पब्लिक स्कूल, सेक्टरझ्र5/बी, बोकारो ने एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान को और मजबूत किया है। विद्यालय के कक्षा 12 (डी) के मेधावी छात्र अनुभव विश्वकर्मा ने विक्रम साराभाई विज्ञान प्रतिष्ठान द्वारा आयोजित प्रतिष्ठित साराभाई यंगलिंग्स विज्ञान प्रशिक्षण शिविर (सत्र 2025झ्र26) में श्रेणीझ्रएक के अंतर्गत देश के शीर्ष 15 प्रतिभागियों में स्थान प्राप्त कर विद्यालय, बोकारो और झारखंड का गौरव बढ़ाया है।

25 से 27 जून 2026 तक नई दिल्ली में आयोजित इस अत्यंत प्रतिस्पर्धी तीन दिवसीय राष्ट्रीय विज्ञान प्रशिक्षण शिविर में देशभर के चुनिंदा प्रतिभाशाली विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस बौद्धिक एवं वैज्ञानिक आयोजन के दौरान प्रतिभागियों को देश के अग्रणी वैज्ञानिकों, शोधकताओं, नवप्रवर्तकों एवं शिक्षाविदों के साथ संवाद करने का अवसर मिला। साथ ही भारत मौसम विज्ञान विभाग, राष्ट्रीय सौर ऊर्जा संस्थान तथा भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली जैसे प्रतिष्ठित वैज्ञानिक संस्थानों का शैक्षणिक भ्रमण भी कराया गया, जहाँ विद्यार्थियों ने मौसम विज्ञान, जलवायु विज्ञान, नवीकरणीय ऊर्जा, वैज्ञानिक अनुसंधान, रॉकेट विज्ञान, सृजनात्मक चिंतन, नवाचार तथा उद्यमिता जैसे विषयों का व्यावहारिक एवं गहन ज्ञान अर्जित किया।

कार्यक्रम के समापन पर आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में अनुभव विश्वकर्मा को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन तथा श्रेणीझ्रएक में देश के शीर्ष 15 प्रतिभागियों में स्थान प्राप्त करने के लिए सम्मानित किया गया।

यह उपलब्धि अनुभव विश्वकर्मा की वैज्ञानिक जिज्ञासा, कठिन परिश्रम, अनुशासन और बौद्धिक प्रतिभा का प्रमाण है। साथ ही यह जीजीपीएस बोकारो की उस समृद्ध शैक्षणिक संस्कृति और दूरदर्शी शिक्षण व्यवस्था को भी दशार्ती है, जो विद्यार्थियों में ज्ञान, अनुसंधान, नवाचार और उत्कृष्टता की भावना को निरंतर प्रोत्साहित करती है। विद्यालय सदैव अपने छात्रों को राष्ट्रीय और वैश्विक मंचों पर अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए प्रेरित करता रहा है।

विद्यालय के प्राचार्य श्री अभिषेक कुमार ने अनुभव को बधाई देते हुए कहा, अनुभव की यह उपलब्धि केवल उसकी व्यक्तिगत सफलता नहीं, बल्कि गुरु गोबिंद सिंह पब्लिक स्कूल की उत्कृष्ट शैक्षणिक परंपरा, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और नवाचार आधारित शिक्षा का परिणाम है। हमें पूर्ण विश्वास है कि वह भविष्य में विज्ञान एवं अनुसंधान के क्षेत्र में नई ऊँचाइयाँ प्राप्त करेंगे तथा अनेक विद्यार्थियों को ज्ञान, शोध, खोज और उत्कृष्टता के पथ पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देंगे।

विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष श्री तरसेम सिंह एवं सचिव श्री एस. पी. सिंह ने संयुक्त रूप से अनुभव विश्वकर्मा को इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि जीजीपीएस बोकारो सदैव ऐसी प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करता रहेगा, जो ज्ञान, अनुसंधान और नवाचार के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में अपनी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएँ। उन्होंने अनुभव के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए विद्यालय परिवार को भी इस राष्ट्रीय उपलब्धि पर शुभकामनाएँ प्रेषित की।

संक्षिप्त खबरें

भाजपा के संगठनात्मक बैठक कार्यकर्ताओं को बूथ स्तर तक सक्रिय रहने का निर्देश

पश्चिमी सिंहभूम : भारतीय जनता पार्टी के सांगठनिक प्रवास कार्यक्रम के तहत मंगलवार को पश्चिमी सिंहभूम जिला कार्यालय में संगठनात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रदेश नेतृत्व ने जिला, मंडल और बूथ स्तर पर संगठन को और अधिक सशक्त बनाने, आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तय करने तथा जनसंपर्क अभियान को तेज करने पर विशेष जोर दिया। इस दौरान क्षेत्र की प्रमुख जनसमस्याओं और राजनीतिक परिस्थितियों पर भी विस्तार से मंथन किया गया। बैठक की शुरूआत वंदे मातरम् के सामूहिक गायन से हुई। इसके बाद डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम में प्रदेश उपाध्यक्ष और राज्यसभा सांसद प्रदीप वर्मा, जिला प्रभारी विनय जायसवाल, प्रदेश उपाध्यक्ष गीता कोड़ा, पूर्व मंत्री बड़कुवर गागराई, पूर्व प्रदेश प्रवक्ता जेबी तुबिद, वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष चंद्र मोहन तिऊ, पूर्व जिला अध्यक्ष सतीश पुरी, रमेश खिरवाल सहित जिला एवं मंडल स्तर के अनेक पदाधिकारी मौजूद थे। बैठक के दौरान प्रदेश नेतृत्व ने जिले में चल रहे संगठनात्मक अभियानों की समीक्षा की और मंडल अध्यक्षों और प्रभारियों से उनके क्षेत्रों की गतिविधियों की जानकारी ली। साथ ही कार्यकताओं को निर्देश दिया गया कि वे बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने, नए कार्यकताओं को जोड़ने और आगामी अभियानों को प्रभावी ढंग से संचालित करने पर विशेष ध्यान दें। राज्यसभा सांसद प्रदीप वर्मा ने कहा कि संगठन की मजबूती ही भाजपा की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने पिछले एक महीने में हुए विभिन्न कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुए आगामी अभियानों को समयबद्ध और सफल बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कार्यकताओं से कहा कि वे जनता के बीच लगातार सक्रिय रहें और केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी घर-घर तक पहुंचाएं, ताकि अधिक से अधिक लोग इन योजनाओं का लाभ उठा सकें। उन्होंने कहा कि जनजातीय क्षेत्रों में केंद्र सरकार की ओर से संचालित योजनाओं और विकास कार्यों की जानकारी लोगों तक पहुंचाना संगठन की प्राथमिकता होनी चाहिए। साथ ही कार्यकताओं से लोगों की समस्याओं को सुनकर उन्हें संबंधित स्तर तक पहुंचाने और समाधान के लिए निरंतर प्रयास करने की अपील की। बैठक का समापन संगठन को और अधिक मजबूत बनाने, कार्यकताओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने और आगामी राजनीतिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों को सफल बनाने के संकल्प के साथ हुआ।

चक्रधरपुर मंडल के मशीन ब्लॉक से जुलाई से नवंबर तक कई ट्रेनें रहेंगी रद्द

पश्चिमी सिंहभूम : टाटानगर और राउरकेला के बीच नियमित यात्रा करने वाले हजारों रेल यात्रियों को अगले कई महीनों तक परेशानी का सामना करना पड़ेगा। दक्षिण पूर्व रेलवे के चक्रधरपुर मंडल ने रेल पटरियों और अन्य आधारभूत संरचनाओं के रखरखाव,ट्रैक मशीनों से मरम्मत कार्य और सुरक्षित रेल संचालन सुनिश्चित करने के लिए राउरकेलाझ्रकंसबहालझ्रडिह रेलखंड में तीन घंटे का मशीन ब्लॉक लेने का निर्णय लिया है। इस कारण 05 जुलाई से 22 नवंबर 2026 तक विभिन्न तिथियों में कई एक्सप्रेस,मेमू और पैसेंजर ट्रेनों का परिचालन रद्द रहेगा। इस निर्णय का सबसे अधिक असर टाटानगर से राउरकेला, चक्रधरपुर, झारसुगुड़ा, हटिया और पुरी की ओर यात्रा करने वाले दैनिक यात्रियों, नौकरीपेशा लोगों, विद्यार्थियों तथा व्यवसायियों पर पड़ेगा। विशेष रूप से टाटानगरझ्रराउरकेला मेमू ट्रेन के रद्द रहने से दोनों शहरों के बीच प्रतिदिन यात्रा करने वाले यात्रियों को वैकल्पिक ट्रेनों या सड़क मार्ग का सहारा लेना पड़ सकता है। मंगलवार को रेलवे की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार प्रत्येक रविवार को 18175/18176 हटियाझ्रझारसुगुड़ाझ्रहटिया एक्सप्रेस और 68029/68030 राउरकेलाझ्रझारसुगुड़ाझ्रराउरकेला मेमू का परिचालन 05 जुलाई से 15 नवंबर 2026 के बीच निर्धारित तिथियों पर रद्द रहेगा। इसी प्रकार प्रत्येक गुरुवार को 18125/18126 राउरकेलाझ्रपुरीझ्रराउरकेला एक्सप्रेस, 18175/18176 हटियाझ्रझारसुगुड़ाझ्रहटिया एक्सप्रेस, 68029/68030 राउरकेलाझ्रझारसुगुड़ाझ्रराउरकेला मेमू और 68043/68044 टाटानगरझ्रराउरकेलाझ्रटाटानगर मेमू का परिचालन 09 जुलाई से 19 नवंबर 2026 तक विभिन्न तिथियों में निरस्त रहेगा। इसके अलावा 58659 हटियाझ्रराउरकेला पैसेंजर और 58660 राउरकेलाझ्रहटिया पैसेंजर भी जुलाई से नवंबर के बीच कई निर्धारित तिथियों में रद्द रहेंगी। इन ट्रेनों के निरस्तीकरण का असर झारखंड और ओडिशा के सीमावर्ती क्षेत्रों के यात्रियों पर भी पड़ेगा, जो रोजाना इन पैसेंजर ट्रेनों से आवागमन करते हैं। रेलवे अधिकारियों के अनुसार मशीन ब्लॉक के दौरान ट्रैक का रखरखाव, रेल लाइन की मरम्मत, मशीनों से पैकिंग और अन्य तकनीकी कार्य किए जाएंगे। इन कार्यों का उद्देश्य रेल पटरियों की गुणवत्ता में सुधार करना, ट्रेनों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करना और भविष्य में परिचालन को अधिक सुचारु बनाना है। चक्रधरपुर मंडल ने यात्रियों से अपील की है कि यात्रा पर निकलने से पहले अपनी ट्रेन की स्थिति रेलवे की आधिकारिक सूचना प्रणाली से अवश्य जांच लें। जिन यात्रियों ने पहले से टिकट बुक करा रखा है, वे अपनी यात्रा की योजना तदनुसार बदलें। रेल प्रशासन ने आवश्यक रखरखाव कार्य के दौरान होने वाली असुविधा के लिए खेद व्यक्त करते हुए यात्रियों से सहयोग की अपेक्षा की है।

हत्या और डायन प्रताड़ना के दोषी को आजीवन कारावास की सजा

दुमका : डायन प्रताड़ना और हत्या के मामले में अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, द्वितीय योगेश कुमार सिंह की अदालत ने मंगलवार को राजेश किस्कू को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई। न्यायालय ने राजेश पर 20 हजार रुपए का जुमार्ना भी लगाया है। जुमार्ना की राशि भुगतान नहीं करने पर 06 माह अतिरिक्त सजा काटनी होगी। इससे संबंधित मामला टोंगरा थाना में दर्ज किया गया था। जुमार्ना की राशि पीड़ित को भुगतान करना होगा। मामले में 11 गवाहों की गवाही पर न्यायालय ने फैसला सुनाया। मामले में सरकार का पक्ष अपर लोक अभियोजन भवेंद्र कुमार सोरेन ने रखा। जानकारी के अनुसार 16 सितंबर 2020 में टोंगरा थाना क्षेत्र के पोड़बथान गांव निवासी नाबालिग प्रदीप किस्कू के बयान पर हत्या और डायन उत्पीड़न का मामला आरोपित रिश्तेदार राजेश के खिलाफ दर्ज कराया गया था। सूचक ने बताया कि डायन के संदेह पर उसकी मां फुलमुनी मुर्मू की चाकू गोंद हत्या कर दी गई थी।

मतदाता सूची का शुद्ध और अद्यतन होना लोकतंत्र के लिए जरूरी : विनोद पांडेय

गढ़वा : झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) जिला समिति की ओर से मंगलवार को शहीद नीलांबर-पीतांबर टाउन हॉल में बूथ सशक्तिकरण सह बीएलए-2 का जिला स्तरीय प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत हूल दिवस के शहीद सिद्धो-कान्हो की प्रतिमा पर पुष्पांजलि एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इस अवसर पर झामुमो के केंद्रीय महासचिव एवं प्रवक्ता विनोद पांडेय ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए मतदाता सूची का शुद्ध और अद्यतन होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कार्यकताओं से घर-घर जाकर मतदाता सूची का सत्यापन करने तथा किसी भी योग्य मतदाता का नाम सूची से छूटने नहीं देने का आह्वान किया।

संक्षिप्त डायरी

भक्ति में सराबोर हुआ पटना का इस्कॉन मंदिर, सहस्र जल महाभिषेक के बाद गजावेश में दिए प्रभु श्री जगन्नाथ ने दिव्य दर्शन

पटना (एजेंसी) ज्येष्ठ पूर्णिमा पर श्री जगन्नाथ स्नान उत्सव श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया गया. सहस्त्र जल महाभिषेक, छप्पन भोग और गजावेश दर्शन ने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया. पटना से सुबोध कुमार नंदन की रिपोर्ट राजधानी के बुद्ध मार्ग स्थित इस्कॉन मंदिर में सोमवार को ज्येष्ठ पूर्णिमा के अवसर पर श्री जगन्नाथ स्नान उत्सव श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाया गया. हरे कृष्ण संकीर्तन से शुरू हुए इस धार्मिक आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया. सहस्र जल से हुआ भगवान का महाभिषेक कार्यक्रम के दौरान भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा का पंचगव्य एवं सहस्त्र जल से महाभिषेक किया गया. महाभिषेक के बाद भगवान को छप्पन भोग अर्पित किया गया. इसके पश्चात महाप्रभु ने पारंपरिक गजावेश में भक्तों को दिव्य दर्शन दिए. महाआरती के बाद श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद का वितरण किया गया. स्नान पूर्णिमा का धार्मिक महत्व इस्कॉन टीएमसी के को-चेयरमैन रमण मनोहर दास ने बताया कि ज्येष्ठ पूर्णिमा को देव पूर्णिमा या स्नान पूर्णिमा भी कहा जाता है. पौराणिक मान्यता के अनुसार राजा इंद्रद्युम्न ने इसी दिन भगवान जगन्नाथ का प्रथम स्नान उत्सव आयोजित किया था. उन्होंने बताया कि महाभिषेक के बाद भगवान 15 दिनों के अनासर काल में विश्राम करते हैं और इसके बाद आषाढ़ शुक्ल द्वितीया को भव्य रथयात्रा के लिए प्रस्थान करते हैं. महाभिषेक होते प्रभु श्री जगन्नाथ में गजावेश की परंपरा का इतिहास टीएमसी सदस्य राधापति चरण दास ने बताया कि भगवान जगन्नाथ ने अपने परम भक्त गणपति भट्ट को गणेश स्वरूप में दर्शन दिए थे. इसी घटना की स्मृति में स्नान पूर्णिमा के अवसर पर भगवान को गजावेश में सजाने की परंपरा आज भी निभाई जाती है. श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़ स्नान उत्सव के दौरान मंदिर परिसर भक्तों की उपस्थिति से गुलजार रहा. वेणू विनोद दास सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भगवान जगन्नाथ के दर्शन कर पूजा-अर्चना की और महाप्रसाद ग्रहण किया. धार्मिक माहौल और संकीर्तन से पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय हो उठा.

बिहार बोर्ड 9वीं से 12वीं तक की क्वार्टरली परीक्षा कल से शुरू

पटना (एजेंसी) बिहार विद्यालय परीक्षा समिति के तहत 9वीं से 12वीं तक की त्रैमासिक परीक्षा कल से शुरू होगी. परीक्षा दो पालियों में आयोजित होगी और 11 जुलाई 2026 तक परिणाम तैयार करने का निर्देश दिया गया है. बिहार विद्यालय परीक्षा समिति ने शैक्षणिक सत्र 2026-28 के तहत कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों के लिए त्रैमासिक परीक्षा का कार्यक्रम जारी कर दिया है. परीक्षा बुधवार से शुरू होगी और 11 जुलाई 2026 तक परिणाम तैयार करने का निर्देश सभी विद्यालयों को दिया गया है. छात्रों की शैक्षणिक प्रगति का होगा आकलन बोर्ड के अनुसार इस परीक्षा का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति का आकलन करना और आगामी बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी का मूल्यांकन करना है. जिला शिक्षा पदाधिकारी, विद्यालय प्रधान और शिक्षकों को परीक्षा के सुचारु संचालन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं. 12वीं की परीक्षा 1 से 6 जुलाई तक कक्षा 12वीं की त्रैमासिक परीक्षा 1 जुलाई से 6 जुलाई तक आयोजित की जाएगी. परीक्षा प्रतिदिन दो पालियों में होगी. प्रथम पाली सुबह 9.30 बजे से दोपहर 12.45 बजे तक और द्वितीय पाली दोपहर 2 बजे से शाम 5.15 बजे तक आयोजित होगी. 9वीं और 10वीं की परीक्षा 3 दिन में पूरी कक्षा 9वीं और 10वीं की त्रैमासिक परीक्षा 1 जुलाई से 3 जुलाई तक आयोजित की जाएगी. जिला शिक्षा कार्यालय की ओर से अधिकतर स्कूलों के प्राचार्यों को उत्तर पुस्तिकाएं पहले ही वितरित कर दी गई हैं. प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए 15 मिनट अतिरिक्त समय बिहार बोर्ड ने सभी परीक्षार्थियों को प्रत्येक पाली में प्रश्नपत्र पढ़ने और समझने के लिए अतिरिक्त 15 मिनट का समय देने का निर्देश दिया है. दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के लिए विशेष सुविधा पहले की तरह जारी रहेगी.

पटना में दधीचि समिति ने अभिनंदन एवं सम्मान समारोह का किया आयोजन

पटना (एजेंसी) पटना में दधीचि देहदान समिति की ओर से आयोजित अभिनंदन एवं सम्मान समारोह में अंगदान, नेत्रदान और देहदान के प्रति लोगों को जागरूक किया गया. समारोह में नवनियुक्त पदाधिकारियों का सम्मान किया गया और समाज में अंगदान की महत्ता पर विस्तार से चर्चा हुई. : दधीचि देहदान समिति की ओर से सोमवार को बिहार इंडस्ट्रीज एसोसिएशन परिसर में अभिनंदन एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में अंगदान और देहदान के प्रति लोगों को जागरूक करने के साथ समिति के पदाधिकारियों का सम्मान किया गया. पदाधिकारियों का हुआ अभिनंदन समारोह की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष एवं पूर्व राज्यपाल गंगा प्रसाद ने की. इस अवसर पर समिति के उपाध्यक्ष संजय सत्यदर्शी, जिन्हें बिहार का महाधिवक्ता नियुक्त किया गया है, उपाध्यक्ष डॉ. संजीव चौरसिया, सचिव सुषमा साहू तथा उपाध्यक्ष डॉ. एम. रहमान को अंगवस्त्र एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया. अंगदान और देहदान के लिए किया प्रेरित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गंगा प्रसाद ने कहा कि समिति के पदाधिकारियों की उपलब्धियां पूरे संगठन के लिए गर्व का विषय हैं. उन्होंने समाज में अंगदान और देहदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया. मरणोपरांत देहदान के निर्णय की सराहना समारोह में समिति के उपाध्यक्ष संजय सत्यदर्शी द्वारा अपनी माताजी के मरणोपरांत नेत्रदान एवं देहदान कराने के निर्णय की उपस्थित सदस्यों ने मुक्तकंठ से सराहना की. इसे समाज के लिए प्रेरणादायी पहल बताया गया. कई गणमान्य सदस्य रहे उपस्थित कार्यक्रम में समिति के उपाध्यक्ष डॉ. सुभाष प्रसाद, महासचिव पद्मश्री बिमल जैन, कोषाध्यक्ष प्रदीप चौरसिया, मुकेश हिसारिया, सुनील पूर्वे, आनंद प्रधान, संजीव यादव, गोविंद कानोडिया, संजय पूर्वे सहित समिति के अनेक सदस्य उपस्थित रहे. समारोह के अंत में अध्यक्ष गंगा प्रसाद ने सभी पदाधिकारियों और सदस्यों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की.

मीठापुर-न्यू बाइपास फ्लाइओवर जुलाई के दूसरे सप्ताह से होगा चालू, पटनावासियों को जाम से मिलेगी राहत

पटना (एजेंसी) पटना में मीठापुर फ्लाइओवर से न्यू बाइपास जाने वाले मार्ग पर करबिगहिया गोलंबर के पास बने फ्लाइओवर रैंप पर अगले माह के दूसरे सप्ताह से आवागमन शुरू होने की संभावना है. उत्तर दिशा का रैंप तैयार है, जबकि दक्षिण दिशा का रैंप अगस्त तक पूरा होगा. इससे ट्रैफिक जाम से राहत मिलने की उम्मीद है. टना से प्रमोद झा की रिपोर्ट मीठापुर फ्लाइओवर से न्यू बाइपास की ओर जाने वाले लोगों को अगले माह के दूसरे सप्ताह से बड़ी राहत मिलने वाली है. करबिगहिया गोलंबर के पास बनाए जा रहे फ्लाइओवर रैंप पर आवागमन शुरू होने की तैयारी अंतिम चरण में है. रैंप का निर्माण पूरा हो चुका है और फिलहाल फिनिशिंग का कार्य तेजी से चल रहा है. पहले सप्ताह में फिनिशिंग पूरी होने के बाद उद्घाटन की तैयारी की जाएगी. जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी इसका उद्घाटन कर सकते हैं. उत्तर दिशा का रैंप तैयार, अगले माह से होगा चालू मीठापुर फ्लाइओवर को न्यू बाइपास की ओर जाने वाले पहले से तैयार फ्लाइओवर से जोड़ने के लिए सड़क के दोनों ओर दो रैंप बनाए जा रहे हैं. सड़क के उत्तर दिशा वाले रैंप का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है. अब अंतिम फिनिशिंग का काम चल रहा है. इसके पूरा होने के बाद अगले माह के दूसरे सप्ताह से इस रैंप पर वाहनों का परिचालन शुरू कर दिया जाएगा. करबिगहिया गोलंबर पर जाम से मिलेगी राहत नए रैंप के चालू होने के बाद मीठापुर फ्लाइओवर से सीधे न्यू बाइपास की ओर जाना आसान हो जाएगा. इससे करबिगहिया गोलंबर पर लगने वाले ट्रैफिक जाम में भी काफी कमी आने की उम्मीद है. रोजाना इस मार्ग से गुजरने वाले हजारों वाहन चालकों को इसका सीधा लाभ मिलेगा. दक्षिण दिशा का रैंप अगस्त तक होगा तैयार करबिगहिया गोलंबर के दक्षिण दिशा में बन रहे दूसरे रैंप पर अभी दो स्पैन में गर्डर चढ़ाने का कार्य शेष है.

15 अगस्त पर 30 हजार भूमिहीन परिवारों को मिलेगा सबसे बड़ा तोहफा! सरकार देगी वासभूमि का मालिकाना हक

पटना (एजेंसी) बिहार सरकार 15 अगस्त 2026 को 'अभियान बसेरा-02' के तहत 30 हजार पात्र भूमिहीन परिवारों को वासभूमि के बंदोबस्ती प्रमाण-पत्र वितरित करेगी। इसके लिए सभी जिलों को 31 जुलाई तक प्रमाण-पत्र तैयार करने और नए पात्र परिवारों का पोर्टल पर पंजीकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। अभियान की समीक्षा मुख्यालय स्तर पर हर सप्ताह की जाएगी। राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल ने कहा है कि राज्य सरकार का लक्ष्य है कि बिहार का कोई भी पात्र भूमिहीन परिवार वासभूमि के अधिकार से वंचित न रहे। इसी उद्देश्य से 'अभियान बसेरा-02' के तहत आगामी 15 अगस्त, 2026 को राज्यव्यापी विशेष अभियान चलाकर 30 हजार पात्र

भूमिहीन परिवारों के बीच वासभूमि के बंदोबस्ती प्रमाण-पत्र वितरित किए जाएंगे। 71 हजार से अधिक परिवारों को पहले ही मिल चुका लाभ डॉ. जायसवाल ने कहा कि सरकार गरीब एवं भूमिहीन परिवारों को सम्मानजनक जीवन देने के लिए लगातार कार्य कर रही है। अभियान बसेरा-02 के माध्यम से अब तक राज्य के 71,569 पात्र परिवारों को वासभूमि उपलब्ध कराने की दिशा में बंदोबस्ती प्रमाण-पत्र दिए जा चुके हैं। अब स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर एक और बड़े अभियान के जरिए हजारों नए लाभुकों को इस योजना से जोड़ा जाएगा। 31 जुलाई तक सभी प्रमाण-पत्र तैयार करने का निर्देश राजस्व मंत्री ने बताया कि इस संबंध में विभाग के सचिव जय सिंह ने सभी जिलाधिकारियों को विस्तृत निर्देश जारी कर दिए हैं। सभी जिलों को लाभुकों की सूची का पुनरीक्षण कर अंतिम रूप देने, नए पात्र परिवारों का 'अभियान बसेरा' पोर्टल पर पंजीकरण सुनिश्चित करने तथा 31 जुलाई, 2026 तक सभी बंदोबस्ती प्रमाण-पत्र तैयार कर हस्ताक्षर की प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं। ऑनलाइन होगी पूरी प्रक्रिया, विशेष शिविरों में मिलेगा प्रमाण-पत्र उन्होंने कहा कि प्रमाण-पत्र वितरण की पूरी प्रक्रिया 'अभियान बसेरा' पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन संपन्न होगी, जिससे पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित की जा सके। 15 अगस्त को जिला मुख्यालयों पर आयोजित मुख्य समारोह अथवा विशेष शिविरों में जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में लाभुकों को प्रमाण-पत्र सौंपे जाएंगे। हर सप्ताह होगी मुख्यालय स्तर पर समीक्षा डॉ. जायसवाल ने कहा कि इस अभियान की प्रगति की मुख्यालय स्तर पर प्रत्येक सप्ताह समीक्षा की जाएगी। उन्होंने सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे स्वयं अभियान की नियमित समीक्षा करें तथा निर्धारित समय-सीमा के भीतर सभी तैयारियां पूरी करते हुए साप्ताहिक प्रगति प्रतिवेदन विभाग को उपलब्ध कराएं। पटना समेत इन जिलों को मिला सबसे अधिक लक्ष्य विभाग ने सभी 38 जिलों के लिए कुल 30,000 बंदोबस्ती प्रमाण-पत्र वितरण का लक्ष्य निर्धारित किया है। सर्वाधिक लक्ष्य पटना (1,709), पूर्वी चंपारण (1,493), मुजफ्फरपुर (1,405), मधुबनी (1,314), गया (1,285), समस्तीपुर (1,247), सारण (1,157) और दरभंगा (1,153) सहित अन्य जिलों के लिए तय किया गया है। 'हर पात्र भूमिहीन परिवार तक पहुंचे योजना का लाभ' डॉ. दिलीप जायसवाल ने कहा कि भूमिहीन गरीब परिवारों को वासभूमि का अधिकार दिलाना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। स्वतंत्रता दिवस पर 30 हजार परिवारों को बंदोबस्ती प्रमाण-पत्र देकर उनके जीवन में स्थायी सुरक्षा और सम्मान का नया अध्याय जोड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि सभी जिलों को समयबद्ध तरीके से लक्ष्य पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि कोई भी पात्र परिवार इस अभियान के लाभ से वंचित न रहे।

पांडव सेना का सरगना मोस्ट वांटेड संजय सिंह गिरफ्तार, पत्नी ने भेजा वीडियो मैसेज, जानिए कुख्यात की क्राइम कुंडली

पटना (एजेंसी) करीब 30 सालों से एक्टिव और कई संगीन मामलों में आरोपित संजय सिंह को बिहटा रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार कर लिया गया. वह अपनी पत्नी और बच्चों के साथ विक्रमशिला एक्सप्रेस से पटना लौट रहा था. गुप्त सूचना के बिहार एसटीएफ ने मंगलवार की सुबह कार्रवाई करते हुए बिहार के टॉप कुख्यात अपराधियों की लिस्ट में शामिल और पांडव सेना के सरगना संजय सिंह को बिहटा रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार कर लिया. वह दिल्ली से अपनी पत्नी और बच्चों के साथ विक्रमशिला एक्सप्रेस से पटना लौट रहा था. गुप्त सूचना के आधार पर एसटीएफ ने जीआरपी के सहयोग से रेलवे स्टेशन पर घेराबंदी कर उसे हिरासत में ले लिया.

संजय सिंह का आपराधिक इतिहास जानकारी के मुताबिक, संजय सिंह पटना जिले के मसौढ़ी थाना इलाके के निमा गांव का निवासी है और लंबे समय से पुलिस की गिरफ्त से बाहर चल रहा था. एसटीएफ के अनुसार, संजय सिंह के खिलाफ बिहार समेत झारखंड के अलग-अलग जिलों में हत्या, हत्या के प्रयास, रंगदारी, नरसंहार, अपहरण, अवैध हथियार रखने, लूट, आपराधिक साजिश, अवैध खनन, भू-माफिया गतिविधियों और अनुसूचित जाति एवं जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम समेत अलग-अलग धाराओं में दो दर्जन से अधिक मामले दर्ज हैं. साल 1996 से 2025 तक उसका लंबा आपराधिक इतिहास रहा है. पटना, जहानाबाद, भागलपुर, हजारीबाग, रांची सहित कई जिलों के थानों में उसके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज है. बिहार की अन्य ताजा खबरों के लिए यहां क्लिक करें

एके-47 बरामदगी मामले में भी था वांछित एसटीएफ ने बताया कि संजय सिंह बिहटा थाना कांड संख्या 672/2025 में एके-47 बरामदगी मामले में भी वांछित था. इस मामले में उसके खिलाफ गंभीर धाराओं में प्राथमिकी दर्ज है. इसी मामले में उसकी तलाश की जा रही थी. गुप्त सूचना मिलने के बाद विशेष टीम ने कार्रवाई कर उसे गिरफ्तार किया. जांच एजेंसियों को उम्मीद है कि पूछताछ से अवैध हथियारों की आपूर्ति, संगठित अपराध और उसके नेटवर्क से जुड़े कई महत्वपूर्ण खुलासे हो सकते हैं. नेटवर्क खंगालने में जुटी पुलिस गिरफ्तारी के बाद एसटीएफ संजय सिंह से पूछताछ कर रही है.

पुलिस उसके आपराधिक नेटवर्क, सहयोगियों और हाल के सालों में हुई आपराधिक घटनाओं में उसकी भूमिका की जांच कर रही है. अधिकारियों का कहना है कि पूछताछ के दौरान कई अहम खुलासे होने की संभावना है. पुलिस का मानना है कि इस गिरफ्तारी से संगठित अपराध के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान को बड़ी सफलता मिली है.

पत्नी ने वीडियो जारी कर जताई अनहोनी की आशंका संजय सिंह की पत्नी पुष्पा कुमारी ने एक वीडियो जारी कर अपने पति के साथ अनहोनी की आशंका जताई है. उन्होंने दावा किया कि वह अपने पति और बच्चों के साथ दिल्ली से विक्रमशिला एक्सप्रेस से पटना आ रही थीं. रास्ते में जीआरपी ने उनके पति को अपने साथ ले लिया. पूछने पर उन्हें बताया गया कि बिहटा पुलिस ने उन्हें हिरासत में लिया है. उन्होंने पुलिस से अपने पति की सुरक्षा सुनिश्चित करने और कानून के अनुसार कार्रवाई करने की मांग की है.

बिहार के इन 26 जिलों में आज तेज बारिश का अलर्ट, बिजली गिरने की भी चेतावनी, IMD की एडवाइजरी जारी

पटना (एजेंसी) बिहार के सभी जिलों में अब धीरे-धीरे मॉनसून एक्टिव हो रहा है. कई जिलों में बादल छाए हुए हैं. मौसम विभाग की ओर से आज 26 जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है. इस दौरान तेज बारिश के साथ बिजली गिरने की भी संभावना है. बिहार में आज मौसम विभाग की तरफ से 26 जिलों में आंधी-तूफान के साथ बारिश को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है. सोमवार को ही कई जिलों में मौसम ने अचानक करवट लिया. पटना समेत कई जिलों में काले बादल छाए और हल्की बारिश भी दर्ज की गई. लेकिन लोगों को उमस वाली गर्मी से कुछ खास राहत नहीं मिल सकी. इन 26 जिलों में अलर्ट जारी मौसम विभाग ने जिन 26 जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है, उनमें पूर्वी चंपारण, पश्चिम चंपारण, शिवहर, सीतामढ़ी, मधुबनी, गोपालगंज, सीवान, सारण, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, वैशाली, समस्तीपुर, बेगूसराय, बक्सर, भोजपुर, पटना, अरवल, जहानाबाद, नालंदा, लखीसराय, शेखपुरा, गया,

नवादा, कैमूर, औरंगाबाद और रोहतास शामिल है. बिगड़े मौसम में लोगों से सावधान रहने की भी अपील की गई है. इन जिलों में भारी बारिश की चेतावनी इसके अलावा सुपौल, अररिया, किशनगंज, सहरसा, मधेपुरा, पूर्णिया, कटिहार, खगड़िया, भागलपुर, मुंगेर, बांका और जमुई जिले में येलो अलर्ट जारी किया गया है. बिहार के 5 जिलों में आज भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है. मौसम विभाग की माने तो, तेज आंधी तूफान के साथ पश्चिम चंपारण, शिवहर, सीतामढ़ी, दरभंगा और वैशाली जिले में भारी बारिश का पूर्वानुमान है. अगले 3 से 4 दिनों तक मौसम का पूर्वानुमान मौसम विभाग की माने तो, अगले 3 से 4 दिनों तक इसी तरह का मौसम बना रहेगा. पटना समेत दक्षिण बिहार के जिलों में भी झमाझम बारिश की संभावना है. इस दौरान तेज हवा के साथ बिजली गिरने की भी चेतावनी जारी की गई है. मौसम विभाग के मुताबिक, आज से पटना और इसके आस-पास के जिले जैसे कि गया, नालंदा, भोजपुर, बक्सर, औरंगाबाद, नवादा, कैमूर, रोहतास और जहानाबाद में बादल छाए रहने की संभावना है. साथ ही शहर में बादलों की आवाजाही के साथ बारिश से मौसम सामान्य बने रहने के आसार है. मौसम में बदलाव आने के साथ शहर के अधिकतम तापमान में गिरावट दर्ज की गई. बीते 24 घंटे के दौरान शहर के अधिकतम तापमान में चार डिग्री सेल्सियस की गिरावट के साथ अधिकतम तापमान 35.4 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 30.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया. मौसम विभाग के अनुसार मंगलवार से बारिश की गतिविधियों में तेजी आने की संभावना है.

बिहार के सभी विभागों में इस्तेमाल होंगे अक टूल्स, सरकार ने 15 अगस्त तक का रखा लक्ष्य

पटना (एजेंसी) बिहार के सभी विभागों में अब एआई टूल्स का इस्तेमाल किया जाएगा. सरकार की ओर से 15 अगस्त तक सभी विभागों में एआई का इस्तेमाल शुरू कर दिए जाने का लक्ष्य तय किया गया है. इसके साथ ही पटना में ग्लोबल एआई सेंटर भी स्थापित किया जाएगा. हार सरकार ने 15 अगस्त तक अधिक-से-अधिक विभागों में एआई आधारित समाधान लागू करने का लक्ष्य तय किया है. टाइगर एनालिटिक्स ने अगले एक साल में पटना में 200 एक्सपट्र्स वाला ग्लोबल एआई सेंटर स्थापित करने की घोषणा की है. सोमवार को पटना में एआई कॉन्क्लेव 2026 का आयोजन किया गया था. राज्य को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और डिजिटल गवर्नेंस में अग्रणी बनाने की दिशा में वैश्विक एआई और एडवांस्ड एनालिटिक्स कंपनी टाइगर एनालिटिक्स की ओर से यह आयोजन किया गया था. सम्मेलन में सरकार, एकेडमिक्स और टेक्निकल एक्सपर्ट ने बिहार के एआई रोडमैप और डिजिटल एरा में एआई की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की. मुख्य सचिव बोले- आने वाले समय में बनेगा गेमचेंजर राज्य के मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने कहा कि बिहार सरकार अब प्रशासनिक कामकाज में एआई का व्यापक उपयोग करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है. सरकार का लक्ष्य है कि 15 अगस्त तक अधिक-से-अधिक विभागों में एआई आधारित समाधान लागू कर दिए जायेंगे, ताकि सरकारी प्रक्रियाएं तेज, पारदर्शी और नागरिकों के लिए अधिक सुविधाजनक बन सकें. बिहार की अन्य ताजा खबरों के लिए यहां क्लिक करें इस संबंध में मुख्यमंत्री और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री के साथ भी विस्तृत चर्चा हो चुकी है और सभी विभागों के समन्वय से कार्य किया जाएगा. एआई आने वाले समय का सबसे बड़ा गेम चेंजर है. सरकार ने कई नीतियां बनाई हैं और उन्हें लागू भी किया है, लेकिन अब सबसे बड़ी चुनौती यह सुनिश्चित करना है कि इनका वास्तविक लाभ आम लोगों तक पहुंचे. इसके लिए एआई की मदद से नीतियों के प्रभाव का विश्लेषण किया जाएगा. पटना में स्थापित होगा ग्लोबल एआई सेंटर टाइगर एनालिटिक्स के सीईओ महेश कुमार ने कहा कि एआई के क्षेत्र में बिहार तेजी से राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना रहा है. राज्य में स्थापित देश के सबसे बड़े एआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित हो रहा है. टाइगर एनालिटिक्स अगले एक साल में पटना में 200 एक्सपट्र्स वाला ग्लोबल एआई सेंटर स्थापित करेगा. यह टीम वैश्विक फॉर्च्यून-500 कंपनियों के लिए अत्याधुनिक एआई, रिसर्च और इनोवेशन परियोजनाओं पर काम करेगी. राज्य के इंजीनियरिंग कॉलेजों के स्टूडेंट्स को इंटर्नशिप उपलब्ध कराने और स्कूलों और कॉलेजों में बड़े पैमाने पर एआई ट्रेनिंग कार्यक्रम चलाया जाएगा. अगले कुछ सालों में करीब 5,000 छात्रों को उन्नत एआई ट्रेनिंग देने का लक्ष्य रखा गया है. बिहार को देश का अग्रणी एआई और नवाचार केंद्र बनाया जा सकता है.

पटना की 200 फैक्ट्रियां हाई-रिस्क पर, 27 टीमें करेंगी ऑडिट, अग्निकांड के बाद जागा प्रशासन

पटना (एजेंसी) पटना के दीदारगंज में तेल फैक्ट्री में लगी भीषण आग के बाद प्रशासन एक्शन में आ गया है. बिहार अग्निशमन सेवा की 27 विशेष टीमों ने जिले की करीब 1000 फैक्ट्रियों और गोदामों का फायर ऑडिट शुरू कर दिया है. नियमों में लापरवाही मिलने पर सीधे सीलिंग की कार्रवाई होगी. पटना के दीदारगंज में डालडा और रिफाइंड ऑयल के गोदाम में लगी भीषण आग के बाद प्रशासन ने कड़ा रुख अपना लिया है. इस घटना में शॉर्ट सर्किट की वजह से 50 लाख से ज्यादा का नुकसान हुआ और 22 दमकल गाड़ियों को मशक्कत करनी पड़ी. इस हादसे के बाद अब पटना की तमाम औद्योगिक इकाइयों की सुरक्षा जांच के लिए बिहार अग्निशमन सेवा ने 27 विशेष टीमों को मैदान

में उतार दिया है. यह टीमें चरणबद्ध तरीके से सभी फैक्ट्रियों, गोदामों और कमर्शियल सेंटरों का फायर ऑडिट करेंगी. केमिकल और प्लास्टिक जैसी हाई-रिस्क फैक्ट्रियों पर पहला वार इस अभियान के तहत सबसे पहले उन फैक्ट्रियों और गोदामों की जांच की जाएगी जहां केमिकल, खाने का तेल, प्लास्टिक, पेंट और अन्य तुरंत आग पकड़ने वाले सामानों का काम होता है. जिला अग्निशमन पदाधिकारी रितेश पांडेय ने चेतावनी दी है कि जांच में कमी मिलने पर पहले नोटिस दिया जाएगा. इसके बाद भी अगर तय समय में सुधार नहीं हुआ, तो फायर एनओसी रद्द कर दी जाएगी, फैक्ट्री को सील कर दिया जाएगा और मालिकों पर कानूनी केस दर्ज होगा. पटना के इन इलाकों में सबसे ज्यादा खतरा, सड़कें भी हैं संकरी पटना जिले में लगभग 700 से 1000 छोटी-बड़ी औद्योगिक इकाइयां और गोदाम चल रहे हैं. इनमें से करीब 150 से 200 इकाइयां ऐसी हैं जिन्हें हाई-रिस्क की कैटेगरी में रखा गया है. आंकड़ों के मुताबिक, 70 फीसदी से ज्यादा फैक्ट्रियां पूर्वी पटना के दीदारगंज-फतुहा-पटना सिटी बेल्ट और बिहटा औद्योगिक क्षेत्र में हैं. दीदारगंज, फतुहा और गुलजारबाग जैसे इलाकों में संकरी सड़कें, घनी आबादी और ज्वलनशील पदार्थों का भारी स्टॉक होने की वजह से आग लगने पर राहत काम बहुत मुश्किल हो जाता है. पिछले डेढ़ साल में हुए कई बड़े हादसे पटना में पिछले डेढ़ साल के अंदर यह दूसरा बड़ा हादसा है. इससे पहले 31 मार्च 2025 को बाढ़ के गुलाबबाग में एक केमिकल फैक्ट्री में भीषण आग लगी थी, जहां धमाकों के बीच 200 फीट ऊंची लपटें उठी थीं. इसके अलावा जनवरी 2026 में कर्मलीचक के प्लास्टिक गोदाम और सितंबर 2025 में फतुहा की फोम फैक्ट्री में भी भयंकर आग लग चुकी है. इससे पहले विभाग ने सख्त रुख अपनाते हुए 110 होटलों, कई कोचिंग सेंटरों, अस्पतालों और बड़ी बिल्डिंगों की जांच कर 100 से ज्यादा संस्थानों को नोटिस थमाया था. अब ठीक वैसी ही कड़ाई फैक्ट्रियों पर भी की जा रही है.

ये हैं जेईई मेन परीक्षा क्रैक करने के लिए जरूरी टिप्स

जेईई मेन एग्जाम की डेट नजदीक आ रही है। इस परीक्षा का पहला सेशन फरवरी के अंतिम सप्ताह में आयोजित किया जाएगा, जिसमें लाखों उम्मीदवार अपनी काबिलियत को आजमाएंगे। देश के टॉप इंजीनियरिंग संस्थानों में दाखिले के लिए होने वाली इस परीक्षा को देश की सबसे कठिन प्रवेश परीक्षाओं में से एक माना जाता है। अगर आप भी इस परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं तो आपको यहां पर हम जेईई मेंस की प्रिपरेशन प्लानिंग के बारे में पूरी जानकारी और टिप्स देंगे।

सिलेबस को समझ कर बनाएं प्लान

जेईई मेन की तैयारी के लिए छात्रों को प्रभावी प्लान बनाने की जरूरत पड़ेगी और इसमें मदद करेंगा परीक्षा का सिलेबस। सबसे पहले सिलेबस को समझे और इसके आसान और कठिन विषयों को ध्यान में रखकर अपनी प्रिपरेशन प्लानिंग बनाएं। अपनी क्षमता और स्पीड के आधार पर, तीनों विषयों को शामिल करते हुए एक डेली प्रिपरेशन प्लान बनाएं। इसका नियमित रूप से पालन भी करें।

बेहतर टाइम टेबल बनाएं

इस परीक्षा की तैयारी के लिए सही टाइम टेबल होना बहुत जरूरी है। टाइम टेबल को अपने परीक्षा पैटर्न को ध्यान में रखकर बनाएं। इस परीक्षा में उम्मीदवारों को 90 प्रश्नों में से 75 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक पेपर की अवधि 3 घंटे है। प्रत्येक विषय में 20 एमसीक्यू और 10 न्यूमेरिकल प्रश्न होंगे, जिनमें से 5 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। एमसीक्यू के लिए, प्रत्येक सही उत्तर के लिए 4 अंक दिए जाएंगे और प्रत्येक गलत उत्तर के लिए 1 अंक काटा जाएगा। वहीं, न्यूमेरिकल प्रश्नों में सही उत्तर के लिए 4 अंक दिए जाएंगे और इस खंड में कोई निगेटिव मार्किंग नहीं है।

मौजूदा टॉपिक को पूरा करें

इस परीक्षा के पहले अटेम्ट के लिए अब दो माह से कम समय बचा है। इसलिए तैयारी में आपको पूरा जोर लगाना पड़ेगा। अब समय आ गया है कि इस परीक्षा के प्रमुख टॉपिक को आप पूरा कर लें। उसके बाद दूसरे टॉपिक को शुरू करें। यह तरीका आगे चलकर आपके लिए महत्वपूर्ण पहलू साबित होगा, क्योंकि जेईई मेन की तैयारी के अंतिम चरण के दौरान, उम्मीदवारों को अधिक जोर नहीं लगाना पड़ेगा।

फ्लैश कार्ड तैयार करें

इस परीक्षा की तैयारी के लिए शॉर्ट नोट्स बनाना बेहद महत्वपूर्ण है। फ्लैशकार्ड और शॉर्ट नोट्स तैयार करने का उद्देश्य मुख्य परीक्षा के आयोजन में जब एक सप्ताह का समय बचा हो, उस समय अधिक से अधिक समय को बचाकर इनसे तैयारी कर सकें। इनसे उम्मीदवार जल्दी से इन शॉर्ट नोट्स और फ्लैश नोट्स के माध्यम से पढ़ाई कर सकेंगे और अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं को दोहरा सकेंगे।

सैंपल पेपर्स की प्रैक्टिस करें

जेईई मेंस परीक्षा की तैयारी के लिए लगातार सैंपल पेपर और प्रश्न पत्रों को हल करें। जेईई मेन प्रश्न पत्र को हल करने का उद्देश्य उम्मीदवारों को उनकी तैयारी के स्तर को जानने में सक्षम बनाना है। इससे, उम्मीदवार यह पता लगाने में सक्षम होंगे कि वे हर विषय में प्रत्येक प्रश्न को हल करने में कितना समय ले रहे हैं। साथ ही क्या वे अपने समय का उचित प्रबंधन कर पा रहे हैं या नहीं, यह समझ भी उनमें आएगी। जितना अधिक वे प्रश्नों को हल करेंगे, उन्हें पता चल जाएगा कि वे कौन से क्षेत्र हैं जिनमें उन्हें अधिक काम करना होगा ताकि परीक्षा के दिन कोई कठिनाई न आए। वे अपनी कमियों को दूर कर अपनी प्रदर्शन में सुधार कर सकते हैं।

लगातार मॉक टेस्ट दें

अब सभी परीक्षा के लिए मॉक टेस्ट बेहद जरूरी हो गया है। यह हमें परीक्षा से पहले असपल परीक्षा का एहसास कराता है। अगर आप जेईई मेन की तैयारी कर रहे हैं, तो प्रतिदिन एक मॉक टेस्ट जरूर देने की कोशिश करें। इससे जेईई मेन प्रवेश परीक्षा के दिन उम्मीदवारों को किसी तरह के प्रेशर का सामना नहीं करना पड़ेगा।

रिवीजन जरूर करें

सभी परीक्षा के लिए रिवीजन बहुत ही जरूरी है। इसके बिना परीक्षा को क्रैक नहीं कर सकते। इसलिए, उम्मीदवारों को समय रहते जो कुछ पढ़ा है उसे अच्छी तरह से दोहरा लेना चाहिए। इससे टॉपिक को याद करने में काफी मदद मिलेगी। आप जो भी टॉपिक पढ़े उसका हर सप्ताह रिवीजन भी करें। इससे आपको याद करते में मदद मिलेगी।

डेंटल हाइजीनिस्ट बनकर संवारें अपना कॅरियर

डेंटल हाइजीनिस्ट एक दंत पेशेवर है जो मौखिक स्वास्थ्य में माहिर है। इनका मुख्य काम आमतौर पर मौखिक स्वच्छता और देखभाल में तकनीकों पर ध्यान केंद्रित करना होता है। दंत चिकित्सक और डेंटल हाइजिनिस्ट मरीजों की मौखिक स्वास्थ्य जरूरतों को पूरा करने के लिए एक साथ काम करते हैं। शरीर के अन्य भागों की तरह ही दांत भी मनुष्य के शरीर का एक अहम हिस्सा हैं। आमतौर पर ओरल हेल्थ का ख्याल रखना बेहद ही जरूरी माना जाता है और लोग इसका ख्याल रखते भी हैं। हालांकि दांतों व ओरल हेल्थ से संबंधित कई बार लोगों को कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ता है और ऐसे में एक पेशेवर की जरूरत पड़ती है। वैसे जब ओरल हेल्थ को लेकर डॉक्टर का ख्याल आता है तो हम सभी डेंटिस्ट के पास जाना पसंद करते हैं। लेकिन अब, दंत चिकित्सा तेजी से बदल रही है, कई अवसरों और चुनौतियों का निर्माण कर रही है। दंत चिकित्सकों के रूप में मुख्य कॅरियर के अलावा, दंत चिकित्सा सहायक, डेंटल हाइजीन के क्षेत्र में भी आप कॅरियर के अवसर तलाश सकते हैं। तो चलिए आज हम जानते हैं कि डेंटल हाईजीनिस्ट बनकर आप अपना कॅरियर कैसे संवार सकते हैं-

क्या होता है काम

कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि डेंटल हाइजीनिस्ट एक दंत पेशेवर है जो मौखिक स्वास्थ्य में माहिर है। इनका मुख्य काम आमतौर पर मौखिक स्वच्छता और देखभाल में तकनीकों पर ध्यान केंद्रित करना होता है। दंत चिकित्सक और डेंटल हाइजिनिस्ट मरीजों की मौखिक स्वास्थ्य जरूरतों को पूरा करने के लिए एक साथ काम करते हैं। डेंटल हाइजिनिस्ट अमूमन डेंटिस्ट को मरीजों के दांतों की देखभाल करने और अच्छे मौखिक स्वास्थ्य को मेंटेन रखने में रोगियों को शिक्षित करने में सहायता करते हैं। डेंटल हाइजीनिस्ट के कुछ अधिक विशिष्ट कर्तव्यों में दांतों से टार्टर और प्लाक को हटाना, दांतों की सुरक्षा के लिए फ्लोराइड या सीलेंट लगाना, एक्स-रे लेना और उचित मौखिक स्वच्छता पर मरीजों को शिक्षित करना शामिल है। हाइजीनिस्ट मरीजों को अपने दांतों की देखभाल के बारे में बात करने में समय बिताते हैं। वे लोगों को उन प्रभावों के बारे में शिक्षित करते हैं जो उनके आहार और जीवन शैली का उनके दांतों पर प्रभाव डालते हैं। साथ ही वे दांतों को स्वस्थ रखने के लिए तकनीकों और आदतों के बारे में बताते हैं।

शैक्षिक योग्यता

डेंटल हाइजीनिस्ट कोर्स को कई डेंटल कॉलेजों में डिप्लोमा या सर्टिफकिट कोर्स के रूप में पेश किया जाता है। जो छात्र डेंटल हाइजीनिस्ट का कोर्स करना चाहते हैं, उन्हें 12वीं की परीक्षा भौतिकी, रसायन विज्ञान और जीव विज्ञान विषय में पास करना अनिवार्य है।

व्यक्तिगत योग्यता

कॅरियर एक्सपर्ट के अनुसार, डेंटल हाइजीनिस्ट की आंखों की रोशनी, सुनने और संचार कौशल अच्छा होना चाहिए। किसी भी अन्य चिकित्सा क्षेत्र के साथ, उन्हें दूसरों की मदद करने की तीव्र इच्छा होनी चाहिए, और दंत चिकित्सकों के निर्देशों का बारीकी से पालन करने में सक्षम होना चाहिए। इसके अलावा, अच्छा पारस्परिक कौशल, धैर्य, परिश्रम और उच्च स्तर की सटीकता एक अच्छा हाइजीनिस्ट होने के लिए आवश्यक कौशल हैं। एक टीम के रूप में काम करने की क्षमता भी इस क्षेत्र में सफलता प्राप्त करने के लिए आवश्यक है।

संभावनाएं ही संभावनाएं

दंत चिकित्सा के क्षेत्र में बतौर डेंटल हाइजीनिस्ट बनकर भी आप एक अच्छा कॅरियर देख सकते हैं। एक डेंटल हाईजीनिस्ट अस्पताल से लेकर कम्युनिटी डेंटल सर्विस के रूप में काम कर सकते हैं। इसके अलावा वे पीरियोडोंटिक्स या बाल चिकित्सा दंत चिकित्सा में भी काम कर सकते हैं। डेंटल हाईजीनिस्ट डेंटल हॉस्पिटल, आर्म्ड फोर्स, पब्लिक हेल्थ सेक्टर व प्राइवेट रूप से भी प्रैक्टिस कर सकते हैं।

आमदनी

डेंटल हाईजीनिस्ट की आमदनी उनकी शिक्षा, अनुभव व स्थान के आधार पर भिन्न होती है। एक डेंटल हाईजीनिस्ट की आमदनी घंटे, दिन, सैलरी या कमिशन बेस पर हो सकती है। हालांकि इस क्षेत्र में एक फ्रेशर प्रति माह आठ से दस हजार रूपए वेतन प्राप्त कर सकता है।

प्रमुख संस्थान

- भारत इंस्टीट्यूट ऑफ पैरामेडिकल एंड मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी, नई दिल्ली
- भारत यूनिवर्सिटी, चेन्नई
- जया पैरामेडिकल कॉलेज एंड एजुकेशनल इंस्टीट्यूट, हरियाणा
- लक्ष्मी बाई इंस्टीट्यूट ऑफ डेंटल साइंसेस एंड हॉस्पिटल, पटियाला

कृषि का अध्ययन करने के बाद एक सफल उद्यमी कैसे बनें

उद्यमिता और कृषि बिलकुल एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। कृषि एक उद्योग है, जो दुनिया भर में है और धरती की पूरी आबादी को प्रभावित करता है। और यह सही है कि कृषि उद्यमी की हमेशा जरूरत रहेगी। उद्यमिता आजकल हर जगह पाई जा सकती है। हर पेशे में एक उद्यमी क्षेत्र होता है। उस विशेष क्षेत्र में कृषि निश्चित रूप से बहुत अहम भूमिका निभाता है। उद्यमिता और कृषि बिलकुल एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। कृषि एक उद्योग है, जो दुनिया भर में है और धरती की पूरी आबादी को प्रभावित करता है। और यह सही है कि कृषि उद्यमी की हमेशा जरूरत रहेगी।

उद्यमिता क्षेत्र के किसान आजकल अपने खेतों को व्यवसाय मानते हैं और वे उन्हें ऐसा ही मानेंगे। वे जोखिम लेने के लिए तैयार हैं, वे नई और इनोवेटिव तकनीकों का इस्तेमाल करेंगे और सामान्य तौर पर वे अपनी सामर्थ्य के हिसाब से सब कुछ करेंगे जो उन विचारों के साथ आएंगे जो उनके लाभ को अधिकतम करेंगे, उनके प्रयास को कम करेंगे और उनके व्यवसाय को बढ़ाएंगे। आर्थिक वृद्धि और विकास के लिए उद्यमियों की भूमिका को मान्यता देते हुए विश्वविद्यालय और कॉलेज स्तर में कई पाठ्य कार्यक्रमों ने छात्रों के उद्यमिता कौशल को विकसित करने के लिए एक विषय के रूप में उद्यमिता को शामिल किया है। हालांकि, मौजूदा समय में नौकरियों को भरने के लिए कॉलेज में इस विषय का अध्ययन करने वाले पर्याप्त छात्र नहीं हैं। और इसके परिणामस्वरूप सफल कृषि व्यवसाय चलाने के अनुभव वाले कम लोग ही होंगे।

कृषि-उद्यमी बनने के लिए जरूरी कदम

प्रक्रिया का पहला चरण- यदि उद्यमिता की अवधारणा के साथ खुद को परिचित करना है तो आपको यह समझने की आवश्यकता है कि उद्यमशीलता क्या है और यह आपके खेत को कैसे लाभ पहुंचा सकती है।

दूसरा कदम- कृषि की दुनिया के सभी नए नए विचारों के बारे में सीखना है। नई सामग्रियों और उर्वरकों से लेकर नई मशीनों और प्रौद्योगिकियों तक। इससे आपको अपने खेत को एक वास्तविक बड़े व्यवसाय के रूप में कल्पना करने में और उन सभी छोटी छोटी चीजों को व्यवस्थित करने में, जो आपको याद आ रही हैं, काफी मदद मिलेगी।

तीसरा कदम- एक साझेदारी बनाना है। एक उद्यमी के रूप में सफल होने के लिए ऐसी बहुत सी चीजें हैं जिनकी आपको आवश्यकता होगी और आपको उन चीजों को प्रदान करने के लिए किसी की आवश्यकता भी संभवत: हो सकती है। उन लोगों के साथ सही साझेदारी बनाएं, जो आपके सपने और सफलता की महत्वाकांक्षा को साझा करते हैं।

चौथा कदम- कृषि के क्षेत्र में 'धमाकेदार' के साथ अपना नया 'स्टार्ट-अप' व्यवसाय शुरू करना है। आपको एक बहुत मजबूत और ठोस व्यवसाय योजना की आवश्यकता है। आपको कुछ जोखिम भी उठाने पड़ सकते हैं। यह जानना कि आप किस उद्देश्य से काम कर रहे हैं, सही व्यवसाय योजना बनाना बहुत कठिन काम नहीं है।

आपके लिए यह याद रखना अत्यंत महत्वपूर्ण है कि साझेदारी आपके कृषि व्यवसाय के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। यदि आप वास्तव में सफल उद्यमी बनना चाहते हैं तो आपको यह सुनिश्चित करना होगा कि आप जो भी सहायता प्राप्त कर सकते हैं, उसका ठीक से उपयोग करेंगे।

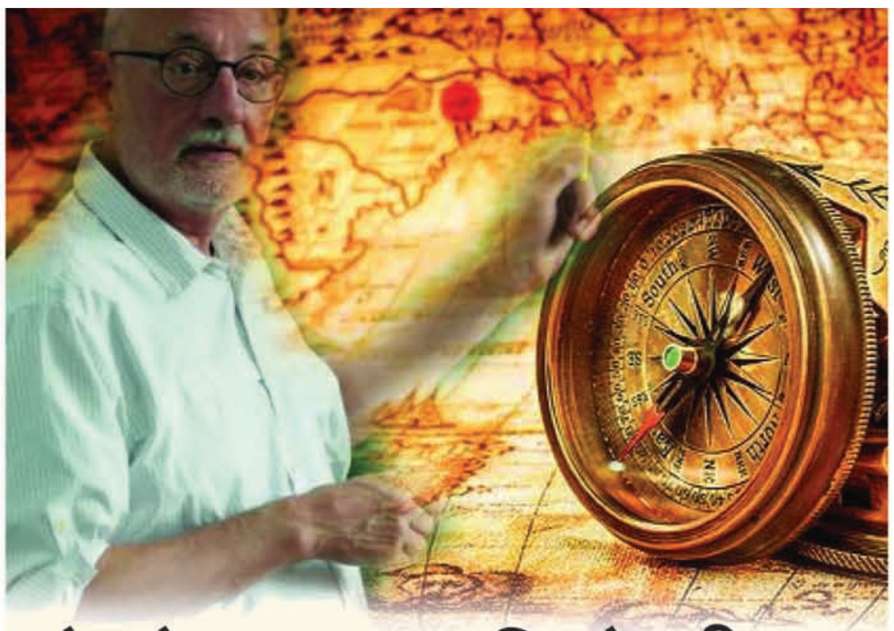

कैसे बनाएं अभिलेखीय विज्ञान में कॅरियर

प्रत्येक स्थान का इतिहास हजारों पांडुलिपियों, अभिलेखों, शिलालेखों, दस्तावेजों आदि में अंतर्निहति है, इन अद्वितीय अभिलेखों को वैज्ञानिक रूप से संरक्षित और अभिलेखीय अभिलेख या आर्काइवल रिकॉर्ड्स कहा जाता है, जो किसी विशेष क्षेत्र और समाज के इतिहास को समझने में मदद करते हैं। आमतौर पर लोग म्यूजियम, आर्काइव्स और लाइब्रेरी को लेकर भ्रमित हो जाते हैं, क्योंकि ये सभी सांस्कृतिक संस्थाएं हैं, जो सांस्कृतिक विरासत के संग्रह और संरक्षण से संबंधित हैं। यह तीनों ही इतिहास को संरक्षित रखने में मदद करते हैं, लेकिन फिर भी इनमें अंतर है। जहां, संग्रहालय ऐतिहासिक कलाकृतियों और वस्तुओं पर ध्यान केंद्रित करते हैं, वहीं पुस्तकालय में प्रकाशित पुस्तकों, पत्रिकाओं आदि को रखा जाता है, जबकि आर्काइव्स अभिलेखों पर ध्यान केंद्रित करने में माहिर हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बताते हैं कि अभिलेखीय विज्ञान में कॅरियर कैसे बनाएं-

क्या होता है काम

कॅरियर एक्सपर्ट कहते हैं कि एक व्यक्ति जो अभिलेखागार में काम करता है, उसे पेशेवर रूप से एक अभिलेखागार या आर्काइवल के रूप में जाना जाता है। अभिलेखागार ऐतिहासिक रिकॉर्ड संग्रह का प्रबंधन करने के लिए मानकों का पालन करते हैं। वे उन अभिलेखों का मूल्यांकन, संग्रह, आयोजन, संरक्षण और रखरखाव करते हैं, जिनके पास अतीत की विश्वसनीय यादों के रूप में स्थायी मूल्य होते हैं। वे ऐसे लोग हैं जो राष्ट्रीय और स्थानीय अभिलेखागार, विश्वविद्यालयों, अस्पतालों, व्यवसायों, आदि में दस्तावेजीकरण के लिए जिम्मेदार हैं, वे कानूनी, वित्तीय और प्रशासनिक उद्देश्यों के लिए रिकॉर्ड को संरक्षित और सुलभ बनाते हैं।

शैक्षणिक योग्यता

कॅरियर एक्सपर्ट के अनुसार, अधिकांश कॉलेज और विश्वविद्यालय सूचना विज्ञान के साथ एक सहायक विषय के रूप में अभिलेखीय विज्ञान पढ़ाते हैं। वहीं, भारत में कुछ संस्थान ऐसे भी हैं, जो अभिलेखीय विज्ञान में सर्टिफकिट और डिप्लोमा पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं जैसे कि अभिलेखागार में पीजी प्रमाणपत्र, अभिलेखागार अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा, अभिलेखागार में स्नातकोत्तर डिप्लोमा, अभिलेखागार में स्नातकोत्तर डिप्लोमा और अभिलेखागार और प्रबंधन और प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा आदि।

व्यक्तिगत गुण

कॅरियर एक्सपर्ट कहते हैं कि एक आर्काइविस्ट में बेहतर कम्युनिकेशन स्किन के अलावा एनालिटकल एंड रिसर्च स्किल्स, प्रॉब्लम सॉल्विंग स्किल्स और आर्गेनाइजेशनल एबिलिटी होना बेहद जरूरी है। उन्हें धैर्य रखने के अलावा सटीक, पूरी तरह से समझने और क्या जानकारी रखने के बारे में अच्छे निर्णय लेने में सक्षम होने की आवश्यकता है। उन्हें एक सुव्यवस्थित और व्यवस्थित तरीके से काम करना चाहिए, जानकारी को निजी रखने और दबाव में अच्छी तरह से काम करने में सक्षम होना चाहिए। इसके अलावा, एक आर्काइविस्ट को कंप्यूटर और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का भी सही तरह से इस्तेमाल करना आना चाहिए।

कॅरियर एक्सपर्ट कहते हैं कि एक व्यक्ति जो अभिलेखागार में काम करता है, उसे पेशेवर रूप से एक अभिलेखागार या आर्काइवल के रूप में जाना जाता है। अभिलेखागार ऐतिहासिक रिकॉर्ड संग्रह का प्रबंधन करने के लिए मानकों का पालन करते हैं।

संभावनाएं

आर्काइविस्ट विभिन्न संगठनों जैसे संग्रहालयों, सरकारी एजेंसियों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों, औद्योगिक और वाणिज्यिक फर्मों, ऐतिहासिक सोसाइटी, निगमों और अन्य कई संस्था में काम कर सकते हैं। वहीं, सरकारी क्षेत्रों में रोजगार की तलाश करने वालों को संघ लोक सेवा आयोग या कर्मचारी चयन आयोग द्वारा आयोजित परीक्षाओं को पास करना होगा। भारत के राष्ट्रीय अभिलेखागार, संस्कृति मंत्रालय का एक संबद्ध कार्यालय, जो राष्ट्र के सभी महत्वपूर्ण दस्तावेजों और अभिलेखागार का प्रबंधन करता है, अपनी विभिन्न इकाइयों में योग्य उम्मीदवारों को नौकरी के विभिन्न अवसर प्रदान करता है।

इस क्षेत्र में एक फ्रेशर शुरुआती वेतन 10000 रुपये से लेकर 15000 रुपये प्रति माह तक कमा सकता है। अनुभवी और योग्य पेशेवर प्रति माह लगभग 20,000 रुपये का वेतन प्राप्त कर सकते हैं। वहीं अनुभव बढ़ने के साथ-साथ आपकी आमदनी भी बढ़ती है।

प्रमुख संस्थान

- नेशनल आर्काइव्स ऑफ इंडिया, नई दिल्ली
- पटना यूनिवर्सिटी, पटना
- महर्षि दयानंद सरस्वती यूनिवर्सिटी, अजमेर
- द गांधीग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, तमिलनाडु

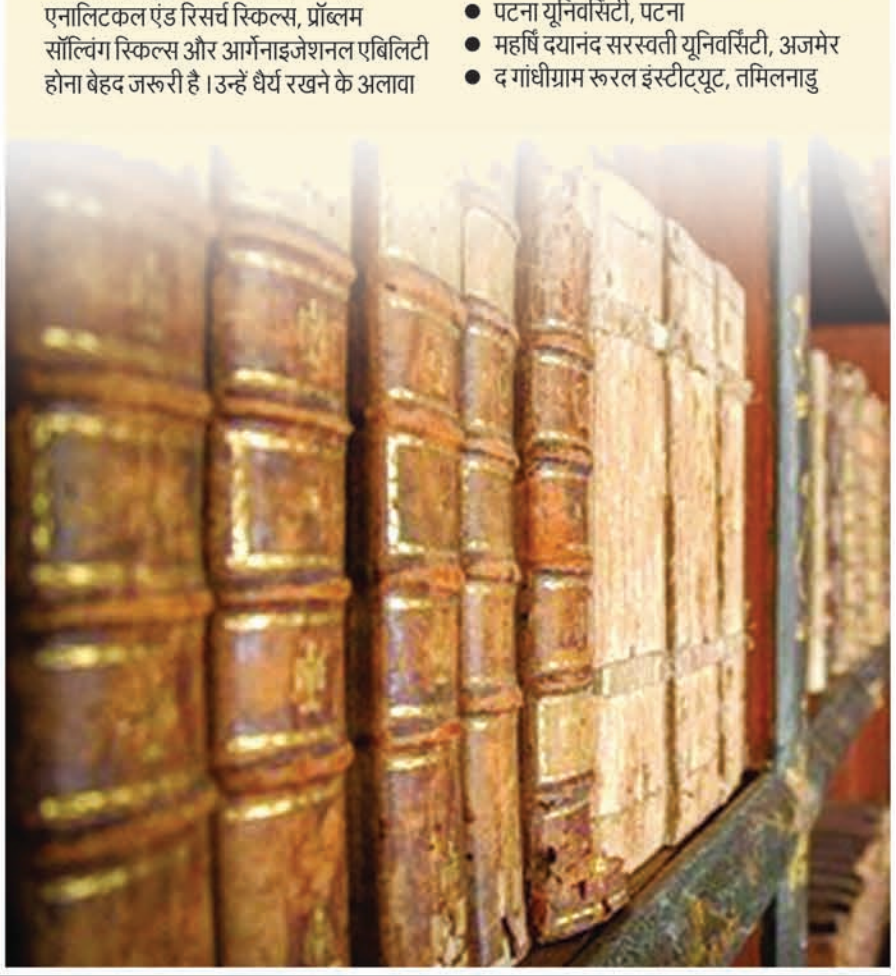

फीफा विश्व कप : कनाडा की ऐतिहासिक जीत देखने के लिए 1.18 करोड़ दर्शक टीवी से जुड़े, बना नया रिकॉर्ड

एजेंसी

ओटावा : फीफा विश्व कप 2026 में दक्षिण अफ्रीका पर कनाडा की ऐतिहासिक नॉकआउट जीत ने देश में नया रिकॉर्ड बना दिया है। कनाडा की इस जीत को करीब 1.18 करोड़ (11.8 मिलियन) कनाडाई लोगों ने टेलीविजन पर देखा, जो विश्व कप इतिहास में फाइनल मुकाबलों को छोड़कर कनाडा में सबसे ज्यादा देखा गया नॉकआउट मैच बन गया। फीफा मीडिया ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया पोस्ट में बताया कि मुकाबले के दौरान औसतन 52 लाख (5.2 मिलियन) दर्शक मैच से जुड़े रहे। यह आंकड़ा फिलहाल शुरूआती (ओवरनाइट) व्यूअरशिप डेटा पर आधारित है, जबकि अंतिम समेकित आंकड़े टूर्नामेंट के बाद जारी किए जाएंगे। कनाडा ने पहली बार फीफा विश्व कप के नॉकआउट चरण में जीत दर्ज कर इतिहास रचा है। सह-मेजबान टीम अब 4 जुलाई को अंतिम-16 में मोरक्को से भिड़ेगी। मोरक्को ने प्री-क्वार्टर फाइनल में नीदरलैंड्स को रोमांचक मुकाबले में पेनल्टी शूटआउट में 3-2 से हराकर अंतिम-16 में जगह बनाई। निर्धारित समय और अतिरिक्त समय तक मुकाबला 1-1 की बराबरी पर रहा था। नीदरलैंड्स के लिए कोडी गाक्पो ने गोल किया, जबकि मोरक्को की ओर से इसा दियोप ने इंजरी टाइम में बराबरी का गोल दागकर मैच को अतिरिक्त समय में पहुंचाया। पेनल्टी शूटआउट में गोलकीपर यासीन बूनू ने क्रिसेंसियो समरविल की पेनल्टी रोक दी, जिसके बाद इस्माइल साइबारी ने निर्णायक पेनल्टी गोल में बदलकर मोरक्को को जीत दिलाई। अब कनाडा और मोरक्को के बीच होने वाला मुकाबला क्वार्टर फाइनल में जगह तय करेगा।

शूटआउट में नीदरलैंड्स को हराकर अंतिम-16 में पहुंचा मोरक्को

मेक्सिको : फीफा विश्व कप 2026 के प्री-क्वार्टर फाइनल में मंगलवार को मोरक्को ने रोमांचक मुकाबले में नीदरलैंड्स को पेनल्टी शूटआउट में 3-2 से हराकर अंतिम-16 में प्रवेश कर लिया। निर्धारित 90 मिनट और अतिरिक्त समय तक मुकाबला 1-1 की बराबरी पर समाप्त हुआ था। मोरक्को के गोलकीपर यासीन बूनू ने शूटआउट में शानदार प्रदर्शन करते हुए नीदरलैंड्स के चौथे पेनल्टी शॉट को रोक दिया। इसके बाद इस्माइल साइबारी ने निर्णायक पेनल्टी को गोल में बदलकर अपनी टीम को यादगार जीत दिलाई। अब अंतिम-16 में मोरक्को का सामना कनाडा से होगा। दूसरे हाफ के मध्य में कोडी गाक्पो ने गोल कर नीदरलैंड्स को 1-0 की बढ़त दिलाई। यह गोल उनके लिए भावनात्मक भी रहा क्योंकि कुछ दिन पहले ही उनकी साथी ने अपने अजन्मे बच्चे के निधन की जानकारी दी थी। गोल के बाद गाक्पो भावुक हो गए और साथी खिलाड़ियों ने उन्हें घेरकर सांत्वना दी। हालांकि, मुकाबले के पहले मिनट के इंजरी टाइम में इसा दियोप ने चेम्सदीन ताल्बी के क्रॉस पर शानदार हेडर लगाकर स्कोर 1-1 कर दिया और मैच को अतिरिक्त समय में पहुंचा दिया। पहले हाफ में मोरक्को ने अधिक खतरनाक मौके बनाए।

पेनल्टी शूटआउट में पैराग्वे की ऐतिहासिक जीत, जर्मनी का सफर खत्म

फॉक्सबोरो : चार बार की विश्व चैंपियन जर्मनी का फीफा विश्व कप 2026 का सफर सोमवार को सनसनीखेज अंदाज में समाप्त हो गया। पैराग्वे ने 120 मिनट तक मुकाबला 1-1 से बराबरी पर रहने के बाद पेनल्टी शूटआउट में जर्मनी को 4-3 से हराकर टूर्नामेंट के अंतिम-16 में जगह बना ली। निर्णायक पेनल्टी जोसे कैनाले ने गोल में बदलकर पैराग्वे को ऐतिहासिक जीत दिलाई। यह विश्व कप इतिहास में पैराग्वे की सबसे बड़ी जीत मानी जा रही है। 2010 में क्वार्टर फाइनल तक पहुंचने वाली टीम ने लंबे अंतराल के बाद विश्व कप में वापसी करते हुए अब प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई है। अब उसका सामना फ्रांस और स्वीडन के बीच होने वाले मुकाबले की विजेता टीम से होगा। जर्मनी ने मैच की शुरूआत से ही गेंद पर कब्जा बनाए रखा। कोच जूलियन नागेल्समैन ने आक्रामक रणनीति अपनाते हुए इस विश्व कप में तीन गोल और दो असिस्ट करने वाले डेनिज उंडाव को पहली बार शुरूआती एकादश में शामिल किया। जर्मनी ने पहले हाफ में लगातार दबाव बनाया, लेकिन कोई भी शॉट लक्ष्य पर नहीं लगा सका। इसका फायदा पैराग्वे ने 35वें मिनट के बाद उठाया। मिगुएल अल्मीरोन की वापसी के साथ टीम ने शानदार जवाबी हमला किया और जूलियो एनसिसो ने दमदार हेडर के जरिए गोल कर पैराग्वे को 1-0 की बढ़त दिला दी।

एशियाई खेल के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम घोषित, हरमनप्रीत कौर को मिली कप्तानी

एजेंसी

नई दिल्ली : भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की महिला चयन समिति ने सितंबर 2026 में जापान के ऐची-नागोया में होने वाले 2026 एशियाई खेलों के लिए मंगलवार को भारतीय महिला क्रिकेट टीम की घोषणा कर दी है। टीम की कमान एक बार फिर हरमनप्रीत कौर को सौंपी गई है, जबकि स्मृति मंधाना उपकप्तान होंगी। भारतीय महिला टीम इस टूर्नामेंट में गत चैंपियन के रूप में उतरेगी। भारत ने 2023 में चीन के हांगझोऊ में आयोजित एशियाई खेलों में महिला क्रिकेट का स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचा था। अब टीम उस सफलता को दोहराने के इरादे से जापान जाएगी। टीम में अनुभवी खिलाड़ियों के साथ युवा प्रतिभाओं को भी मौका दिया गया है। सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, दीप्ति शर्मा, विकेटकीपर ऋचा घोष और जी. कमलिनी टीम का हिस्सा हैं। वहीं गेंदबाजी विभाग में रेणुका ठाकुर, अरुंधति रेड्डी, राधा यादव, श्री चरणी, क्रांति गौड़ और नंदिनी शर्मा को शामिल किया गया है। हालांकि, ऑलराउंडर श्रेयंका पाटिल का चयन उनकी फिटनेस क्लियरेंस के अधीन रखा गया है।

2026 एशियाई खेलों के लिए भारतीय महिला टीम
हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष (विकेटकीपर), जी. कमलिनी (विकेटकीपर), भारती फुलमाली, श्री चरणी, रेणुका ठाकुर, क्रांति गौड़, अरुंधति रेड्डी, श्रेयंका पाटिल* (फिटनेस क्लियरेंस के अधीन), राधा यादव, नंदिनी शर्मा।

डीपीएल सीजन-3 की नीलामी आज, ऋषभ पंत और प्रतिका रावल पर होंगी निगाहें

एजेंसी

नई दिल्ली : दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) टी-20 के तीसरे सीजन के लिए खिलाड़ियों की बहुप्रतीक्षित नीलामी 1 जुलाई को नई दिल्ली में होगी। सुबह 9 बजे शुरू होने वाली इस नीलामी में आठ पुरुष और चार महिला फ्रेंचाइजी आगामी सीजन के लिए अपनी-अपनी टीमों का गठन करेंगी।

इस बार नीलामी में 600 से अधिक खिलाड़ी शामिल होंगे। इनमें 400 से अधिक पुरुष और 200 से ज्यादा महिला खिलाड़ी शामिल हैं। नीलामी से पहले फ्रेंचाइजी 65 पुरुष और 28 महिला खिलाड़ियों को रिटेन कर चुकी हैं। दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) अध्यक्ष रोहन जेटली ने कहा कि खिलाड़ियों की नीलामी दिल्ली क्रिकेट कैलेंडर का सबसे रोमांचक आयोजन है। उन्होंने कहा, ₹यही वह दिन है जब टीमें आकार लेती हैं और फ्रेंचाइजी पूरे सीजन की रणनीति तय करती हैं। डीपीएल अब दिल्ली क्रिकेट का ऐसा मंच बन चुका है, जहां स्थापित खिलाड़ियों के साथ-साथ युवा प्रतिभाओं को भी अपनी पहचान बनाने का अवसर मिलता है। आठों पुरुष फ्रेंचाइजी को 1.50 करोड़ रुपये का पर्स आवंटित किया गया था। रिटेन खिलाड़ियों पर खर्च की गई राशि काटने के बाद बची रकम के साथ टीमें नीलामी में उतरेंगी, जबकि चारों महिला फ्रेंचाइजी को 75 लाख रुपये का पर्स दिया गया है, जिसमें से रिटेन खिलाड़ियों की राशि पहले ही समायोजित की जा चुकी है।

बेल्जियम दौरे के लिए भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम घोषित, अनमोल एक्का को सौंपी गई कप्तानी

एजेंसी

नई दिल्ली : हॉकी इंडिया ने 5 से 18 जुलाई 2026 तक होने वाले बेल्जियम एक्सपोजर टूर के लिए मंगलवार को 22 सदस्यीय भारतीय जूनियर (अंडर-21) पुरुष हॉकी टीम की घोषणा कर दी है। यह दौरा नए मुख्य कोच फ्रेडरिक सोयेज के मार्गदर्शन में टीम का पहला अंतरराष्ट्रीय असाइनमेंट होगा और इस साल होने वाले एफआईएच जूनियर पुरुष एशिया कप की तैयारियों का अहम हिस्सा माना जा रहा है। भारतीय टीम इस दौरे में यूरोप की मजबूत टीमों के खिलाफ छह मुकाबले खेलेगी। भारत दो-दो मैच ऑस्ट्रिया और बेल्जियम के खिलाफ खेलेगा, जबकि जर्मनी और नीदरलैंड्स के खिलाफ एक-एक मुकाबला होगा। टीम की कमान डिफेंडर अनमोल एक्का को सौंपी गई है। गोलकीपर के रूप में विवेक लकड़ा और कुणाल तिवातिया को शामिल किया गया है।

भारतीय टीम में चार ऐसे खिलाड़ी शामिल हैं, जिन्होंने एफआईएच जूनियर पुरुष विश्व कप तमिलनाडु 2025 में भारत को कांस्य पदक दिलाने वाली टीम का हिस्सा थे। इनमें अनमोल एक्का, आद्रोहित एक्का, अजीत यादव और रोहित कुल्लू शामिल हैं। मुख्य कोच फ्रेडरिक सोयेज ने कहा कि यह दौरा खिलाड़ियों के लिए तकनीकी, सामरिक और मानसिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण होगा। उन्होंने कहा, हम चाहते हैं कि इस दौरे से टीम के खेल में तालमेल, सामरिक अनुशासन और अहम मौकों पर बेहतर प्रदर्शन देखने को मिले। साथ ही खिलाड़ियों को शीर्ष स्तर की अंतरराष्ट्रीय हॉकी की चुनौतियों को समझने और लंबे समय तक लगातार अच्छा प्रदर्शन करने का अनुभव मिलेगा।

संक्षिप्त खबरें

जिम्बाब्वे ने रचा इतिहास, बांग्लादेश को पारी और 85 रन से हराकर दर्ज की सबसे बड़ी टेस्ट जीत

हरारे : जिम्बाब्वे ने हरारे में खेले गए एकमात्र टेस्ट मैच में बांग्लादेश को पारी और 85 रन से हराकर इतिहास रच दिया। यह टेस्ट क्रिकेट में जीत के अंतर के लिहाज से जिम्बाब्वे की अब तक की सबसे बड़ी जीत है। मेजबान टीम ने मुकाबला तीसरे दिन दूसरे सत्र में ही समाप्त कर दिया। जिम्बाब्वे की जीत के नायक तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी, रिचर्ड नगारवा और न्यूमैन न्यामहुरी रहे। तीनों गेंदबाजों ने मिलकर मैच में कुल 17 विकेट झटके और बांग्लादेश की बल्लेबाजी को दोनों पारियों में पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। मैच के पहले दिन जिम्बाब्वे के गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बांग्लादेश को पहली पारी में केवल 140 रन पर समेट दिया। न्यूमैन न्यामहुरी ने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 4/61 विकेट लिए, जबकि ब्लेसिंग मुजरबानी और ब्रैड इवांस ने दो-दो विकेट हासिल किए। इसके जवाब में जिम्बाब्वे ने सामूहिक बल्लेबाजी का शानदार प्रदर्शन किया। इनोसेंट काइया ने अपने टेस्ट करियर का पहला शतक जड़ते हुए 140 रन बनाए। उनके अलावा क्रेग एर्विन (60) और वेस्ली मधेवेरे ने भी महत्वपूर्ण योगदान दिया, जिससे जिम्बाब्वे ने 410 रन बनाकर 270 रन की विशाल बढ़त हासिल की। हालांकि, बांग्लादेश के स्पिनर तैजुल इस्लाम ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 7/138 विकेट लिए और टेस्ट क्रिकेट में बांग्लादेश के लिए सबसे ज्यादा 5 विकेट लेने के मामले में शाकिब अल हसन (19 बार) की बराबरी कर ली। 230 रन पीछे से तीसरे दिन बल्लेबाजी शुरू करने उतरी बांग्लादेशी टीम शुरूआत से ही दबाव में रही। ब्लेसिंग मुजरबानी ने अतिरिक्त उछाल का फायदा उठाते हुए महमूदुल हसन जॉय और मोमिनुल हक को जल्दी आउट कर दिया। इसके बाद कप्तान नजमुल हुसैन शांतो और मुशफिकुर रहीम ने कुछ संघर्ष जरूर किया, लेकिन दोनों बड़ी पारी नहीं खेल सके। मुशफिकुर ने टीम की ओर से सर्वाधिक 34 रन बनाए। मध्यक्रम के बल्लेबाज भी जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाजों के सामने टिक नहीं सके। पदार्पण कर रहे अमित हसन और तैजुल इस्लाम ने कुछ देर संघर्ष किया, लेकिन साझेदारी टूटते ही बांग्लादेश की पारी तेजी से बिखर गई। अंत में बांग्लादेश की दूसरी पारी 185 रन पर सिमट गई और जिम्बाब्वे ने पारी और 85 रन से ऐतिहासिक जीत दर्ज कर ली।

'खेल तुम्हें हमेशा याद रखेगा', युवराज सिंह ने बेन स्टोक्स को दी भावुक विदाई

नई दिल्ली : इंग्लैंड के स्टार ऑलराउंडर बेन स्टोक्स के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद दुनियाभर के क्रिकेटरों की प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। इसी कड़ी में भारत के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह ने भी सोशल मीडिया पर भावुक पोस्ट शेयर करते हुए स्टोक्स को उनके शानदार करियर के लिए बधाई दी और उन्हें आधुनिक क्रिकेट के सबसे बेहतरीन खिलाड़ियों में से एक बताया। युवराज सिंह ने अपने पोस्ट में स्टोक्स के करियर के सबसे यादगार पलों का जिक्र किया। उन्होंने लिखा, 'वर्ल्ड कप फाइनल की वह पारी जिसे देखने वाला कभी नहीं भूल सकता। हेडिंग्ले में खेली गई 135 रन की नाबाद पारी जिसने असंभव को संभव बना दिया। मानसिक स्वास्थ्य जैसे मुद्दे पर खुलकर बोलने का साहस, पिता को खोने का दर्द और हर बार मजबूती से वापसी करना... यही तुम्हें महान बनाता है। युवराज ने अपने जीवन के संघर्षों का जिक्र करते हुए कहा कि वह स्टोक्स की यात्रा को अच्छी तरह समझते हैं। उन्होंने लिखा, 'मैं जानता हूं कि एक दिन दुनिया की बुलंदियों पर होना और अगले ही दिन सबसे मुश्किल दौर से गुजरना कैसा होता है। मैंने वही सफर तुम्हारे अंदर भी देखा। महान खिलाड़ी रिकॉर्ड या ट्रॉफियों से नहीं, बल्कि हर बार गिरकर दोबारा खड़े होने की क्षमता से बनते हैं।'युवराज ने स्टोक्स की उपलब्धियों की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने लिखा, '15 साल... दो वर्ल्ड कप विजेता पदक... ऐसा कप्तान जिसने अपनी टीम को यकीन दिलाया कि कुछ भी असंभव नहीं है। क्रिकेट तुम्हें हमेशा बेहतरीन खिलाड़ियों में गिनेगा। अपने संदेश के आखिर में युवराज सिंह ने स्टोक्स को भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए लिखा, 'शानदार करियर के लिए बधाई। क्रिकेट तुम्हें मिस करेगा बेन। जीवन की नई पारी का भरपूर आनंद लो, तुमने इसे पूरी तरह डिजर्व किया है। बेन स्टोक्स ने न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की। अपने 15 साल लंबे करियर में उन्होंने इंग्लैंड को दो ICC वर्ल्ड कप जिताने में अहम भूमिका निभाई। इसके अलावा एशेज सीरीज में उनकी ऐतिहासिक पारियां और टेस्ट कप्तान के रूप में 'बैजबॉल' युग की शुरूआत भी हमेशा याद रखी जाएगी।

इंग्लैंड दौरे पर कप्तानी से ज्यादा बल्लेबाजी की चुनौती होगी : पुजारा

नई दिल्ली : भारत के अनुभवी बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा का मानना है कि इंग्लैंड के खिलाफ आगामी टी20 सीरीज में कप्तानी संभालने जा रहे श्रेयस अय्यर के सामने बड़ी चुनौती होगी। हालांकि, उन्होंने अय्यर की नेतृत्व क्षमता पर पूरा भरोसा जताते हुए कहा कि उनकी असली परीक्षा कप्तानी नहीं, बल्कि बल्लेबाजी में होगी। पुजारा ने जियोस्टार से बातचीत में कहा कि इंग्लैंड की सरजमीं पर टी20 सीरीज जीतना आसान नहीं होगा। अगर श्रेयस अय्यर इस सीरीज में टीम इंडिया को जीत दिलाते हैं तो वह विराट कोहली और रोहित शर्मा के बाद इंग्लैंड में टी20 सीरीज जीतने वाले तीसरे भारतीय कप्तान बन जाएंगे। उन्होंने कहा, 'श्रेयस अय्यर के लिए विराट कोहली और रोहित शर्मा के बाद इंग्लैंड में टी20 सीरीज जीतने वाले तीसरे भारतीय कप्तान बनना आसान नहीं होगा। इंग्लैंड की परिस्थितियों में खेलना हमेशा चुनौतीपूर्ण रहता है। वह पहली बार भारत की टी20 टीम की कप्तानी कर रहे हैं और लगभग दो साल बाद इस फॉर्मेट में वापसी कर रहे हैं, इसलिए चुनौती बड़ी है।' हालांकि पुजारा को कप्तान के तौर पर अय्यर पर कोई संदेह नहीं है। उन्होंने आईपीएल 2026 में पंजाब किंग्स के साथ उनके प्रदर्शन की तारीफ करते हुए कहा कि इसी वजह से उन्हें भारतीय टीम की कप्तानी सौंपी गई है। पुजारा ने कहा, 'कप्तान के रूप में मुझे श्रेयस अय्यर पर कोई शक नहीं है। उन्होंने आईपीएल में पंजाब किंग्स के साथ शानदार काम किया है। वह आक्रामक सोच वाले कप्तान हैं, सामने से नेतृत्व करते हैं और खिलाड़ियों को खुलकर खेलने की आजादी देते हैं। कप्तानी में वह सफल रहेंगे। इसके साथ ही उन्होंने कहा, 'लेकिन उनकी असली परीक्षा बल्लेबाजी होगी। उन्हें मिडिल ऑर्डर में खुद को साबित करना होगा और इंग्लैंड की परिस्थितियों में रन बनाकर दिखाने होंगे। पुजारा ने 15 वर्षीय युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को लेकर भी अपनी राय रखी। उनका मानना है कि भारतीय टीम के मजबूत टॉप ऑर्डर को देखते हुए फिलहाल उन्हें प्लेइंग इलेवन में मौका मिलना मुश्किल है। उन्होंने कहा कि वैभव बेहद प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं, लेकिन मौजूदा टीम संयोजन को देखते हुए उनके तत्काल अंतरराष्ट्रीय डेब्यू की संभावना कम नजर आती है।

देश में पहली बार मध्य प्रदेश की 12 उद्यानिकी फसलों को मिला जीआई टैग

एजेंसी

भोपाल : मध्य प्रदेश ने इतिहास बनाते हुए एक साथ 12 उद्यानिकी फसलों के लिए भौगोलिक संकेतक हासिल करने में सफलता हासिल की है। देश में यह पहली बार हुआ है, जब एक साथ इतनी बड़ी संख्या में जीआई टैग मिला है। जनसम्पर्क अधिकारी अवनीश सोमकुवर ने मंगलवार को बताया कि प्रदेश की जिन उद्यानिकी फसलों को जीआई टैग मिला है, उनमें गुना का धनिया, नरसिंहपुर बरमान घाट का बेंगन, बैतूल गजरिया आम, खरगौरी की लाल मिर्च, मांडू की खुरसानी इमली, जबलपुर का मटर, सिवनी का सीताफल, मालवी आलू और गराडू, नरसिंहपुर गुड, जबलपुर सिंघाड़ा, आलीराजपुर का नूरजहां आम, बुरहानपुर का केला, इंदौरी जीरावन, रतलाम सैलाना बालम ककड़ी और छतरपुर का पान शामिल है। उन्होंने बताया कि इसके अलावा उज्जैन की इमली, आलीराजपुर का अचारी आम, मालवा का सफेद प्याज, झाबुआ का दाल पानिया, मंदसौर का देशी जीरा, बुरहानपुर की जलेबी, अशोक नगर की खिरनी को जीआई टैग दिलवाने के लिए प्रस्ताव भेजा गया है। कृषक कल्याण वर्ष में यह एक बड़ी उपलब्धि है। कुम्भराज धनिया- कुम्भराज धनिया गुना जिले में लगभग 60 वर्षों से उगाया जा रहा है। यह किस्म 85-90 दिन में पककर तैयार होती है। इसकी उपज लगभग 12-15 कुंटल प्रति हेक्टर प्राप्त होती है। इसमें लगभग 0.4 से 0.50 प्रतिशित वाष्पशील तेल है, जिसकी वजह से इसमें बहुत अच्छी खुशबू व मिठास आती है। धनिया गुना जिले से अन्य देशो को निर्यात किया जा रहा है। कुम्भराज धनिया का स्वाद दूसरे धनिया की तुलना में तेज और बेहतर है, इसका चमकीला हरा रंग, उत्तम आकृत्ति और माप तथा शानदार सुगंध है। अकेले गुना में सालाना लगभग 32,000 मीट्रिक टन धनिया का उत्पादन होता है जो पूरे देश के कुल उत्पादन का 20 से 25 प्रतिशत है।

बरमान भटे- नर्मदा की बालुई मिट्टी में पैदा होने वाले भटे का जायका कुछ अलग ही है। यही कारण है कि बाहर से भी लोग अक्सर अपने माध्यमों से बरमान के भटे को बुलाते है, मंडियों में बरमान के भटे की तलाश रहती है। विशेषज्ञ मानते हैं कि नर्मदा किनारे कम तापमान होने की वजह से यहां के भटे का स्वाद अलग रहता है। बैतूल का गजरिया आम- बैतूल जिले में खेड़ला किला, भवरगढ़, सांवलीगढ़, शेरगढ़ और असीरगढ़ किले जो 500 साल से ज्यादा पुराने किलो में आते हैं। जो यह बताते है की बैतूल गोंड राजाओ का केंद्र था। भारत वर्ष का सर्वसुलभ एवं लगभग हर प्रान्त में आसानी से उगाया जा सकने वाला फल आम है। ताजे फल के उपयोग के अतिरिक्त आम के फलों से अनेक परिरक्षित पदार्थ बनाये जाते हैं। कच्चे आम का अचार, अमचूर आदि बनाये जाते जबकि पके आम से स्क्वैश, जूस, शर्बत, जैम, अमावट आदि बनाये जाते हैं। अधिकतर आम के बाग अवैज्ञानिक तरीके से लगाये गये हैं, इनकी उत्पादकता अत्यन्त कम है। खरगोन मिर्च- खरगोन जिले की मिर्च सबसे महत्वपूर्ण फसलों में से एक है। जिले में साल दर साल मिर्च की खेती का क्षेत्रफल और उत्पादन बढ़ रहा है। सबसे बड़ी मिर्च मण्डियों में से एक यहाँ खरगोन जिले में सनावद के पास बेदिया में स्थित है।

एक नजर

रालोद संसदीय बोर्ड का गठन, पूर्व सांसद केसी त्यागी बने अध्यक्ष

लखनऊ: राष्ट्रीय लोक दल (रालोद) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय शिक्षा राज्यमंत्री जयंत चौधरी ने मंगलवार को पार्टी के संसदीय बोर्ड का गठन किया। तीन महीने पहले ही पार्टी में शामिल हुए पूर्व सांसद केसी त्यागी को इसका अध्यक्ष बनाया है। संसदीय बोर्ड में पार्टी के दिग्गज नेता, सासंद, पूर्व सांसद, विधायक एवं पूर्व विधायक के साथ खुद जयंत चौधरी बतौर सदस्य शामिल हैं। इस बोर्ड में उत्तर प्रदेश के साथ हरियाणा, राजस्थान और दिल्ली समेत कई राज्यों के नेताओं को जगह दी गई है। रालोद की उत्तर प्रदेश इकाई के मीडिया प्रभारी मयंक त्रिवेदी के मुताबिक राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी के साथ सदस्यों में हरियाणा से सेवानिवृत्त मेजर जनरल बिशम्बर दयाल, पूर्व सांसद तारीफ सिंह, उप्र के पूर्व सांसद मुंशी राम, उप्र के पूर्व मंत्री अशोक यादव, उप्र के पूर्व सांसद मलूक नागर, सांसद के बागपत राजकुमार सांगवान, विधायक राजपाल बलियान शामिल हैं। इसके अलावा पूर्व विधायक राजस्थान अब्दुर सगीर खान, विधान परिषद सदस्य योगेश चौधरी, विधायक राजस्थान सुभाष गर्ग, आगरा के डॉ. यशपाल बघेल, लखनऊ के अनिल दुबे, मुजफ्फरनगर की रमा नागर और बड़ौत चेयरमैन बबीता तोमर भी इस बोर्ड में बतौर सदस्य शामिल हैं। बोर्ड में पार्टी के विभिन्न संगठनात्मक प्रतिनिधियों और गणमान्य नागरिकों को भी जगह दी गई है। इनमें चार विशेष आमंत्रित सदस्य शामिल किए गए हैं। इनमें दिल्ली के किसान नेता युद्धवीर सिंह, राजस्थान के विजय पूनिया और संयुक्त रूप से उप्र के सुखबीर गठीना और चन्द्रबली यादव हैं। पार्टी पदाधिकारियों के मुताबिक संसदीय बोर्ड के गठन से संसद और विधानमंडलों में किसान, युवा, ग्रामीण विकास, सामाजिक न्याय और जनहित से जुड़े मुद्दों को अधिक प्रभावी ढंग से उठाने में मदद मिलेगी। साथ ही संगठन और जनप्रतिनिधियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित होगा। अगले वर्ष होने वाले उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के मद्देनजर यह नई टीम पार्टी की संसदीय रणनीति तैयार करने, विभिन्न राजनीतिक और जनहित के मुद्दों पर विचार-विमर्श करने एवं संगठन को मजबूत बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

जेपी नड्डा ने एम्स के सभी डॉक्टरों को दी डॉक्टर्स डे की शुभकामनाएं

नयी दिल्ली: डॉक्टर्स डे के अवसर पर केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री तथा एम्स के अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने एम्स के सभी डॉक्टरों को शुभकामनाएं दी है। केंद्रीय मंत्री नड्डा ने एक वीडियो संदेश में एम्स के संकाय सदस्यों, रेजिडेंट डॉक्टरों, नर्सिंग अधिकारियों, वैज्ञानिकों, स्वास्थ्यकर्मियों, तकनीकी एवं प्रशासनिक कर्मचारियों, स्वच्छता कर्मियों तथा सहयोगी स्टाफ द्वारा मरीजों की सेवा, चिकित्सा शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार और राष्ट्र निर्माण में दिए जा रहे योगदान की सराहना की। उन्होंने एफएआईएमएस और एम्स प्रशासन के संयुक्त प्रयासों की प्रशंसा करते हुए संकाय कल्याण, संस्थागत विकास, एम्स मास्टर प्लान के क्रियान्वयन, संकाय आवास एवं कार्यालय संबंधी मुद्दों, सीजीएचएस, आठवें वेतन आयोग से जुड़े विषयों, प्रशासनिक सुधारों तथा शैक्षणिक सुदृढ़ीकरण के लिए किए जा रहे कार्यों की सराहना की। नड्डा ने आडीए सहित कई संगऑनों तथा आयोजन समिति द्वारा संचालित स्वैच्छिक रक्तदान अभियान, योग एवं वेलनेस कार्यक्रम, वॉक टू विन फिटनेस अभियान, वार्षिक स्वास्थ्य परीक्षण और डिजिटल जन-जागरूकता पहलों की भी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि समाज की सेवा के साथ-साथ स्वास्थ्यकर्मियों को अपने शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य का भी विशेष ध्यान रखना चाहिए।

उत्तराखंड में आज से मदरसा बोर्ड की जगह अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण करेगा काम

एजेंसी

देहरादून : उत्तराखंड में मंगलवार को मदरसा बोर्ड का अंतिम कार्य दिवस रहा और एक जुलाई से उत्तराखंड मदरसा बोर्ड समाप्त हो जाएगा और उसके स्थान पर उत्तराखंड अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण कार्यभार संभालेगा। नई व्यवस्था के तहत राज्य के 452 पंजीकृत मदरसों सहित सभी अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थानों को नई नियमावली के अनुरूप मान्यता प्राप्त करनी होगी।

राज्य सरकार के अनुसार मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल ने गत 14 मई को उत्तराखंड अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थानों संबंधी मान्यता नियमावली-2026 को मंजूरी दी थी। इसके तहत मदरसा बोर्ड को समाप्त कर अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण का गठन किया गया है। नई व्यवस्था के अनुसार मदरसों को पहले उत्तराखंड शिक्षा बोर्ड से विधिवत संबद्धता प्राप्त करनी होगी और इसके बाद अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण से मान्यता लेनी होगी। प्रत्येक मान्यता तीन शैक्षणिक वर्षों के लिए वैध होगी। प्राधिकरण आवश्यक होने पर संस्थानों का भौतिक निरीक्षण भी करेगा और नियमों के उल्लंघन की स्थिति में सुनवाई के बाद मान्यता निरस्त करने का अधिकार भी रखेगा। नियमावली के तहत मुस्लिम, ईसाई, सिख, बौद्ध, जैन और पारसी इन छह समुदायों को अल्पसंख्यक समुदाय के रूप में मान्यता दी गई है। संस्थानों को निर्धारित सरकारी पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर आवश्यक दस्तावेज और शुल्क जमा करना होगा। आवेदन के दौरान संस्थान की अल्पसंख्यक पहचान, भूमि स्वामित्व, वित्तीय स्थिति, स्टाफ की योग्यता और सामाजिक सौहार्द बनाए रखने की प्रतिबद्धता का परीक्षण किया जाएगा।

सड़क सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता : गडकरी

एजेंसी

नयी दिल्ली : केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने एक कार्यक्रम में कहा कि सड़क सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है और इसके लिए व्यापक स्तर पर कदम उठाए जा रहे हैं। भारत में सड़क दुर्घटनाओं में सबसे अधिक मौतें होती हैं, जो गंभीर चिंता का विषय है। गडकरी ने यहां मंगलवार को उबर के एक कार्यक्रम में कहा अब सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को अस्पताल पहुंचाने वाले को पुलिस या कानूनी झंझटों में नहीं उलझना पड़ेगा। मदद करने वाले व्यक्ति को आर्थिक सहायता भी दी जाएगी। सड़क दुर्घटना में घायल किसी व्यक्ति का किसी भी अस्पताल में इलाज कराने पर डेढ़ लाख रुपये तक का खर्च सरकार वहन करेगी। उन्होंने कहा कि देश में हर साल औसतन पांच लाख सड़क दुर्घटनाएं होती हैं और करीब 1.80 लाख लोगों की मौत होती है। इन हादसों से देश की जीडीपी का लगभग तीन फीसदी नुकसान होता है। इन दुर्घटनाओं में 66 फीसदी पीड़ित 18 से 34 वर्ष आयु वर्ग के होते हैं। सड़क दुर्घटनाएं न केवल जान लेती हैं बल्कि कई लोगों को स्थायी रूप से अपंग बना देती हैं। गडकरी ने कहा कि सड़क सुरक्षा के चार अहम हिस्से सड़क इंजीनियरिंग, वाहन इंजीनियरिंग, प्रवर्तन और जन जागरूकता हैं। इनमें सड़क इंजीनियरिंग सबसे महत्वपूर्ण है। इसके तहत देशभर की सड़कों के ब्लैक स्पॉट और पहाड़ी इलाकों के भूस्खलन वाले हिस्सों की पहचान की गई है। इन ब्लैक स्पॉट्स को सुधारने के लिए 50 हजार करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। अंडरपास और अन्य ढांचागत निर्माण अंतरराष्ट्रीय स्तर का बनाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा के लिए वाहनों की गुणवत्ता और तकनीकी मानकों को भी सख्ती से लागू किया जा रहा है। प्रवर्तन के तहत यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है। वहीं, जनजागरूकता के लिए लगातार अभियान चलाए जा रहे हैं ताकि लोग सड़क पर जिम्मेदारी से व्यवहार करें। गडकरी ने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है बल्कि समाज के हर वर्ग को इसमें सहयोग करना होगा। जागरूकता और जिम्मेदारी से ही सड़क दुर्घटनाओं को कम किया जा सकता है।

नई ईवी नीति को लेकर 2030 तक का रोडमैप तैयार वाहनों के लिए अनिवार्य विद्युतीकरण : रेखा गुप्ता

एजेंसी

नयी दिल्ली : दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि नई दिल्ली ईवी नीति बुधवार को से लागू हो रही है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि नई ईवी नीति को लेकर 2030 तक का रोडमैप तैयार कर लिया गया है। मुख्यमंत्री ने मंगलवार को एक विज्ञप्ति जारी कर कहा कि पूर्ववर्ती सरकार की 2020 की ईवी नीति मुख्य रूप से प्रोत्साहन आधारित थी और इलेक्ट्रिक वाहन अपनाना पूरी तरह स्वैच्छिक था। नई सरकार ने इस व्यवस्था को आगे बढ़ाते हुए प्रोत्साहनों के साथ विभिन्न वाहन श्रेणियों के लिए चरणबद्ध अनिवार्य विद्युतीकरण का स्पष्ट कार्यक्रम तैयार किया है, जिससे इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को नई गति मिलेगी। इसके साथ-साथ परिवहन व्यवस्था में संरचनात्मक बदलाव, चार्जिंग अवसंरचना के विस्तार, मजबूत संस्थागत व्यवस्था और विभिन्न वाहन श्रेणियों के चरणबद्ध विद्युतीकरण का व्यापक कार्यक्रम तैयार किया है।मुख्यमंत्री ने कहा कि नई नीति में इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों पर 30,000 रुपये तक का खरीद प्रोत्साहन जारी रखा गया है। इसके साथ पहली बार पुराने वाहन को स्क्रैप कराने पर 10,000 रुपये का अतिरिक्त प्रोत्साहन भी दिया जाएगा। इतना ही नहीं एक अप्रैल 2028 से दिल्ली में नए दोपहिया वाहनों का पंजीकरण केवल इलेक्ट्रिक वाहनों के रूप में किया जाएगा। तिपहिया वाहनों के क्षेत्र में भी सरकार ने बड़ा निर्णय लिया है। जहां पहले खरीद प्रोत्साहन 30,000 रुपये तक था, वहीं नई नीति में इसे बढ़ाकर 50,000 रुपये तक कर दिया गया है। पुराने वाहन को स्क्रैप कराने पर 25,000 रुपये का अतिरिक्त प्रोत्साहन मिलेगा। साथ ही 1 जनवरी 2027 से एल-5 श्रेणी के नए ऑटो रिक्शा का पंजीकरण केवल इलेक्ट्रिक वाहनों के रूप में किया जाएगा, जिससे इस श्रेणी का पूर्ण इलेक्ट्रिक संक्रमण सुनिश्चित होगा। उन्होंने कहा कि नई नीति में पहली बार माल ढोने वाले वाहनों के लिए व्यापक प्रावधान किए गए हैं। पहले केवल सीमित संख्या में ई-कार्गो वाहनों को प्रोत्साहन और कुछ मार्गों पर नो-एंट्री समय से छूट का प्रावधान था। अब एन-1 श्रेणी के इलेक्ट्रिक ट्रकों पर 1 लाख रुपये तक का खरीद प्रोत्साहन, पुराने वाहन को स्क्रैप कराने पर 50,000 रुपये तक का अतिरिक्त लाभ, एन-1 वाहनों के लिए इलेक्ट्रिक पंजीकरण का प्रावधान और शुरूआती 1,000 एन-2 इलेक्ट्रिक ट्रकों को विशेष नो-एंट्री छूट दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि नई नीति में वर्ष 2030 तक स्कूल बस बेड़े के 30 प्रतिशत हिस्से को इलेक्ट्रिक बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। पूर्ववर्ती नीति में चार्जिंग नेटवर्क विकसित करने पर जोर था, लेकिन नई सरकार ने इसे और व्यापक बनाते हुए दिल्ली ट्रांसको लिमिटेड को नोडल एजेंसी बनाया है।

सड़क हादसे में पिकअप चालक की मौत

लखनऊ : मोहनलालगंज थाना क्षेत्र में मंगलवार की देरशाम को एक सड़क हादसे में पिकअप चालक की मौत हो गई है। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। मोहनलालगंज थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली कि देरशाम को भवनखेड़ा के पास सड़क हादसा हुआ है। सूचना पर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। जांच में पाया कि बंथरा के धावापुर गांव निवासी विकास सिंह (30) पिकअप वाहन चला रहे थे। तभी एक डंपर से उसकी टक्कर हो गई। इस हादसे में पिकअप चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को तत्काल एम्बुलेंस के माध्यम से सीएचसी मोहनलालगंज उपचार के लिए भेजा, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के संबंध में पुलिस ने डंपर चालक को गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

स्वस्थ भारत से ही विकसित भारत का निर्माण संभव : नड्डा

एजेंसी

नयी दिल्ली : केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने मंगलवार को कहा कि स्वस्थ भारत से ही विकसित भारत का निर्माण संभव है। देश में "निवारक स्वास्थ्य देखभाल"को अब ज्यादा महत्व दिया जा रहा है, ताकि लोग गंभीर बीमारियों से पहले ही सुरक्षित रह सकें। स्वस्थ भारत ही विकसित भारत की नींव है और इस दिशा में सरकार लगातार काम कर रही है। मंगलवार को जे पी नड्डा इंस्टीट्यूट ऑफ लिवर एंड बिलियरी साइंसेज के 10वें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए "हार्डवेयर" और "सॉफ्टवेयर" दोनों पर समान रूप से ध्यान दिया है। उनके अनुसार, हार्डवेयर का मतलब है अस्पताल, मेडिकल कॉलेज और आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार, जबकि सॉफ्टवेयर का अर्थ है बेहतर नीतियां, प्रशिक्षण और ऐसा शैक्षणिक माहौल जो डॉक्टरों और शोधकताओं को आगे बढ़ने में मदद करे। उन्होंने बताया कि पिछले वर्षों में देश में मेडिकल कॉलेजों की संख्या 387 से बढ़कर 818 हो गई है। इसी तरह एमबीबीएस सीटें लगभग 50 हजार से बढ़कर 1.20 लाख से अधिक हो गई हैं, जबकि पीजी सीटें 30 हजार से बढ़कर 80 हजार से अधिक पहुंच चुकी हैं। सरकार का लक्ष्य आने वाले वर्षों में और 75 हजार नई मेडिकल सीटें जोड़ने का है, जिससे देश में डॉक्टरों की उपलब्धता और बेहतर हो सके। अपने संबोधन में मंत्री ने यह भी कहा कि आज भारत में 23 एम्स काम कर रहे हैं, जिनमें से कई हाल के वर्षों में शुरू किए गए हैं। यह विस्तार देश में सुपर-स्पेशियलिटी इलाज और मेडिकल शिक्षा को नई दिशा दे रहा है। स्वास्थ्य सेवाओं पर बात करते हुए उन्होंने आयुष्मान आरोग्य मंदिरों की भूमिका को अहम बताया। देशभर में 1.85 लाख से अधिक ऐसे केंद्र काम कर रहे हैं, जो लोगों को प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं दे रहे हैं। यहां बड़ी संख्या में लोगों की ब्लड प्रेशर, डायबिटीज और कैंसर जैसी बीमारियों की जांच की जा रही है। समय पर जांच से कई मरीजों में बीमारी का शुरूआती चरण में ही पता लग रहा है, जिससे इलाज आसान हो रहा है। नड्डा ने कहा कि देश में "निवारक स्वास्थ्य देखभाल" को अब ज्यादा महत्व दिया जा रहा है, ताकि लोग गंभीर बीमारियों से पहले ही सुरक्षित रह सकें। उन्होंने कहा कि स्वस्थ भारत ही विकसित भारत की नींव है और इस दिशा में सरकार लगातार काम कर रही है। आईएलबीएस की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि यह संस्थान लिवर रोगों के इलाज, शोध और फैटी लिवर जैसी बीमारियों के प्रति जागरूकता फैलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि यह संस्थान न केवल देश में बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी पहचान बना रहा है।

संक्षिप्त खबरें

जयपुर में आज और कल होगी 29वीं राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस कॉन्फ्रेंस

जयपुर: राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में 1 और 2 जुलाई को 29वीं राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस कॉन्फ्रेंस होगी, जिसमें देशभर के नीति-निमार्ता, प्रशासनिक अधिकारी, तकनीकी विशेषज्ञ, शिक्षाविद, स्टार्टअप्स और उद्योग जगत के प्रतिनिधि डिजिटल सुशासन के भविष्य पर मंथन करेंगे। 'विकसित भारत 2047 : एआई सक्षम, डेटा संचालित एवं सुरक्षित डिजिटल गवर्नेंस' थीम पर इस सम्मेलन में 2,700 से अधिक प्रतिनिधियों के शामिल होने की संभावना है। राजस्थान के मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'न्यूनतम सरकार, अधिकतम सुशासन' के विजन को साकार करने में डिजिटल गवर्नेंस एक प्रभावी माध्यम बनकर उभरा है। प्रौद्योगिकी के माध्यम से सरकारी सेवाओं की पहुंच, गुणवत्ता, पारदर्शिता और जवाबदेही में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है तथा नागरिकों और शासन के बीच की दूरी लगातार कम हुई है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत-2047 के लक्ष्य की प्राप्ति में डिजिटल गवर्नेंस की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसी उद्देश्य से आयोजित यह सम्मेलन देशभर के नीति-निमार्ताओं, प्रशासनिक अधिकारियों, तकनीकी विशेषज्ञों, शिक्षाविदों, स्टार्टअप्स और उद्योग जगत के प्रतिनिधियों को एक साझा मंच उपलब्ध कराएगा, जहां भविष्य की एआई सक्षम, डेटा संचालित और सुरक्षित डिजिटल शासन व्यवस्था पर व्यापक विचार-विमर्श होगा। मुख्य सचिव ने बताया कि सम्मेलन का आयोजन भारत सरकार के प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय तथा राजस्थान सरकार के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है। इस वर्ष सम्मेलन की थीम ह्यविकसित भारत 2047 : एआई सक्षम, डेटा संचालित एवं सुरक्षित डिजिटल गवर्नेंसह्न रखी गई है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में भारत सरकार के प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग के अतिरिक्त सचिव पुनीत यादव, सरिता चौहान, सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग के शासन सचिव डॉ. रवि कुमार सुरपुर तथा आयुक्त हिमांशु गुप्ता सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। मुख्य सचिव ने बताया कि सम्मेलन का उद्घाटन 1 जुलाई को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा करेंगे। इस अवसर पर सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ भी उपस्थित रहेंगे। उद्घाटन समारोह में राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस प्रदर्शनी का शुभारंभ किया जाएगा तथा विभिन्न जनउपयोगी डिजिटल सेवाओं का लोकार्पण होगा। उन्होंने बताया कि 2 जुलाई को आयोजित समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह में केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और प्रधानमंत्री कार्यालय, कार्मिक, लोक शिकायत, पेंशन, परमाणु ऊर्जा एवं अंतरिक्ष राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह के मुख्य आतिथ्य में राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार-2026 प्रदान किए जाएंगे। सम्मेलन में 2,700 से अधिक प्रतिनिधि, 200 से अधिक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय वक्ता, 400 से अधिक शिक्षाविद, 1,100 से अधिक स्टार्टअप्स एवं उद्यमी, उद्योग जगत के प्रतिनिधि तथा शोधकर्ता भाग लेंगे।

मप्र की महिलाओं के लिए सुरक्षित पर्यटन स्थल मॉडल को यूएन विमेन इंडिया की कंट्री रिप्रेजेंटेटिव ने सराहा

भोपाल: संयुक्त राष्ट्र (यूएन) विमेन इंडिया की कंट्री रिप्रेजेंटेटिव शोको इशिकावा ने मध्य प्रदेश में 'महिला सशक्तीकरण और सुरक्षा' के विजन को साकार करते हुए एमपी टूरिज्म बोर्ड द्वारा चलाई जा रही 'महिलाओं के लिए सुरक्षित पर्यटन स्थल (एसटीडीडब्ल्यू) परियोजना की सराहना की है। मंगलवार को भोपाल में एमपी टूरिज्म बोर्ड में आयोजित एक विशेष सत्र में यूएन विमेन इंडिया की कंट्री रिप्रेजेंटेटिव शोको इशिकावा ने एसटीडीडब्ल्यू परियोजना की प्रशिक्षित बालिकाओं से सीधा संवाद किया और उनके अनुभवों व उपलब्धियों को जाना। इस अवसर पर उन्होंने प्रशिक्षित बालिकाओं के आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और कौशल की सराहना करते हुए कहा कि यह पहल महिलाओं के लिए सुरक्षित और समावेशी पर्यटन के वैश्विक दृष्टिकोण को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उदाहरण है। उन्होंने कहा कि स्थानीय समुदायों की सक्रिय भागीदारी इस परियोजना की सबसे बड़ी ताकत है। महिला पर्यटकों के लिए सबसे सुरक्षित राज्य बनाने का संकल्प एमपी टूरिज्म बोर्ड के अपर प्रबंध संचालक अभय अरविंद बेडेकर ने कहा कि हमारा लक्ष्य मध्य प्रदेश को महिला पर्यटकों के लिए देश का सबसे सुरक्षित और संवेदनशील पर्यटन गंतव्य बनाना है। प्रदेश में सुरक्षा, कौशल विकास और सामुदायिक सहभागिता के समन्वित प्रयासों से महिलाओं के लिए नए अवसर सृजित हो रहे हैं तथा पर्यटन क्षेत्र अधिक समावेशी बन रहा है। हस्तनिर्मित उपहारों में दिखी आत्मनिर्भरता की झलक एसटीडीडब्ल्यू प्रोजेक्ट पर हुए संवाद के दौरान परियोजना से जुड़ी महिलाओं एवं बालिकाओं ने अपने कौशल का परिचय देते हुए अतिथियों को स्वयं निर्मित हस्तशिल्प भेंट किए। इनमें हस्तनिर्मित स्मृति चिन्ह, फैब्रिक ज्वेलरी, फेंगशुई कलाकृतियां शामिल हैं। इन उत्पादों ने न केवल स्थानीय कला और रचनात्मकता को प्रदर्शित किया, बल्कि यह भी दशार्या कि परियोजना महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में प्रभावी रूप से कार्य कर रही है। बैठक के दौरान यूएन विमेन के प्रतिनिधिमंडल ने परियोजना के तहत विकसित कौशल प्रशिक्षण मॉडल, सामुदायिक सहभागिता और महिलाओं के आत्मविश्वास में आए सकारात्मक बदलावों की सराहना करते हुए इसे एक प्रभावी और प्रेरणादायक पहल बताया।

सीए दिवस पर हरिद्वार में गौ सेवा और वृक्षारोपण अभियान शुरू

हरिद्वार: चार्टर्ड अकाउंटेंट्स दिवस के उपलक्ष्य में भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंट्स संस्थान की हरिद्वार शाखा ने मंगलवार को गौ सेवा,वृक्षारोपण और अन्य सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यक्रमों का शुभारंभ किया। कार्यक्रम की शुरूआत वीर भगत सिंह गौ सेवा धाम स्थित गौशाला में गौ सेवा से हुई। शाखा के पदाधिकारियों और सदस्यों ने निराश्रित, बीमार एवं दुर्घटनाग्रस्त गौवंश के लिए दवाइयों, फल, हरा चारा तथा अन्य आवश्यक सामग्री वितरित की। इसके बाद एस.एम.जे.एन. कॉलेज परिसर में वृक्षारोपण अभियान चलाया गया, जिसमें सदस्यों ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। आईसीएआई हरिद्वार शाखा के अध्यक्ष सीए अंकुर अग्रवाल ने बताया कि एक जुलाई को चार्टर्ड अकाउंटेंट्स दिवस के अवसर पर आर्थिक रूप से कमजोर एवं वंचित बच्चों की शिक्षा के समर्थन में विशेष पहल के साथ स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में सचिव सीए प्रखर गुप्ता,कोषाध्यक्ष सीए वासु अग्रवाल,सीए अनिल जैन,सीए अंशुल अग्रवाल, सीए सौरभ अग्रवाल,सीए करण ध्यानी सहित बड़ी संख्या में चार्टर्ड अकाउंटेंट्स एवं उनके परिवार के सदस्य उपस्थित रहे।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह.** 9334331934, 9570107019, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**